जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

उदयपुर

Rashtradoot

फोनः- 2418945 फैक्सः- 0294-2410146 वर्षः 30 संख्याः 28 प्रभात उदयपुर, मंगलवार 29 नवम्बर, 2022 आर.जे. 7202 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

एक नए शोध के अनुसार बीवर (ऊदबिलाव) हमारे पानी की गुणवत्ता व ईकोसिस्टम हैल्थ को बचा सकते हैं। नेचर कम्युनिकेशन्स जर्नल में छपे इस शोध में यह निष्कर्ष दिया गया है, जिसमें कोलोराडो के रॉकी माउन्टेन्स के शहर रॉकी बट के बाहर एक बीवर डैम पर फोकस किया गया था। शोधकर्ता, स्टैनफर्ड युनिवर्सिटी में वॉटर एण्ड सॉइल साईन्स के विद्यार्थी क्रिस्टियान डूवी ने यह शोध कोलोराडो नदी की सहायक नदी ईस्ट रिवर के साथ बहने वाली धारा पर किया है, जो स्थान परिवर्तन करती है। डूवी ने उम्मीद जताई कि, यह शोध वैस्टर्न वॉटर शैड्स (हाई ग्राउण्ड का ऐसा क्षेत्र जो अलग-अलग नदियों के पानी को विभाजित करता है) पर मंडरा रहे संभावित खतरों पर ज्यादा प्रकाश डाल सकता है। डूवी शुरु में बीवर पर शोध नहीं करने वाले थे, लेकिन फिर धीरे-धीरे अति मेहनती बीवर्स उनके रिसर्च क्षेत्र पर छा गए। वर्ष 2018 में गर्मी के मौसम में उन्होंने देखा कि, नदी की मुख्य धारा पर एक बांध बन गया है, जिसके कारण छोटे तालाब में प्रवाह धीमा हो गया है। डूवी ने कहा, ''हम एकदम सही समय पर सही स्थान पर थे, यह देखने के लिए कि बीवर के बनाए डैम से क्या परिवर्तन हुए थे।'' बीवर्स ने दो माह तक बांध को बनाए रखा, जब तक कि पानी से मिट्टी और अन्य शाखाएं बहकर निकल नहीं गईं। डूवी ने धारा के प्रवाह व रासायनिक संरचना का सावधानी से अध्ययन करके पाया कि, बांध ने आसपास की मिट्टी को जलमग्न कर दिया, जिससे माइक्रोब्स ने अतिरिक्त नाइट्रोजन को हानिरहित गैस में बदल दिया। बारिश और बर्फ पिघलने का भी यही असर होता है, पर बीवर्स के बनाए बांधों से ज्यादा लाभ होता है। शोधकर्ताओं ने पाया कि बांध की वजह से 44 प्रतिशत ज्यादा नाइट्रोजन बाहर निकली।

'क्या आप गहलोत द्वारा पायलट को गद्दार कहने से सहमत हैं'

राहुल ने जवाब में कहा, ''मैं इसमें नहीं पड़ना चाहता किसने क्या कहा, हमारे लिये दोनों बहुमूल्य हैं''

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

इन्दौर (मध्यप्रदेश), 28 नवम्बर। राहुल गाँधी ने कहा, अशोक गहलोत व सचिन पायलट दोनों ही पार्टी के लिए ''बहुमूल्य'' हैं, तथा वो इस बात में नहीं पड़ना चाहते कि, किसने किससे क्या कहा। उन्होंने आगे कहा, ''लेकिन मैं आपको आश्वस्त करना चाहता हूँ कि, किसी भी कीमत पर भारत जोड़ो यात्रा पर इसका कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।''

भारत जोड़ो यात्रा के दौरान अपनी सातवीं प्रेस कॉन्फ्रैंस को संबोधित करते समय राहुल गाँधी ने राजस्थान पॉलिटिक्स के बारे में पूछे गए प्रश्न के उत्तर में यह बात कही। उनसे पूछा गया था, ''क्या आप गहलोत द्वारा सचिन पायलट को गद्दार कहने से सहमत हैं।''

इस पर उन्होंने कहा, मैं इस बात में नहीं पड़ना चाहता कि किसने क्या कहा, लेकिन दोनों ही ''बहुमूल्य'' हैं।

जवाब से यह स्पष्ट है कि, राहुल गाँधी तथा पार्टी नेतृत्व की प्राथमिकता केवल यह है कि, राजस्थान में यात्रा बिना किसी अप्रिय घटना के सम्पन्न हो जाए। क्योंकि यदि परस्पर विरोधी गुट सड़क पर उतर आए तो यात्रा में समस्या पैदा हो सकती है। इसके अलावा, राहुल को राजस्थान की समस्या को सुलझाने में कतई रुचि नहीं है, जो कि, पार्टी के नेतृत्व द्वारा कोई निर्णय नहीं लेने के कारण अति कटु और विकट हो गई है।

- **जवाब से यह स्पष्ट है, राहुल की प्राथमिकता है कि, भारत जोड़ो यात्रा, बिना किसी अप्रिय घटना के राजस्थान में सम्पन्न हो जाये और इसीलिये वेणुगोपाल को 29 नवम्बर को जयपुर भेजा जा रहा है।**
- **प्रेस कॉन्फ्रैंस में राहुल का मुख्य प्रयास बार-बार यह समझाने में लगा कि, कैसे उनकी यात्रा राजनीति के बारे में नहीं बल्कि इसलिये है कि, कैसे भाजपा द्वारा जनित घृणा व भय के वातावरण में भी देश को एकजुट रखा जाये।**
- **राहुल ने यह भी कहा कि, भाजपा अपनी मनोस्थिति के अनुसार देश को चलाना चाहती है, जबकि देश जनता की इच्छा के अनुसार चलना चाहिये। पर, राहुल यह भूल गये, जनता ने भाजपा को चुन कर सरकार में भेजा है, अतः भाजपा उसी तरह सरकार चलायेगी, जैसा वह सही मानती है।**
- **राहुल ने यह भी कहा, वो लोग, जैसे ज्योतिरादित्य सिंधिया, यदि रिश्वत लेकर पार्टी छोड़ कर गये हैं, तो उनका पुनः पार्टी में वापस आना मुश्किल है।**

के.सी. वेणुगोपाल को जयपुर भेजा गया है, भारत जोड़ो यात्रा का सहज व सुचारु सफर सुनिश्चित करने के लिए। इसके अलावा दोनों पक्षों से कहा गया है कि, वो अपने समर्थकों को नियंत्रण में रखें तथा अपनी निष्ठा का सार्वजनिक प्रदर्शन ना करें।

प्रेस कॉन्फ्रैंस में राहुल गाँधी का मुख्य प्रयास बार-बार यह समझने में लगा कि, यह यात्रा राजनीति के बारे में नहीं और वो इस यात्रा से किसी तरह के राजनीतिक लाभ की आशा नहीं कर रहे है, बल्कि इसके द्वारा वो भाजपा द्वारा पैदा किए गए भय व नफरत के विरुद्ध देश को एकजुट करना चाहते हैं।

उन्होंने कहा, भाजपा व आस.एस.एस. अपनी मनोस्थिति के अनुसार देश को चला रहे हैं, जबकि देश को जनता की इच्छा के अनुसार चलना चाहिए।

तथापि, वो यह भूल गए कि, जनता भाजपा को सत्ता में लाई तथा भाजपा जो सही समझती है उसके अनुसार देश को चलाएगी।

कांग्रेस के लिए अब इस स्थिति से निपटना बहुत मुश्किल होता जा रहा है,

(शेष पृष्ठ 5 पर)

राष्ट्रपति शी की लताड़ के बाद कैनेडा ने विदेश नीति का रूख बदला

बाली में चीन के राष्ट्रपति ने कैनेडा के प्र.मंत्री पर आपसी बातचीत को सार्वजनिक करने का आरोप लगाया

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 28 नवम्बर। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की कैनेडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के साथ हुई विकट मीटिंग के बाद कैनेडा ने अपनी विदेश नीति में आमूलचूल परिवर्तन करना शुरु कर दिया है।

कैनेडा के विदेशी संबंध अब तक अमेरिका और यूरोपीय देशों तक ही केन्द्रित थे, लेकिन बदली वैश्विक व्यवस्था में वह अपने सभी हितों को सुरक्षित रखने के उद्देश्य से चीन के अलावा एशिया के शेष देशों के साथ अपने संबंध विकसित करना चाहता है। बाली में आयोजित जी-20 देशों के बाली शिखर सम्मलेन के दौरान चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ हुई तनावपूर्ण बातचीत के बाद कैनेडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो अपनी विदेश नीति को चीन से अलग रखने पर जोर दे रहे हैं।

- **कैनेडा के प्रधानमंत्री ने हिम्मत दिखाते हुए कहा, प्रजातंत्र व डिक्टेटरशिप में फर्क है तथा प्रजातंत्र में गोपनीयता पर उतना प्रीमियम नहीं है, जितना डिक्टेटरशिप में।**
- **अब तक कैनेडा की दृष्टि में, इण्डो- पैसिफिक क्षेत्र में व्यापारिक संबंधों की दृष्टि से चीन सबसे महत्वपूर्ण था। जितना चीन-कैनेडा का व्यापार है उसका आधा भी इस क्षेत्र के अन्य देशों से नहीं था।**
- **पर, अब लताड़ के बाद कैनेडा ने इस क्षेत्र के अन्य देशों, भारत, जापान, दक्षिण कोरिया, के साथ व्यापार बढ़ाने के प्रयास तेज किये।**
- **साथ ही चीन की वित्तीय मदद से, कई देशों, जैसे श्रीलंका में भारी भरकम प्रोजैक्ट लगते गये, पर, शुरू से घाटे के सौदे साबित हुए तथा ये देश कर्ज के दलदल में फंस गये। कैनेडा भी इससे सबक लेकर चीन से दूरी बनाने की नीति पर चलना चाह रहा है।**

कैनेडा अपनी सैन्य और नौसैनिक पैट्रोलिंग को पैसिफिक कमाण्ड में आगे बढ़ा रहा है और भारत, जापान और दक्षिण कोरिया जैसे ऐसे देशों के साथ विज्ञान और अनुसंधान को लेकर संबंध स्थापित कर रहा है जो अब तक उसकी दोस्ती से अछूते रहे हैं। वह चीन के अलावा एशिया के अन्य देशों के साथ आर्थिक मजबूत व्यापारिक संबंध मजबूत कर रहा है।

विदेश नीति को लेकर रविवार को जारी एक दस्तावेज में कैनेडा के विदेश मंत्री ने देश के पूवं के अति निर्भर नीतिगत रूख के बारे में प्रैस को ब्रीफ किया। चीन के राष्ट्रपति के साथ हुई बातचीत ने कैनेडा के चीन के साथ रहे अति-निर्भर आर्थिक संबंधों की कमजोरियों को उजागर कर दिया।

अपने और ट्रूडो के साथ हुई बातचीत को एक न्यूज मीडिया को सार्वजनिक करने को लेकर शी ने ट्रूडो को फटकार लगाई थी। ट्रूडो ने इसके जवाब में कहा था कि लोकतंत्र के रूप में उनका देश चीन की गोपनीयता बरतने की आदत के विपरीत एक अलग सिद्धांत

(शेष पृष्ठ 5 पर)

समलैंगिक को दिल्ली हाई कोर्ट का जज बनाने से केन्द्र का इंकार

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 28 नवम्बर। केन्द्र सरकार ने एडवोकेट सौरभ किरपाल को

- **इंडिया अहैड की रिपोर्ट के अनुसार एडवोकेट सौरभ किरपाल का नाम पुनर्विचार के लिए कोलीजियम को भेजा गया है। किरपाल का कहना है कि 2017 से उनका प्रमोशन उनके ''गे'' होने की वजह से लटकाया जा रहा है।**

दिल्ली हाईकोर्ट के जज के रुप में पदोन्नत करने से इन्कार कर दिया है। किरपाल ने गत 17 नवम्बर को मीडिया को बताया था कि उनके ''सैक्सुअल ओरिएन्टेशन'' के कारण उनके प्रमोशन में वर्ष 2017 से ही विलम्ब किया जाता रहा है। इण्डिया अहेड की एक रिपोर्ट के

(शेष पृष्ठ 5 पर)

महाराष्ट्र के राज्यपाल कोश्यारी ने इस्तीफा देने की पेशकश की

कोश्यारी, आये दिन, अपनी टिप्पणियों से केन्द्रीय सरकार के लिये अटपटी स्थिति पैदा कर रहे हैं

-श्रीनन्द झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 28 नवम्बर। बताया जाता है कि महाराष्ट्र के राज्यपाल भगतसिंह कोश्यारी, जो छत्रपति शिवाजी महाराज के बारे में उनकी हाल ही टिप्पणियों को लेकर सभी तरफ से घिर गये हैं तथा केन्द्र सरकार भी उन्हें इन विवादों से बाहर निकालने की इच्छुक दिखाई नहीं दे रही है, ने अपने इस्तीफे की पेशकश कर दी है।

विवादों में बने रहने वाले कोश्यारी ने अभी हाल ही उस समय मराठी संवेदनाओं की नाज़ुक रग को दबा दिया, जब उन्होंने शिवाजी को ''पुराने ज़माने का नायक (आइकन) बताते हुये, उन्हें बाबा साहेब अम्बेडकर तथा नितिन गडकरी जैसे ''राज्य के आधुनिक आइकनों'' की श्रेणी में रख दिया। राज्यपाल की इस टिप्पणी से शिवाजी के वंशजों तथा शिव सेना (यू.बी.टी.) एवं एन.सी.पी. सहित विपक्षी दलों का क्रोध भड़क गया। भाजपा से जुड़े तीन नेताओं- उदयनराजे भौंसले, संभाजी राजे छत्रपति तथा शिवेन्द्र सिंह भौंस के- ने माँग कर डाली कि या तो केन्द्र राज्यपाल को वापस बुलाये या उनसे माफीनामा माँगे।

- **छत्रपति शिवाजी पर उनकी टिप्पणी के बाद केन्द्रीय सरकार ने भी राज्यपाल से दूरी बनाने का मन बनाया।**
- **अकेले पड़ने के कारण कोश्यारी ने इस्तीफा देने की पेशकश की है।**

भाजपा के राज्यसभा सांसद भौंसले ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को पत्र लिखकर, कोश्यारी को वापस बुलाये जाने की माँग की है। इस बीच, शिव सेना यू.बी.टी. तथा एन.सी.पी. राज्यपाल को हटाये जाने की माँग करते हुये, राज्यव्यापी विरोध-प्रदर्शन आयोजित कर रही हैं।

भाजपा नेताओं ने कोश्यारी से संबंधित इस विवाद से दूरी बना ली है। सत्तारूढ़ दल के कुछ वर्गों का मत है कि राज्यपाल अपनी बार-बार की गलतियों एवं अपराधों के कारण पार्टी के लिये एक बोझ (लाइबिलिटी) बन गये हैं। जुलाई में उन्होंने उस समय मराठी लोगों को चिढ़ा दिया था, जब उन्होंने एक समारोह में बोलते हुये कह दिया था कि ''अगर गुजराती और राजस्थानी मुम्बई छोड़ जायें, तो इस महानगर में पैसा ही नहीं रहेगा।'' मार्च में, उस समय उन्हें जबरदस्त आलोचना का सामना करना पड़ रहा था, जब उन्होंने ऐतिहासिक समाज सुधारकों सावित्री बाई एवं ज्योतिबा फूले के विवाह को लेकर

(शेष पृष्ठ 5 पर)

जबरन धर्म परिवर्तन की अनुमति नहीं

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 28 नवम्बर। केन्द्र ने सर्वोच्च न्यायालय से कहा है कि धर्म की स्वतंत्रता के मौलिक अधिकार में लोगों का धर्मान्तरण करने का अधिकार

- **केन्द्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में कहा कि, धार्मिक स्वतंत्रता के अधिकार में लोगों का धर्मान्तरण कराना शामिल नहीं है। सरकार ने यह दलील सुप्रीम कोर्ट में तब दी जब वह फर्जी धर्मान्तरण के खिलाफ दायर याचिका पर विचार कर रहा था।**

(शेष पृष्ठ 5 पर)

'एक अच्छे ''गॉल्फर'' की भांति राहुल आगे बढ़ रहे हैं, अपने व्यक्तिगत अठारहवें होल की तरफ'

''गॉल्फ में आपका कोई प्रतिद्वंदी नहीं, आप अपने ही खिलाफ खेल रहे हैं। अपना ही टारगेट तय करके, आप उसकी ओर बढ़ते हो। कोई फर्क नहीं पड़ता और कौन-कौन अपने टारगेट को प्राप्त कर लेता है''

-सुजीत चक्रवती-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 28 नवम्बर। युवा गांधी, मुझसे 11 साल छोटे, अकेले चल रहे हैं जैसे गॉल्फ का खेल होता है अकेले ही खेला जाता है। अचरज की बात है कि लाखों लोग उनके साथ चल रहे हैं।

गॉल्फ के खिलाड़ी दिगराज मारवाह ने मुझे एक बार बताया था कि, ''गॉल्फ ही एक मात्र ऐसा खेल है जिसमें आप खुद के खिलाफ खेलते हैं इसमें कोई प्रतिस्पर्धी नहीं होता है। आप ही अपने लिए लक्ष्य तय करते हैं और उसे हासिल करते हैं। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि कौन ज्यादा हासिल करता है कौन कम। जो आप कर सकते हैं, उतना हासिल कर सकते हैं कोई भी आपको रोक नहीं सकता है।''

गॉल्फ में कोई और मैदान तैयार करता है, इसमें कई अड़चने और बाधाएं होती हैं जो जानबूझ कर डाली जाती है, जैसे वॉटरहोल्स, सैंड बंकर्स, खाई आदि आदि आपको इन बाधाओं को पार करना पड़ता था। इसके अलावा हवा भी होती है जो कभी आपके पक्ष में होती है तो कभी विपरीत, फिर आपको हवा की दिशा और गति का हिसाब लगाकर शॉट मारना पड़ता है।

विशेषज्ञ हैरान हैं उन्हें कोई आईडिया नहीं है कि असल में कुछ राजनैतिक विश्लेषक अभी भी सोच रहे हैं कि इसके कुछ अलग मायने हैं। आखिरकार राजनीति में आखिरी खेल जीतने वाली पार्टी का होता है।

मैं शर्त लगा सकता हूँ कि राहुल की भारत का प्रधानमंत्री बनने की कोई योजना नहीं है। वो गॉल्फ के गेम में हैं। अपनी ही निजी इच्छाओं के खिलाफ खेल रहे हैं और स्ट्रीट पॉलिटिक्स से ऊपर उठ रहे हैं। एक और गांधी एम.के. (मोहन दास करमचंद) भी कभी भी प्रधानमंत्री नहीं बनना चाहते थे।

- **वरिष्ठ पत्रकार सुजीत चक्रवर्ती अपने ''गॉल्फिंग सबकों'' को राहुल की भारत जोड़ो यात्रा में परिलक्षित देख रहे हैं।**
- **''गॉल्फ कोर्स'' कोई और सैट करता है, उसमें नाले, पानी के वॉटर-होल्स, गड्ढे कोई और बनता है, गॉल्फ कोर्स में कृत्रिम कठिनाईयाँ उत्पन्न करता है।**
- **राहुल के लिये राजनीति के गॉल्फ कोर्स को परपितामह नेहरू, दादी इंदिरा गांधी ने अपनी ''गल्तियों'' और ''उपलब्धियों'' से ''क्यूरेट'' किया (बनाया) अब इस गॉल्फ कोर्स पर राहुल को अपना खेल खेलना है।**

राहुल के लिए यह गोल्फ टर्फ अन्य लोगों ने गत 70 साल में बनाया है। कई मुश्किलें हैं। सबसे पहली तो उनके परनाना पं. जवाहर लाला नेहरू की गलतियां। दूसरे तानाशाही की विरासत जैसी उनकी स्वर्गीय दादी मां इंदिरा गांधी की, जिन्होंने बांग्लादेश को आजादी दिलाई और अमेरिका के राष्ट्रपति निक्सन द्वारा समर्थित पाकिस्तान को हराया। तीसरी उनके पिता की विरासत जिन्हें लिट्टे आतंकवादियों ने बम से उड़ा दिया था।

किसी भी अन्य खेल की तहत इसमें बहुत सा अनुशासन चाहिए, धैर्य, ध्यान और निश्चित रूप से शारीरिक क्षमता और ध्यान केन्द्रित करने की समक्षा की भी जरूरत है।

और सबसे बड़ी बाधा उनकी इटली में जन्मी भारतीय नागरिक मां है, जब मैं सिक्किम में काम कर रहा था तब किसी काम के तहत मैं उनसे मिलने गया था तो मैंने उनके कार्यालय में लिखा देखा था कि ''मुझे बहु नहीं बेटी बोलो''

इतनी सारी बाधाएं है और वे अभी भी अठारहवें होल की तरफ बढ़ रहे हैं। उन्हें क्या हासिल हुआ है, या कहे कि वे क्या हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं?

आप देखिए गॉल्फ में कई तरह के स्कोर होते हैं जैसे बर्डी, ईगल या

(शेष पृष्ठ 5 पर)

अल्पसंख्यक छात्र को आतंकवादी कहना भारी पड़ा

-लक्ष्मण वेंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 28 नवम्बर। बैंगलोर में एक ऐसी घटना हुई जिसमें एक युवा छात्र को सिर्फ धर्म के आधार पर आतंकवादी बताकर उसके साथ एक तरह से अन्याय किया गया। शायद इस घटना पर किसी का ध्यान नहीं जाता, लेकिन अल्पसंख्यक समुदाय का यह छात्र गुस्से में आकर अपना पक्ष साबित करने पर अड़ा रहा और उसने प्रोफेसर

- **बैंगलोर मणिपाल इंस्टीट्यूट ऑफ टैक्नॉलजी ने आरोपी प्रोफेसर को निलम्बित कर दिया। तीन-चार दिन पुरानी इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।**

(शेष पृष्ठ 5 पर)

विचार बिन्दु

आतंक का जन्म असंतोष से होता है असमानता से इसे हवा मिलती है और यह अपनी आग में हज़ारों को लेकर जल मरता है।

–मुक्ता

ऐसा जवाबदेही कानून किस काम का?

देश में जब भी कोई समस्या उत्पन्न होती है तो उसका हल कानून के माध्यम से करने का प्रयास किया जाता है। यह माना जाता है कि उस विषय पर कानून बन गया तो वह समस्या हल हो जाएगी। कानून बनाने के लिए केंद्र सरकार, संसद में एवं राज्य सरकारें विधानसभाओं में विधेयक प्रस्तुत करती हैं और सदन में पारित होने के पश्चात ये कानून का रूप ले लेते हैं। यह एक सर्व ज्ञात तथ्य है कि जितने कानून भारत में हैं, उतने शायद ही किसी अन्य देश में होंगे। कई बार प्रधानमंत्री एवं अन्य प्रबुद्धजनों के द्वारा यह विचार व्यक्त किया गया है कि कानूनों को कम किया जाए। इसी प्रक्रिया में, कई कानून समय-समय पर समाप्त भी किए गए हैं, क्योंकि उनकी उपादेयता बदलते समय के संदर्भ में समाप्त हो गई थी।

उल्लेखनीय है कि केंद्र एवं राज्य सरकार के कानूनों में एक समानता दिखाई देती है और वह है कानूनी भाषा की जटिलता ।जिस भाषा में और जिस शब्दावली में सभी कानून लिखे जाते हैं, वे जिस व्यक्ति के लिए बनते हैं, वह उन्हें समझने में कतई समर्थ नहीं होते हैं। यही कारण है कि इन कानूनों के कारण उत्पन्न विवाद न्यायालयों के विभिन्न स्तरों पर सालों चलते रहते हैं।

साधारण नागरिक, एक मूक दर्शक की तरह यह सब होते हुए देखते रहने के लिए बाध्य है। यही कारण है कि एक ही प्रकार के कानून के अंतर्गत विभिन्न प्रकार के निर्णय अलग-अलग स्तरों पर होते हैं जो कई बार विरोधाभासी होते हैं।

मैंने राजकीय सेवा में सन 1974 में प्रवेश किया था, किंतु तब से अब तक 48 वर्षों में कानून बनाने वालों की भाषा में कोई बदलाव नहीं आया है। आप चाहे कोई कानून उठा कर देख लें, यहां तक कि सरकारी नियम और प्रक्रिया भी देख लें तो उसकी भाषा इतनी जटिल एवं शब्द इतने क्लिष्ट हैं कि उसका अर्थ समझना संभव नहीं है। भाषा हिंदी हो अथवा अंग्रेजी, जटिलता दोनों में समान रूप से दिखाई देती है। इस लेख में हम एक ऐसे कानून की बात करेंगे, जिसका उद्देश्य सरकारी तंत्र की जवाबदेही तय करना है। जवाबदेही कानून बनाने के लिए विभिन्न नागरिक संगठन कई वर्षों से प्रयासरत थे, विशेषकर प्रसिद्ध सामाजिक कार्यकर्ता अरुणा रॉय एवं उनके साथी। 'सूचना का अधिकार' कानून बनने के बाद किसी भी निर्णय प्रक्रिया के पीछे क्या आधार रहा, उसे जानने का एक अवसर जनता को मिला है, किंतु विभिन्न समस्याओं से संबंधित प्रार्थना पत्रों का निस्तारण समय पर नहीं होने से वह अब भी सरकारी कार्यालयों के चक्कर लगाने के लिए मजबूर है। विलंब और परेशानी से बचने के लिए उसे कई बार 'सुविधा शुल्क', किसी न किसी नाम से देना पड़ता है। मेरा विचार है कि जब कानून नियम एवं प्रक्रिया स्पष्ट और सरल होगी तो जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय करना भी सरल होगा। इसी उद्देश्य से कानून बनाने की मांग करते रहे हैं। इससे पूर्व, राजकीय सेवाओं प्रदान करने का गारंटी कानून, सुनवाई का अधिकार कानून, राजस्थान सरकार ने पारित कर देश में एक प्रकार से पहल की थी। इन सभी कानूनों में कमी, पदाधिकारियों की जवाबदेही सुनिश्चित कर उन्हें दण्डित करने की थी। इस हेतु संगठनो द्वारा जवाबदेही कानून का प्रारूप प्रस्तुत किया गया। अब सरकार ने प्रस्तावित कानून के प्रारूप को वेबसाइट पर डाल कर नागरिकों से सुझाव एवं आपत्तियां मांगी हैं। यह एक ऐसा अवसर है जब इस कानून की भाषा पर विचार किया जाए एवं यह भी देखा जाए कि इस कानून का लाभ वास्तव में जवाबदेही सुनिश्चित करने में कितना मिल पाएगा?

पहले तो हम इस कानून की भाषा एवं इसमें प्रयुक्त शब्दावली पर ही गौर करें तो पाएंगे कि यह आम जनता की भाषा से कहीं दूर है। उदाहरण के लिए इस कानून के कुछ अंश नीचे उद्धृत हैं:–

'शिकायत' से सेवा के परिदान में सदोष प्रत्याख्यान या अननुपालन के संबंध में जैसा विहित किया जाए, सरकार की नीति कार्यक्रम या योजना के अधीन सेवाएं प्रदान करने में विफल होने पर अनुतोष चाहने के लिए। आशयित हिताधिकारी या हिताधिकारियो द्वारा लोक प्राधिकारी के समक्ष किया गया कोई आवेदन अभिप्रेत है।

उपरोक्त पंक्तियाँ केवल शिकायत को परिभाषित करने के लिए हैं। पाठक इस बात से सहमत होंगे कि यह भाषा किसी भी साधारण व्यक्ति की समझ से परे है। इसमें ऐसे शब्दों का प्रयोग किया गया है,जिसका अर्थ समझने के लिए डिक्शनरी देखनी पड़ेगी। अभी तक समझ में नहीं आया कि क्यों हम सामान्य बोलचाल की भाषा में कानून नहीं बना सकते ताकि नागरिकों को अनावश्यक रूप से कोर्ट - कचहरी के चक्कर न लगाने पड़े। भाषा चाहे हिंदी हो अथवा अंग्रेजी, दोनों में ही, छोटे वाक्य और सरल शब्दों का प्रयोग करते हुए सामान्य बोलचाल की एवं समझ में आने वाली भाषा में कानून बनाए जा सकते हैं। इसका एक प्रयोग, सरकार चाहे तो इस कानून के माध्यम से कर सकती है। सरकार यदि हिंदी को अधिक प्रचलन की भाषा बनाना चाहती है तो हिन्दी को राजभाषा विभाग के चंगुल से निकालना होगा और उसे सामान्य समझ में आने वाली भाषा के रूप में काम लेना होगा। यदि ऐसा किया गया तो न केवल इससे हिंदी अधिक प्रचलित होगी अपितु उसकी मान्यता भी बढ़ेगी। साथ ही, इस प्रकार की भाषा के माध्यम से, नागरिक, उसके लिए बनाए गए विभिन्न योजनाओं का उपयोग बिना किसी बिचौलियों की सहायता के कर पाएगा। इससे सरकारी कार्यालयों में भ्रष्टाचार समाप्त करने में भी सहायता मिलेगी।

> **अभी तक समझ में नहीं आया कि क्यों हम सामान्य बोलचाल की भाषा में कानून नहीं बना सकते ताकि नागरिकों को अनावश्यक रूप से कोर्ट - कचहरी के चक्कर न लगाने पड़े। भाषा चाहे हिंदी हो अथवा अंग्रेजी, दोनों में ही, छोटे वाक्य और सरल शब्दों का प्रयोग करते हुए सामान्य बोलचाल की एवं समझ में आने वाली भाषा में कानून बनाए जा सकते हैं।**

जो प्रारूप स्वैच्छिक संगठनों ने सरकार को दिया था, उसे बिल्कुल ही बदल दिया गया है और इसमें जिम्मेदार अधिकारियों को दंड का प्रावधान नहीं है। यह स्पष्ट नहीं कि कितने समय में कौन सा काम किया जाएगा एवं जब यह काम नहीं होगा तो उसके लिए संबंधित अधिकारी को कितना दंड मिलेगा? दंड देने के लिए अधिकार किसके पास होगा, इसका उल्लेख नहीं है। जवाबदेही के अभाव का मुख्य कारण यह है कि किसी भी प्रकरण को लंबित रखकर या उसमें विभिन्न प्रकार की कमियां निकाल कर परेशान किया जा सकता है। एक ही प्रकार के प्रकरण में अलग-अलग तरह के निर्णय होते हैं। निर्णय इस पर निर्भर करता है कि आप किसी बिचौलिए अथवा एजेंट के माध्यम से गए हैं, किसी बड़े अधिकारी या जनप्रतिनिधि से सिफारिश करा के गए हैं या सीधे ही कार्यालय गए हैं। होना तो यह चाहिए कि चाहे सीधा जाए अथवा किसी के माध्यम से,उसके कार्य के निस्तारण की गति एवं गुणवत्ता में कोई अंतर नहीं होना चाहिए। कानून में यह स्पष्ट होना आवश्यक है किसी भी विभाग में कार्य करने के लिए जिम्मेदारी किसकी होगी एवं किस प्रकार की प्रक्रिया होगी? यह स्पष्ट होगा तो कोई भी अधिकारी बिना काम को अटकाए, समय पर काम करने के लिए बाध्य हो जाएगा। साधारण नागरिक चाहे वह बहुत पढ़ा-लिखा न भी हो, इतना तो समझता ही है कि उसके हित में क्या है? जब उसे स्पष्ट होगा कि किसी भी विषय संबंधी उसका कार्य कराने हेतु क्या-क्या दस्तावेज लगाने हैं एवं एक बार आवश्यक दस्तावेज लगाने के बाद उसे दोबारा कार्यालय में जाने की आवश्यकता नहीं होगी, तो फिर क्यों भला किसी व्यक्ति को रिश्वत देगा या अनावश्यक रूप से बार-बार कार्यालयों के चक्कर लगाएगा? ऐसा होगा, तभी हम कह पाएंगे कि वास्तव में राज्य में सुशासन स्थापित करने में सफल हो पाए हैं। साधारण नागरिक को बड़ी-बड़ी बातों से कोई मतलब नहीं है। उसे तो रोजमर्रा के छोटे-छोटे विषय बिजली, पानी का कनेक्शन, भूखंड पर भवन निर्माण की स्वीकृति, भूखंड का भूमि रूपांतरण, आवंटन, अपनी भूमि का उत्तराधिकारी के आधार पर बंटवारा, करना हो या भूमि का विक्रय पर नाम हस्तांतरण आदि से अधिक जुझना पड़ता है।

संविधान में सभी नागरिकों को समानता का अधिकार दिया है तो फिर अलग-अलग लोगों से अलग-अलग व्यवहार क्यों? अभी हाल ही में पूरे देश में संविधान दिवस 26 नवंबर को मनाया गया। नागरिक को संविधान की मूल भावना के अनुसार, कानून के अंतर्गत समान रूप से न्याय प्राप्त करने का अधिकार तो मिले। यह तभी संभव है, जब हमारे कानून बहुत सरल एवं स्पष्ट होंगे। इसकी शुरुआत, इस जवाबदेही कानून से कर सकते हैं। जवाबदेही कानून को जटिल बनाने वालों की भी जवाबदेही तय करने की आवश्यकता है। विधि प्रारूप कारों को भी इस विषय पर साधारण नागरिक की दृष्टि से विचार करना होगा और तब अपना प्रारूप बनाना होगा। ऐसा होने पर लोगों के सुझाव भी इस बारे में बहुत मिलेंगे तथा जब इस पर विधानसभा में चर्चा होगी, उस पर विधायक गण भी सरलता के साथ इस कानून के विभिन्न प्रावधानों पर चर्चा कर सकेंगे। हम यह मानकर चलते हैं कि कानून केवल विधि वेत्ता के लिए है। मेरी दृष्टि में। विधि रचनाकार तो केवल इसके माध्यम हैं, इसका असली प्रभाव तो साधारण जनता पर पड़ता है। हमें विधि विशेषज्ञों के बारे में अधिक चिंतित करने की आवश्यकता नहीं है। अपितु बिना किसी पूर्वाग्रह के नागरिकों के हित में व्यवस्था बनाने हेतु कार्य करना होगा। भारत के नए मुख्य न्यायाधीश ने भी इसी प्रकार की बात कही है कि न्यायालयों को, न्याय त्वरित न्याय प्रदान करने हेतु नागरिक के पास जाना होगा न कि नागरिकों को अनावश्यक रूप से न्यायालयों के चक्कर लगाने के लिए मजबूर किया जाय। इस प्रकार की व्यवस्था का प्रारंभ तो हमें, कानून को सरल बनाने से ही करना होगा।

राज्य सरकार से यह आशा है कि वह प्रस्तावित जवाबदेही कानून का प्रारूप सरल भाषा में जारी करे ताकि सर्व साधारण, उसे समझ कर अपनी टिप्पणियां दे पाए। इसमें अधिकारियों पर तत्काल दंड का प्रावधान भी करना होगा और साथ ही, जिस व्यक्ति पर दंड देने की जिम्मेदारी है, उसकी भी जवाबदेही तय करनी होगी। यह भी हमें समझना होगा कि प्रत्येक स्तर की जवाबदेही केवल और केवल मात्र नागरिक के प्रति है। यही जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए संविधान निर्माताओं ने संविधान का निर्माण किया था। सभी कानून, संविधान प्रदत्त अधिकारों की रक्षा करने हेतु ही बनाए जा रहे हैं। इससे अच्छा क्या होगा कि हम नागरिक के हित में प्रशासनिक तंत्र की जवाबदेही तय करने में सफल हो सकें?

यदि ऐसा नहीं किया गया तो, वर्तमान रूप में जो जवाबदेही कानून सामने आया है, उससे तो कोई आशा नहीं बनती है कि नागरिक को कोई न्याय मिलेगा एवं अधिकारियों की जवाबदेही तय कर उन्हें दंड मिलेगा। जब तक कोई भी कानून दंत विहीन और नख विहीन होगा तो उसकी परवाह प्रशासनिक तंत्र करेगा, इसकी आशा करना व्यर्थ है।

–अतिथि सम्पादक,
राजेन्द्र भाणावत
(पूर्व आई.ए.एस. अधिकारी)

आहार में मुख्य पोषक तत्वों के अतिरिक्त कुछ अन्य तत्व भी वांछनीय होते हैं क्या?

शरीर में वृद्धि अथवा परिवर्तन के लिए वांछित पोषण आवश्यक होता है। यह पोषण भोजन के द्वारा शरीर को प्रतिदिन प्राप्त होता है । चूंकि शरीर की वृद्धि में अनेक तत्व आवश्यक होते हैं अत: उन सभी तत्व की आहार से पूर्ती होना चाहिए।

शरीर की अवस्थाओं और शारीरिक श्रम के अनुसार पोषक तत्वों की मांग बढ़ती-घटती है। अत: शरीर आवश्यकता के अनरूप आहार में सभी पोषक तत्वों की प्रचुरता विध्यमान होनी आवश्यक है। पोषक तत्वों के मुख्य घटक ऊर्जा (शर्करा एवं वसा) के अतिरिक्त, वसा प्रोटीन, खनिज, विटामिन्स आते हैं। ये सभी पोषण के तत्व हैं। इनके अलावा कुछ और तत्व भी खोज लिए गए हैं जिनसे न तो पोषण मिलता है और न ही कोई ऊर्जा। वैज्ञानिकों ने ऐसे आहार जिनमे ऐसे तत्व मौजूद होते हैं उन्हें पोषण से परे खाद्य (फ़ूड बियॉन्ड नुट्रिशन) की संज्ञा दी है। आगे हम ऐसे ही कुछ महत्वपूर्ण खाद्य व् उनमे मौजूद तत्वों की व्याख्या करेंगे जिनसे आम आदमी अभी तक अनभिज्ञ बना हुआ है।

सर्व प्रथम हम लेते हैं :–

1. फाइबर अथवा रेशा :- खाद्य के फाइबर का पोषण में बड़ा योगदान है। कोई ऊर्जा नहीं देने पर भी फाइबर आमाशय और आँतों में अधपचे पदार्थ को ठोस या सीमेंट सदृश होने से रोकता है जिससे पाचन किण्वकों (एन्ज़ाइम्स) की भोजन पचाने में सक्रियता बढ़ती है और आहार सुगमता से पाचन तंत्र में आगे बढ़ता रहता है। फाइबर भी घुलनशील और अघुलनशील दो प्रकार के होते हैं। घुलनशील फाइबर बड़ी आंत में किण्वित (फरमेंट) होते हैं। वहां उपस्थित कुछ लाभकारी जीवाणुओं द्वारा ऐसे तत्व पैदा करते हैं जिनकी उपस्थित से हानिकारक जीवाणु मर जाते हैं और उत्पन्न हुए पदार्थों विशेष रूप से अम्लों से आहार का कैल्शियम घुलनशील होकर आंत से सुगमता से अवशोषित हो जाता है। यह कार्य बड़ी आंत अथवा कोलन में संपन्न होता है, अन्यथा बड़ी आंत में आहार के किसी मुख्य तत्व का पाचन नहीं होता और न ही वहां कोई किण्वक (एंजाइम) स्त्रावित होता है। इसलिए भोजन में फाइबर का भोजन में प्रचुरता से रहना परम आवश्यक है। जिसके लिए सभी अनाज, दालें आदि छिलके सहित ही खाना चाहिए। वनस्पति स्त्रोत से मिलने वाले फाइबर में इनुलिन, सीड गम, इसबगोल, बबूल का गोंद, तथा जीवाणुओं से उत्पन्न गोंद जैसे– ज़ेंथेन, गेलंन आदि।

प्रो. डॉ. वीर बहादुर सिंह

2. फ़ायटो नूटीऐंट्स :– इस श्रेणी के तत्वों में कैरोटेनॉयड्स, फ्लवोनोइड्स, फ़ायटोस्टेरॉल्स, पॉलीफेनोलिक्स, फायटो एस्ट्रोजेन्स, ऑर्गनॉसल्फर और ग्लूकोसिनोलेट्स शामिल हैं। इनके खाद्य स्त्रोतों में गाजर, काशीफल, पपीता, नारंगी संतरा और हरी पत्तेवाली सब्जियां मुख्य हैं। पोषण की दृष्टि से ये अवयव इनर्ट अथवा निष्क्रिय होते हैं लेकिन ग्रीन चाय में मौजूद कटेचिन कैंसर इलाज में कीमोथेरेपी को सहायता देते हैं। फ्लवोनोइड्स में चोकोलेट, कोका, साइट्रस फल और बेरीज एंटीऑक्सीडेंट और मधुमेह रोधक का कार्य करते हैं। लिकोपिन लाल रंजक जो टमाटर और अनार, तरबूज आदि में रहता है शरीर की कोशिकाओं से हानिकारक विचरती सिंगल ऑक्सीजन को पकड़ कर बाहर कर देता है।

वसा से सम्बंधित ब्यूटिरिक अम्ल,; मोनो असंतृप्त ग्लीसेरीड ; कंजुगेटेड लिनोलिक अम्ल ; और ओमेगा वसीय अम्ल स्वास्थ्य के लिहाज से महत्वपूर्ण हैं। गाय भैस का दूध अमूमन इन सब का अच्छा स्त्रोत है। दूध साधारणत: लेक्टोफेरिन ; व्हेय प्रोटीन ; कंजुगेटेड लिनोलीक एसिड ; ग्लीकोप्रोटीन्स ; बायोएक्टिव पेप्टाइड ; और ओलिगो सकारीड की उपस्तिथि से अनेक हेल्थ लाभ प्रदान करता है जिनमे हृदय सम्बन्धी व्याधि भी शामिल हैं।

3. फ़ायटोस्टरॉल और असंतृप्त वसीय अम्ल :– यह स्टेरोल टरपीन होने से आंत में कोलेस्ट्रॉल से अवशोषण में संर्घष करते हैं, तथा कोलेस्ट्रॉल को शरीर से बाहर करने में सहायक है। ओमेगा वसीय अम्ल (डी एच ए, व् ए अल ए) का अवसाद रोकने, एकाग्रता में कमी, अल्झाइमर और डेमेंशिया नामक बीमारिओं को रोकने में सहायक होते हैं और आँखों की रेटिना (पर्दा) के स्वास्थ्य के लिए परम आवश्यक है।

वैसे अम्लों में मूफा (ऍम यु ऍफ़ ए) और पूफा (पॉली असंतृप्त वसीय अम्ल) की उपस्तिथि शरीर की अनेक क्रियाओं में सहायक होते हैं। मोनो असंतृप्त के स्त्रोत जैतून का तेल, केनोला व् सरसों का तेल, और बहुअसंतृप्त अम्लों के स्त्रोत अखरोट, अलसी, मछली का तेल, सूरजमुखी तेल, कुसुम का तेल तथा कॉर्न का तेल इन ओमेगा वसीय अम्लों के अच्छे स्त्रोत हैं।

4. ग्लूकोसिनोलेट और ओर्गनो सल्फर :– ये तत्व वनस्पति यथा, सरसों प्रजाति की, फूलगोभी, पत्तागोभी, हरीगोभी (ब्रोकली), शलजम, मूली आदि में मिलते हैं। ये तत्व ताकतवर कैंसररोधी होते हैं। ऑर्गनॉसल्फुर, लहसुन, प्याज, स्कालिओं (हरा प्याज) में मौजूद होते हैं, ये शरीर के विषैले पदार्थों को निकाल रोगप्रतिरोधक क्षमता और हृदय को शक्ति प्रदान करते हैं। ये रक्त चाप, और कोलेस्ट्रॉल को भी कम करते हैं, जिससे हृदयघात होने की सम्भावना कम हो जाती है।

5. अन्य अवयव :– वैसे तो सूची लम्बी है लेकिन प्रोबिओटिक्स की बात बताना जरूरी है। प्रोबिओटिक्स लाभकारी जीवाणु होते हैं जिन्ह हम नित्य दही, छाछ, दूध के अन्य किण्वित उत्पाद यथा चीज़, माखन, लस्सी-छाछ सरीखे, कुछ अचार में भी किण्वन से लाभकारी जीवाणु उत्पन्न हो जाते हैं। सिरका (विनेगार) ऐसा ही एक उत्पाद है जो गन्ना सेव जामुन आदि से किण्वन कर बनाया जाता हैं।

लैक्टिक अम्ल पैदा करने वाले जीवाणु जैसे स्ट्रेप्टोकॉकस लैक्टिस , लैक्टोबैसिलस थर्मोफिलस , एसिडोफिलस, बीफेडोबक्टेरियम आदि जीवाणु पाचन तंत्र की बड़ी आंत में पनप कर और वहां रहकर कमाल के फायदे पहुँचाते हैं।

उपरोक्त वर्णन को भलीभांति समझ कर पाठक अपने आहार के अवयवों का समुचित चयन करें। उपरोक्त वर्णित सूक्ष्मतम तत्वों की पूर्ती तभी संभव होगी जब हम आहार के अवयवों की भिन्नता को प्रतिदिन वरीयता से छांटकर आहार में सम्मिलित करेंगे।

खाद्य वस्तुएं चयन करते समय सात रंगों की सब्जियां और फल ही अशरीर अपने आहार में सम्मिलित करे प्रतिदिन बदल-बदल कर। जहाँ तक हो सके सब्जिओं और फलों को अच्छी प्रकार जल से साफ़ कर छिलके सहित ही खाने की प्राथमिकता रखें। ऐसा करने से आपका शरीर अनेक रोगों से बचा रहेगा।

प्रो. डॉ. वीर बहादुर सिंह,
पूर्व कुलपति एवं डेयरीविज्ञ
एमपीयूएटी उदयपुर

आधा सत्र बीत जाने के बाद भी सरकारी स्कूलों में शिक्षकों की कमी

- **कांग्रेस सरकार खाली पदों पर नियुक्ति नहीं निकाल रही**
- **मानपुर, सांवलिया, सवाई माधोसिंह पुरा एवं स्वामी का वास स्कूल में गणित के अध्यापक ही नहीं**

चाकसू, (निसं)। वर्ष 2022-23 के शैक्षिणक सत्र का आधा समय गुजर चुका है। कांग्रेस सरकार खाली पदों पर नियुक्ति नहीं निकाल रही। विद्यालय एवं महाविद्यालयों की घोषणा अवश्य कर दी गई है लेकिन भौतिक संसाधनों के साथ साथ शिक्षकों की कमी को लेकर अविभावक परेशानी में हैं वहीं बालकों की पढ़ाई नहीं हो पा रही। मासिक टेस्ट, अर्धवार्षिक परीक्षा कैसे हो रही है यह सच्चाई शिक्षक ही जानते हैं अथवा विद्यार्थी।

सरकार ने एक माह पहले ही नई नियुक्ति होने तक सभी माध्यमिक उच्च माध्यमिक विद्यालयों के संस्था प्रधानों को गेस्ट फैकल्टी पर विषय के अनुसार अस्थाई रूप से शिक्षक लगाने के निर्देश जारी किए गए थे। हमेशा की तरह इस बार भी सरकार ने एनवक्त आरक्षण का हवाला देते हुए गेस्ट फैकल्टी भर्ती योजना ही निरस्त कर बेरोजगार युवकों की आशाओं पर पानी फेर दिया। केवल चाकसू तहसील के उच्च माध्यमिक विद्यालयों में अंग्रेजी विषय के 12, गणित विषय के 5, हिंदी विषय के 10, शारीरिक शिक्षकों के 9, सामान्य शिक्षकों के 10 पद रिक्त चल रहे हैं। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय मानपुर, सांवलिया,सवाई माधोसिंह पुरा एवं स्वामी का वास में साइंस मैथ्स विषय तो है लेकिन अध्यापक ही नहीं है। इसी प्रकार गिरधारीलाल लाल पुरा, सांवलिया एवं माधोसिंह पुरा में भूगोल के व्याख्याता नहीं है। निमोडिया विद्यालय में इतिहास एवं टूमली का वास विद्यालय में अर्थशास्त्र का व्याख्याता नहीं है। आजम नगर में उर्दू अध्यापक की पोस्ट खाली चल रही है। बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय में शारीरिक शिक्षक का पद रिक्त पड़ा है। एक दर्जन से अधिक पद तो सामान्य शिक्षकों के ही रिक्त चल रहे हैं। जानकारी के अनुसार कोटखावदा तहसील के विभिन्न सरकारी विद्यालयों में लगभग 53 पद शिक्षकों के रिक्त चल रहे हैं। इस विषय को लेकर शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने पत्र व्यवहार करने के अलावा कुछ नहीं किया तो जनप्रतिनिधियों को जैसे इस विषय को लेकर कोई सरोकार ही नहीं है। राजस्थान शिक्षक संघ राष्ट्रीय उप शाखा के अध्यक्ष रामप्रसाद चौधरी, जिलाध्यक्ष रामावतार शर्मा, प्रदेश प्रतिनिधि महावीर प्रसाद गुप्ता ने उपखंड के सभी विद्यालयों में खाली चल रहे पदों पर यथाशीघ्र नियुक्ति के लिए आदेश जारी करने की मांग की है ।

दो दर्जन दुकानों से जब्त की दो क्विंटल से अधिक पॉलीथिन

सिंघाना, (निसं)। खेतड़ी नगरपालिका व सिंघाना प्रशासनिक टीम द्वारा सोमवार को सिंघाना कस्बे के मुख्य बाजारों में सिंगल यूज प्लास्टिक के खिलाफ छापामार कार्यवाही को अंजाम दिया। इस दौरान दो दर्जन दुकानों पर कार्यवाही करते हुए दो क्विंटल प्रतिबंधित पॉलीथिन जब्त कर 36 हजार रुपए जूर्माना वसूल किया है। पालिका ईओ सुरेश कुमार वर्मा ने बताया कि पर्यावरण मंत्रालय व जिला कलेक्टर के निर्देश पर शहर में पालिका की टीम द्वारा सिंघाना बाजार में अलग-अलग दुकानों पर छापामार अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान पालिका की टीमों ने करीब दो दर्जन दुकानों से दो क्विंटल सिंगल यूज़ प्लास्टिक सामग्री जब्त की । जिन दुकानों पर प्रतिबंधित पॉलीथिन पाई गई। उनका चालान कर 36 हजार रुपए की राशि वसूल की गई।

इस दौरान दुकानदारों को चेतावनी दी गई कि सिंगल यूज प्लास्टिक काम में लेते पाए जाने पर सौ रुपए से लेकर 25 हजार रूपए तक जुर्माना राशि वसूल की जाएगी। ईओ वर्मा ने बताया कि अभी व्यापारियों से पॉलीथिन के प्रतिबंध को लेकर अपील की जा रही है। यदि वह जल्द ही सरकार के नियमों के अनुरूप पालना नहीं करेंगे तो अभियान में तेजी लाई जाएगी और प्रभावी रूप से कार्रवाई को अंजाम दिया जाएगा। इस दौरान नगरपालिका की टीम ने व्यापारियों से पॉलीथिन का उपयोग नहीं करने की अपील भी की। मुख्य बाजार में पॉलीथिन के खिलाफ कार्यवाही होते देख व्यापारियों मे हड़कंप मच गया। टीम में सिंघाना कार्यवाहक थानाधिकारी अजय सिंह, एएसआई धुड़सिंह, नगेंद्र कुमार, संजना मीणा, नरेश कुमार, संदीप शर्मा, सफाई निरीक्षक सुनील सैनी, फायरमैन लोकेश सिंह, अमीलाल, अनिल कुमार, गौतम चौधरी आदि शामिल थे।

खेतड़ी नगरपालिका व सिंघाना की प्रशासनिक टीम ने पॉलीथिन जब्त करने की कार्रवाई की।

106 वर्षीय राजा देवी का निधन

सुजानगढ़, (निसं)। शिव बाडी के पास रहने वाली 106 वर्षीय राजा देवी स्वामी के निधन पर उनकी अंतिम यात्रा में सैंकडों गणमान्य जनों ने शामिल होकर श्रद्धांजलि अर्पित की ।

किशोर दास स्वामी ने बताया कि शहर में शिव बाडी के पास, नयाबास निवासी राजा देवी स्वामी का 106 वर्ष की उम्र में निधन होने पर सैकडों लोगों ने बैकुंठी यात्रा निकालकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

स्वर्गीय रणछोड दास स्वामी की धर्मपत्नी व रतनदास स्वामी और लक्ष्मणदास स्वामी की मां राजा देवी स्वामी सुजानगढ की सबसे उम्रदराज महिलाओं में शामिल थी ।

27 नवंबर की शाम उनका निधन होने के पश्चात 28 नवंबर को नयाबास स्थित उनके पौत्र पुसराज स्वामी के घर से नाथो तालाब स्थित मोक्ष धाम तक बैकुंठ यात्रा निकाली गई।

जिसमें शहर के सामाजिक, धार्मिक, राजनीतिक क्षेत्र से जुडे सैकडों लोग शामिल होकर शहर की सबसे वयोवृद्ध महिला राजा देवी को श्रद्धांजलि अर्पित की ।

राशिफल मंगलवार 29 नवम्बर, 2022

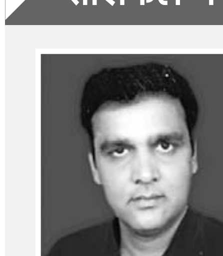

पंडित अनिल शर्मा

मार्गशीष मास, शुक्ल पक्ष, षष्ठि तिथि, मंगलवार, विक्रम संवत 2079, श्रवण नक्षत्र प्रात: 8:38 तक, धुव्र योग दिन 2:52 तक, तैतिल करण दिन 11:05 तक, चन्द्रमा सांय 7:51 से कुम्भ राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-वृश्चिक, चन्द्रमा-कुम्भ, मंगल-वृष, बुध-वृश्चिक, गुरू-मीन, शुक्र-वृश्चिक, शनि-मकर, राहु-मेष, केतु-तुला राशि में।

आज कुमार योग और रवियोग दिन 10:29 से आरम्भ होगा। द्विपुष्कर योग दिन 11:05 से सूर्योदय तक है। राजयोग दिन 11:05 से आरम्भ होगा। आज श्री रामकलेवा, स्कन्ध षष्ठि, मित्र सप्तमी है। पंचक सांय 7:51 से आरम्भ होंगे।

सर्वश्रेष्ठ चौघड़िया: चर 9:38 से 10:56 तक, लाभ-अमृत 10:56 से 1:33 तक, शुभ 2:52 से 4:10 तक।

राहूकाल: 3:00 से 4:30 तक। सूर्योदय 7:01, सूर्यास्त 5:29

मेष
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। चलते चलते कार्यों में प्रगति होगी। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी।

वृष
घर-परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यक्तिगत प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

मिथुन
आर्थिक मामलों में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। धन हानि हो सकती है। नौकरीपेशा व्यक्तियों को उच्चाधिकारियों की नाराजगी का भय बना रहेगा।

कर्क
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। आज आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है।

सिंह
सिंह: घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। पारिवारिक कार्यों में में व्यस्तता अभी बनी रहेगी। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कन्या
व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

तुला
परिवार में आपसी अनबन, वाद-विवाद टालना ठीक रहेगा। अतिथियों के आगमन से दिनचर्या अस्त-व्यस्त हो सकती है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृश्चिक
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। महत्वपूर्ण मामलों में भाई-बंधुओं से सहयोग मिलेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में शुभ कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

धनु
परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में महत्वपूर्ण और आवश्यक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक के लिए बाहर जाना पड़ सकता है।

मकर
व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। अटके हुए व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

कुंभ
घर-परिवार के कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। परिवार में अनावश्यक धन खर्च होगा। मन में असंतोष बना रहेगा। व्यक्तिगत कार्यों के लिए बाहर जाना पड़ सकता है।

मीन
आर्थिक/वित्तीय मामलों में संतुलन बना रहेगा। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन हो सकता है। शुभ-मांगलिक कार्य के लिए यात्रा संभव है।

सार-समाचार

हर बस्ती में होंगे विकास कार्य शुरू

उदयपुर, (कासं)। नगर निगम की गन्दी बस्ती सुधार समिति की बैठक सोमवार को अध्यक्ष देवेन्द्र साहु की अध्यक्षता में आयोजित की गई इस दौरान उपमहापौर पारस सिंघवी भी उपस्थित रहे।गंदी बस्ती सुधार समिति अध्यक्ष देवेंद्र साहू ने बताया कि सोमवार को शहर की कच्ची बस्तियों में विभिन्न विकास कार्यों को लेकर बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में उपमहापौर पारस सिंघवी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि कच्ची बस्तियों में विकास को लेकर किसी भी प्रकार की कोई कमी नहीं रखनी है। शहर में हर स्थान पर विकास कार्य संपादित हो रहे हैं तो हमें कच्ची बस्तियों में रहने वाले निवासियों को भी मूलभूत सुविधा प्रदान करनी होगी। पानी, सडक बिजली पर सभी का हक है और उन्हे यह हक हमे देना होगा। बैठक में ही उपमहापौर पारस सिंघवी के निर्देश पर सभी 7 बस्तियों में 18-18 लाख रुपए की लागत के विकास कार्य प्रारंभ करवाने का निर्णय लिया गया। शहर में कुल 9 नोटिफाइड कच्ची बस्तियों में 2 बस्तियों को छोड कर सभी 7 बस्तियों में प्रत्येक में 18 लाख रूपये लागत से नई सडक, सडक/नाली मरम्मत एवं विविध निर्माण कार्य हेतु जारी किये गये। बैठक में लगभग 1.26 करोड़ के कार्यों की स्वीकृति जारी कि गई। बैठक में अध्यक्ष देवेंद्र साहू द्वारा बस्तियों में रात्रि को प्रकाश व्यवस्था उपयुक्त नहीं होने से अवगत कराया गया। संज्ञान में आने के बाद उपमहापौर पारस सिंघवी ने जल्द ही प्रकाश व्यवस्था उपलब्ध करवाने के निर्देश दिए। बैठक में 15 लाख रुपए का बजट अनुसार कार्य प्रस्तावित किया गया। जल्द ही कच्ची बस्तियों में रोड लाइट लगाकर समुचित प्रकाश व्यवस्था उपलब्ध करवाई जाएगी।

'स्वच्छता पहली प्राथमिकता'

डूंगरपुर, (निसं)। प्रदेश में स्वच्छता हमारी निकाय जिसमे शुरू से ही स्वच्छता हमारी पहली प्राथमिकता रही है और शहरी स्वच्छता को हम मिलकर आगे बढाएंगे। यह बात नगरपरिषद सभापति अमृत कलासुआ ने सोमवार को स्वच्छता कमेटी के अध्यक्ष पार्षद राजीव चौबीसा का स्वागत करते हुए कर्मचारियों से कही। सोमवार को स्वच्छता कमेटी के गठन के बाद सफाई शाखा की बैठक रखी गयी। जिसमे शहरी स्वच्छता को सुचारु बनाते हुए स्वच्छता के सभी घटको पर बात हुई। सभापति ने कर्मचारियों को निर्देशित करते हुए कहां कि स्वच्छता कमेटी और वर्तमान बोर्ड के सदस्यों द्वारा प्रतिदिन स्वच्छता का निरीक्षण किया जायेगा। जिसमे लापरवाही को बर्दास्त नहीं किया जाएगा। सभापति ने कर्मचारियों से अपील करते हुए कहा कि शहर में जहा भी गंदगी दिखे या कोई गंदगी करते हुए पाया जाएं तो तत्काल स्पॉट फाइन वसूला जाए।

प्राणघातक हमले में व्यक्ति घायल

उदयपुर, (कासं)। बार में डांस करते समय किसी बात को लेकर विवाद होने पर बदमाश ने चाकू से हमला कर व्यक्ति को घायल किया। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार सुखेर थाना क्षैत्र फूजीबार में शराब पीने के दौरान किसी बात को लेकर विवाद होने पर अरमान सरदार उर्फ गुड्डू बदमाश ने चाकू से हमला कर कांकरोली निवासी अभिजित पुत्र कमलेश सावली को घायल कर फरार हो गया। अभिजित शहर भ्रमण के लिए आया था एवं 27 नवंबर रात में वह फूजी बार में गया था। जहां डांस करने के दौरान विवाद होने पर बांउसरों ने अभिजित को बाहर निकाल दिया था। इसके कुछ ही देर बाद आया आरोपी अरमान चाकू उसकी पेट में घोंप फरार हो गया। जिसे उपचार के लिए चिकित्सालय में भर्ती करवाया।

पुलिस ने पांच लपके पकड़े

उदयपुर, (कासं)। शहर भ्रमण के लिए आने वाले पयर्टकों के साथ लपकागिरी करने वाले पांच लपकों को पुलिस ने गिरफ्तार किया। जिला पुलिस अधीक्षक विकास शर्मा के निर्देश पर चलाए जा रहे तलाशी अभियान के दौरान पर्यटन थाना पुलिस ने शहर में भ्रमण के लिए आने वाले पयटकों के साथ लपकागिरी करने वालों के खिलाफ शहर के उदियापोल बस स्टेण्ड, चम्पालाल धर्मशाला क्षैत्र में कार्यवाही करते हुए स्वराजनगर सूरजपोल नविासी शेरसिंह पुत्र बंशी बहादुर, किशनपोल खांजीपीर निवासी प्रदीप पुत्र कन्हैयालाल, कृष्णा कॉलोनी कच्ची बस्ती निवासी रईस अली पुत्र दरियाव अली, चौधरी का मौहल्ला लसाड़िया निवासी रोशन पुत्र भीमराज कलाल, बिछावेडा डबोक निवासी जितेन्द्र सिंह पुत्र जालमसिंह को गिरफ्तार किया।

नवीन कार्यकारिणी का गठन

भीम, (निसं)। जिला कांग्रेस सेवादल राजसमंद की नवीन कार्यकारिणी का गठन किया गया नवल सिंह छपरा को भीम ब्लॉक कांठोस सेवादल अध्यक्ष के लिए नियुक्त किया पीपली नगर में नवल सिंह पहुंचते ही ढोल नगाड़ों के साथ माला व साफा पहनाकर उनका स्वागत किया गया इस अवसर पर देवकी नंदन काका ने अपने हाथों से नियुक्ति पत्र देकर सम्मानित किया इस मौके पर जिला कांठोस अध्यक्ष हरी सिंह जी राठौड़, पूर्व जिला कांठोस अध्यक्ष देवकीनंदन काका, सेवादल राजस्थान के संगठन मंत्री मुकेश त्रिवेदी, कांठोस सेवादल जिला अध्यक्ष पुष्कर श्रीमाली, पुर्व सभापति आशा पालीवाल व समस्त सेवादल कार्यकर्ता आदि मौजूद रहे।

युवक ने लगाई फांसी

उदयपुर, (कासं)। शहर के सुखेर थाना क्षैत्र में युवक ने फांसी लगा आत्महत्या कर ली। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार सुखेर थानाक्षैत्र नेमीनाथ काम्प्लेक्स न्यू भुपालपुरा निवासी सचिन जैन (40) पुत्र ऋषभ कुमार जैन ने सीढ़ियों की रैलिंग पर रस्सी से फांसी लगा आत्महत्या कर ली। सचिन आर्टीफिशल ज्वेलरी का काम करता था एवं कोरोना के बाद से आर्थिक तंगी से परेशान था। इसी के चलते उसने फांसी लगा ली। सूचना मिलने पर हेडकांस्टेबल हिम्मतनाथ ने मौके पर पहुंच मृतक का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया।

विवाहिता ने की आत्महत्या

उदयपुर, (कासं)। विषाक्त वस्तु सेवन करने से अचेत महिला की एमबी चिकित्सालय में उपचार के दौरान मौत हो गई। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार गोवर्धन विलास थाना क्षैत्र भागल फला खरपीणा निवासी मौना (33) पत्नी कालुलाल मीणा ने रवीवार को विषाक्त वस्तु का सेवन कर लिया। उल्टीयां होने पर परिजनों ने उसे उपचार के लिए एमबी चिकित्सालय में भर्ती करवाया। जहां उसकी मौत हो गई। मौना दो माह से मानसिक तनाव में थी। सूचना मिलने पर एएसआई कालुलाल ने मृतका का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंपा।

'भारत को विकसित राष्ट्रों की श्रेणी में खड़ा करने का संकल्प'

उदयपुर में केंद्रीय संचार ब्यूरो की पांच दिवसीय मल्टीमीडिया प्रदर्शनी का उद्घाटन उदयपुर सांसद अर्जुनलाल मीणा ने किया।

उदयपुर, (कासं)। केंद्र सरकार ने अगले पच्चीस सालों में भारत को विकसित राष्ट्रों की श्रेणी में खडा करने का संकल्प लिया है। यदि देश के हर नागरिक ने इस संकल्प में सरकार का साथ दिया तो भारत निश्चित रूप से देश की आजादी की शताब्दी मनाते समय एक विकसित राष्ट्र और महाशक्ति के रूप में दुनिया के सामने होगा।

उक्त उद्गार उदयपुर के सांसद अर्जुन लाल मीणा ने व्यक्त किए। वह केंद्रीय संचार ब्यूरो, क्षेत्रीय कार्यालय, उदयपुर, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार की ओर से आयोजित पाँच दिवसीय मल्टीमीडिया प्रदर्शनी के उद्घाटन के अवसर पर बोल रहे थे। उदयपुर शहर में राजकीय फतेह उच्च माध्यमिक विद्यालय, सूरजपोल के मैदान में अमृतयात्रा (इंडिया एट 2047) शीर्षक से केंद्र व राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं पर आधारित इस प्रदर्शनी का आयोजन किया गया है। इस अवसर पर मंच पर लीड बैंक मैनेजर राजेश जैन, समाजसेवी लक्ष्मीनारायण पंड्या, केंद्रीय संचार ब्यूरो के सहायक निदेशक रामेश्वर लाल मीणा, फतेह स्कूल के प्राचार्य चेतन पानेरी,संजय जोशी उपनिदेशक महिला अधिकारिता, डाक विभाग के प्रवर अधीक्षक के के बुनकर आदि उपस्थित थे। मीणा ने कहा कि इस प्रदर्शनी में न सिर्फ आजादी की लडाई से जुडी जानकारी प्रदर्शित की गई है, वरन केंद्र सरकार द्वारा पिछले आठ सालों में लागू की गई विभिन्न लोककल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी विभिन्न माध्यमों से प्रदर्शित की गई है। इससे दर्शकों, खासकर विद्यार्थियों को बहुत लाभ होगा। इस अवसर पर प्रदर्शनी के आयोजन का उद्देश्य विशद करते हुए रामेश्वर लाल मीणा ने कहा कि इस प्रदर्शनी में पिछले 75 सालों की भारत की विकास यात्रा को तो दर्शाया गया है ही, साथ ही आने वाले पच्चीस सालों में भारत के विकास की क्या दिशा और गति होगी, इसकी भी जानकारी दी गई है। उन्होंने अधिकाधिक लोगों से इस प्रदर्शनी के अवलोकन का अनुरोध किया, ताकि सरकार की लोककल्याणकारी योजनाओं की जानकारी जन-जन तक पहुँचाने का उद्देश्य सफल हो सके।कार्यक्रम में राजेश जैन ने बैंकों द्वारा डिजिटल लेनदेन को प्रोत्साहन देने के लिए उठाए जा रहे कदमों की जानकारी दी। लक्ष्मीनारायण पंड्या ने भी अपने विचार व्यक्त किए। संचालन और आभार प्रदर्शन क्षेत्रीय प्रचार अधिकारी पराग मांदले ने किया। कार्यक्रम में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया और इसके विजेताओं को अतिथियों के हाथों पुरस्कार वितरित किए गए। इस अवसर पर केंद्रीय संचार ब्यूरो के पंजीकृत दल गोर बंध लोक कला संसथान बाडमेर द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गई।

विशेष योग्यजन राज्य आयुक्त ने की जनसुनवाई

उदयपुर, (कासं)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की प्रेरणा से विशेष योग्यजन आयुक्त आपके द्वार 'मिशन तहसील 392' जनसुनवाई कार्यक्रम के तहत विशेष योग्यजन राज्य आयुक्त उमाशंकर शर्मा सोमवार को जिले की कानोड, भीण्डर व लसाडिया तहसील में जनसुनवाई की। उन्होंने जनसुनवाई में प्राप्त परिवेदनाओं को सुना एवं संबंधित विभागों से चर्चा करते हुए कई समस्याओं का मौके पर ही समाधान कर प्रार्थियों को राहत प्रदान की। इस दौरान उन्होंने पात्र लाभार्थियों को ट्राईसाइकिल, व्हील चेयर, श्रवण यंत्र आदि आवश्यक उपकरण वितरित करते हुए राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ प्रदान किया। जनसुनवाई के दौरान आयुक्त शर्मा के निजी सचिव रूपसिंह भी साथ मौजूद रहे।

भीण्डर तहसील की जनसुनवाई में आयुक्त शर्मा ने स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों की मौजूदगी में 3 ट्राइसाइकिल और 3 श्रवण यंत्र प्रदान

विशेष योग्यजन राज्य आयुक्त उमा शंकर शर्मा ने पात्रजनों को ट्राइसाइकिल व श्रवण यंत्र प्रदान किये।

किये और 22 लाभार्थियों को रोडवेज पास जारी किए गये। भीण्डर में आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम में प्रधान हरिसिंह सोनीगरा, पंचायत समिति सदस्य भरत कुमार व्यास, विकास अधिकारी विशाल छिपा, तहसीलदार सुनीता सांखला, ब्लॉक समाज कल्याण अधिकारी दिशा भार्गव सहित अन्य अधिकारी-कार्मिक उपस्थित रहे। वहीं कानोड तहसील की जनसुनवाई में आयुक्त शर्मा ने पात्र लाभार्थियों को 2 ट्राइसाइकिल, 5 व्हील चेयर और 2 श्रवण यंत्र प्रदान किये। यहां 6 लाभार्थियों को रोडवेज पास भी जारी किए गये। इस दौरान नगरपालिका के उपसभापति नरेंद्र सिंह बघेल, तहसीलदार योगेंद्र वैष्णव, नगरपालिका के प्रशासनिक अधिकारी प्रतीक झा सहित अन्य अधिकारी-कार्मिक उपस्थित रहे।

खेल प्रतियोगिताओं का समापन

उदयपुर, (कासं)। एकलव्य मॉडल रेजिडेंशियल स्कूल के छात्र छात्राओं की तृतीय राज्य स्तरीय खेल प्रतियोगिताओं का समापन महाराणा प्रताप खेलगांव उदयपुर में समारोहपूर्वक हुआ। नोडल अधिकारी एवं उपायुक्त पर्वत सिंह चुंडावत ने विजेता खिलाडयिों को ट्रॉफी प्रदान कर पुरुस्कृत किया।

कार्यक्रम संचालन कुंदन पंड्या ने किया। राज्य स्तरीय खेल प्रतियोगिताओं के दौरान तीरंदाजी 19 वर्ष छात्रा वर्ग में प्रतापगढ की पिंकी मीणा व छात्र वर्ग में बांसवाडा के कपिल, तीरंदाजी 14 वर्ष छात्र वर्ग में बांसवाडा के हिम्मत खडिया, वॉलीबॉल छात्रवर्ग में पाचागुढा व छात्रा वर्ग में पारडा चुण्डावत, कबड्डी छात्रा वर्ग में निवाई टोंक व छात्र वर्ग में दानवाद प्रथम रहे। वहीं खो-खो छात्रा वर्ग में सराडा व छात्र वर्ग में ऋषभदेव, टेबल टेनिस 19 वर्ष छात्र वर्ग में दानवाद व छात्रा वर्ग में दादीया, बेडमिंटन 14 वर्ष छात्र वर्ग में आंबापुरा व 19 वर्ष छात्र वर्ग में मल्लाणा अव्वल रहे। इसी प्रकार फुटबॉल में कुशलगढ, अव्वल रहा। इसके साथ ही अन्य परिणामों की भी घोषणा की गई।

नकली सोना बेचने वालो दो शातिर बदमाश गिरफ्तार

राजसमंद,(निसं)। कांकरोली पुलिस ने सोमवार को शहर में नकदी सोने बैचने वाले गिरोह का पर्दाफाश करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया।

थाना अधिकारी डीपी दाधीच ने बताया कि कांकरोली बस स्टेंड पर चाय की होटल चलाने वाले छीपा मौहल्ला बस स्टेंड निवासी दीपक पुत्र गोवर्धनलाल छीपा ने रिपोर्ट दर्ज करवाई। रिपोर्ट में बताया कि सौ फीट रोड कलेक्ट्रेट के पास चाय की होटल चलता है। जहां को करीब 4-5 दिन पूर्व होटल पर दो व्यक्ति चाय पीने के लिए आए। जिन्होंने मजदूरी करते समय एक मकान की खुदाई सोने के मोती निकले जो आधे दाम में देने की बात कही। कीमत पूछी तो 5 लाख रुपए में आधा किलो सोना देना बताया। बदमाशों ने एक सोने का मोती देकर मोबाईल नम्बर ले लिए। दीपक ने सोने की मोती जांच करवाने के लिए महेश सोनी को बताया तो उसने उस सोने का मोती असली बताया। इसके बाद दोनों बदमाशों ने 26 नवंबर को दीपक को सोमनाथ चौराया बुलाया। दीपक दस हजार रूपए देकर 2०० सौ सोने के मोती ले लिए। बाकी शेष 4० हजार रूपए 27 नवम्बर को देना तय हुआ। यह मोती महेश सोनी को बताया तो उन्होंने कहा कि यह मोती नकली है। यह सुन उसके होश उड गए। पुलिस ने धोखाधडी कर प्रकरण दर्ज कर मामले की जांच शुरू की। थानाधिकारी डीपी दाधीच के नेतृत्व में मुल्जिमानों की तलाश के लिए विशेष टीम बनाई। टीम द्वारा संदिग्ध को डिटेन कर से पूछताछ की गई। पुलिस ने बागरियों का वास तिलोडा थाना बागोडा जिला जालौर निवासी भंवराराम (29) पुत्र गणेशाराम बागरी व धानसा थाना रामसिन जिला जालौर निवासी भरतकुमार (3०) पुत्र थानाराम बागरी को गिरफ्तार किया। दोनो आरोपियों ने नकली सोने के मोती देना स्वीकार किया। पुलिस द्वारा दोनों आरोपियों से पूछताछ की जा रही है जिसमें और भी वारदातें खुल सकती है। मामले को गंभीरता से लेते हुए एसपी सुधीर चौधरी के आदेशानुसार एएसपी शिवलाल बैरवा के निर्देशन में डीएसपी बेनी प्रसाद मीणा के सुपरविजन में व थानाधिकारी डीपी दाधीच के नेतृत्व में विशेष टीम बनाई। कांकरोली थाना प्रभारी डीपी दाधीच के नेतृत्व में कांस्टेबल कृष्णकांत, हैड कांस्टेबल पुरणसिंह, जगदीशचन्द्र, शंभु प्रतापसिंह, हिम्मतसिंह, विक्रमसिंह, विक्रमसिंह, विरेन्द्रसिंह, दिनेश कुमार, साइबर सेल इन्द्रचंद चोयल द्वारा जगह-जगह दबिश देकर संदिग्धों से पूछताछ करते हुए दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

सार-समाचार

सुनील व्यास का किया सम्मान

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग के सुनील व्यास (बीच में) का महिला अधिकारिता उपनिदेशक संजय जोशी ने सम्मान किया।

उदयपुर, (कासं)। फतह स्कूल में महिला अधिकारिता विभाग की ओर से आयोजित संभाग स्तरीय अमृता हाट में सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग के प्रतिनिधि सुनील व्यास का सम्मान किया गया। महिला अधिकारिता उपनिदेशक संजय जोशी ने अमृता हाट के साथ विभागीय गतिविधियों एवं कार्यक्रमों के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए सुनील को पगड़ी व उपरना पहनाकर एवं स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया। इस दौरान व्यास की धर्मपत्नी भारती का भी उपनिदेशक जोशी ने शॉल व उपरना ओढ़ा सम्मान किया। इस मौके पर विभाग के विकास चौधरी, क्राइ समन्वयक देवकिशन परमार, माधोसिंह एवं अन्य विभागीय कार्मिक मौजूद रहे।

व्हील चेयर खिलाड़ियों ने दिखाया दम

उदयपुर, (कासं)। तृतीय नेशनल व्हीलचेयर चैंपियनशिप के लीग मैच सोमवार को नारायण सेवा संस्थान, एवं राजस्थान रॉयल्स के साझे में शुरू हुई हुई चैम्पियनशिप के पहले दिन विभिन्न ग्राउंड पर 6 लीग मैच हुए। संस्थान अध्यक्ष प्रशांत अग्रवाल ने बताया कि पहली पारी में नारायण दिव्यांग स्पोर्ट्स एकेडमी में हरियाणा वर्सेज कर्नाटक के बीच हुआ। जिसमें हरियाणा ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 192 रन बनाए। जवाब में कर्नाटक ने टीम ने 17.1ओवर में तीन विकेट खोकर विजयी लक्ष्य हासिल कर लिया। कर्नाटक के सागर गौवड़ा ने 33 बॉल पर 9 चौकों की मदद से 51 रन और 4 ओवर में 2 महत्वपूर्ण विकेट भी लिए और मैन ऑफ द मैच रहे। वहीं राणाप्रताप नगर रेलवे ग्राउंड पर गुजरात वर्सेज मेजबान राजस्थान के बीच मैच खेला गया। जिसमें गुजरात ने पहले खेलते हुए 18 ओवर में 110 रन का ही बना सकी। राजस्थान की टीम ने लक्ष्य का पीछा करते हुए 15 ओवर में 108 रन पर आल आउट होकर पराजित हुई। मैन ऑफ दी मैच गुजरात के कप्तान भीमा कुंती रहे। जिन्होंने घातक गेंदबाजी करते हुए 4 ओवर में 20 रन देकर 5 विकेट चटकाए। प्रथम पारी में आरसीए ग्राउंड पर पहला मुकाबला आंध्रप्रदेश वर्सेज उत्तराखंड के मध्य खेला गया। जिसमें टॉस उत्तराखंड ने जीतकर पहले फील्डिंग चुनी। दूसरी पारी में आरसीए ग्राउंड पर मध्यप्रदेश वर्सेज बड़ौदा के मध्य मैच खेला गया। जिसमें मध्यप्रदेश ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 4 विकेट पर 274 रन का पहाड़ा जैसा रिकॉर्ड टारगेट दिया। जवाब में बड़ौदा की टीम 134 पर सिमट गई। मध्यप्रदेश ने 275 रन बनाकर मुम्बई के 266 का रिकॉर्ड तोड़ा।

सफाई व्यवस्था का जायजा लिया

भीण्डर, (निसं)। भीण्डर नगर पालिका अध्यक्ष निर्मला भोजावत सोमवार अलसुबह नगर की सफाई व्यवस्था का जायजा लेने के लिए निकली। पालिकाध्यक्ष को शहरवासियों की तरफ से लगातार सफाई व्यवस्था को लेकर आ रही शिकायतें पर हकीकत जानने के लिए सोमवार सुबह 5 बजे मय टीम औचक निरीक्षण पर निकली। जिसमें भीण्डर के सूरजपोल, नृसिंह भगवान मंदिर, रावलीपोल, सदर बाजार, मोचीवाडा हींता गेट, बाहर का शहर, रामपोल बस स्टैंड, हॉस्पिटल रोड, सूरजपोल अंदर, शाहजी की बावडी, नायकवाडी, गिरवलपोल, क्रेशर रोड, भिण्डेश्वर महादेव रोड पर जाकर आमजन से मुलाकात की और साफ -सफाई व्यवस्था के बारे में जाना और तथा सुझाव भी लिए। जहां पर सफाई व्यवस्था पर अनियमितता पाई गई कर्मचारियों को जमकर फटकार लगाते हुए सफाई व्यवस्था को सुधारने के दिशा निर्देश भी दिए। पालिका अध्यक्ष ने कहा कि भींडर शहर को प्रदेश में स्वच्छता में नम्बर 1 पर लाना ही मेरा उद्देश्य इसी के तहत समय-समय पर सफाई व्यवस्थाओं की हकीकत जानने के लिए पूरी टीम के साथ औचक निरीक्षण करती हूं। पिछले कई दिनों से सफाई व्यवस्था पर शहरवासियों की शिकायत आ रही थी। इस मौके पर पालिका उपाध्यक्ष मगनीराम रेगर, जमादार धनराज, राजन उपस्थित रहे।

सूने मकान में चोरों ने किया हाथ साफ

बांसवाड़ा, (निसं)। आनंदपुरी थाना क्षेत्र के छाजा गांव में गत रात्रि को अज्ञात चोरो ने एक सुने मकान में लगभग साढे तीन लाख रुपयों की नगदी व जेवरों पर हाथ साफ कर लिए। छाजा बस स्टैंड के पास मुख्य सडक पर अवस्थित महेश पुत्र सुखलाल कलाल के मकान में गत रात्रि चोरों ने मुख्य दरवाजे के पास दीवार फांद प्रवेश कर पांच कमरों के ताले तोड चोरी की वारदातें को अंजाम दिया। प्रार्थी महेश कलाल ने पुलिस को दी रिपोर्ट में बताया कि वह मकान बंद कर विवाह समारोह में गए थे जहां मकान में चोरी की सुचना पर घर आकर देखा तो सारा सामान बिखरा हुआ पडा था। चोरों ने दो तिजोरियां तोड कर उसमें रखे दो लाख नगद, दो गुल्लको में पडे बीस हजार, दो तोले सोने का मंगलसूत्र, आधा तोला सोने की चैन व 100 ग्राम चांदी के जेवर चुरा लिए। सुचना पर आनंदपुरी सीआई देवीलाल मीणा व उप निरीक्षक पुनमचंद मौके पर पहुंचे व घटनास्थल का जायजा लिया। छाजा गांव में पिछले दो साल में पांच से अधिक हुई चोरी की वारदातों का खुलासा नहीं होने पर रोष व्यक्त करते ग्रामीणों को सीआई ने इस चोरी का खुलासा जल्द करने का विश्वास दिलाया।

राज्य मंत्री शर्मा का किया सम्मान

उदयपुर, (कासं)। राजस्थान सरकार में विशेष योग्यजन विभाग के राज्य मंत्री एडवोकेट उमाशंकर शर्मा के एक दिवसीय उदयपुर प्रवास पर सोमवार को उदयपुर पहुंचने पर जनार्दनराय नागर राजस्थान विद्यापीठ डीम्ड टू बी विश्वविद्यालय के कुलपति सचिवालय में कुलपति प्रो. एस.एस. सारंगदेवोत, डॉ. एसबी नागर, परीक्षा नियंत्रक डॉ. पारस जैन, स्पोट्स बोर्ड सचिव डॉ. भवानी पाल सिंह राठौड़ ने उपरणा, शॉल एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। प्रो. सारंगदेवोत ने विद्यापीठ द्वारा किए जा रहे कार्यो एवं नवाचारों की जानकारी शर्मा को दी और आगामी दिनों में संस्थान द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर कराये जाने वाले समारोह में आने का भी न्यौता दिया। शर्मा ने कहा कि विख्यात साहित्यकार जनार्दनराय नागर द्वारा संस्थापित यह संस्था अपने स्थापनाकाल 1937 से आज तक न केवल उचित शिक्षा बल्कि साहित्य एवं संस्कृति के उत्थान हेतु भी निरंतर कार्यरत है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के उद्देश्यों के तहत यह संस्था मातृ एवं क्षेत्रीय भाषा में शिक्षण कार्य कर रही है। इस अवसर पर बलिराम यादव, भावना देवी, सुल्तान सहित कार्यकर्ताओं ने शर्मा उपरणा, माला पहना कर सम्मान किया।

रैली को हरी झण्डी दिखाई

डूंगरपुर, (निसं)। मतदाता जागरूकता अभियान के तहत सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के द्वारा दिव्यांगजनों की रैली का आयोजन किया। रैली को जिला कलेक्ट्रेट परिसर में अतिरिक्त जिला कलक्टर हेमेन्द्र नागर, मुख्य कार्यकारी अधिकारी दीपेन्द्र सिंह राठौड एवं उपखण्ड अधिकारी डूंगरपुर प्रवीण कुमार मीणा ने हरी झण्डी दिखाकर जिला कलेक्ट्रेट से रवाना किया। इस दौरान सामाजिक न्याय एवं अधिकारी विभाग के उप निदेशक अशोक कुमार शर्मा, सहायक निदेशक जयप्रकाश शुक्ला, तपस संस्थान के विनय चतुर्वेदी, मुस्कान संस्थान के राहुल खिरादिया एवं आदि मौजूद रहे।

'सर्वांगीण विकास के लिए सह-शैक्षणिक गतिविधियों में भाग लेना जरूरी'

उदयपुर में लोकमान्य तिलक शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय की ओर से छह दिवसीय सांस्कृतिक, साहित्यिक एवं वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का शुभारंभ हुआ।

उदयपुर, (कासं)। जनार्दनराय नागर राजस्थान विद्यापीठ डीम्ड टू बी विश्वविद्यालय के संघटक लोकमान्य तिलक शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय की ओर से आयोजित छह दिवसीय सांस्कृतिक, साहित्यिक एवं वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता 2022-23 का शुभारंभ सोमवार को कुलपति प्रो. एस.एस. सारंगदेवोत, प्रो. सरोज गर्ग, डॉ. रचना राठौड, डॉ. बलिदान जैन, डॉ. अमी राठौड ने संस्था का झण्डारोहण कर किया।

प्राचार्य डॉ. सरोज गर्ग ने अतिथियों का स्वागत करते हुए बताया कि छह दिवसीय प्रतियोगिता के दौरान छात्र छात्राओं की 100 मीटर, 200 मीटर, 400 मीटर रेस, गोला फेंक, तश्तरी फेंक, बेडमिंटन, शतरंज, टीटी, मेहंदी एकाभिनय, विचित्र वेभभूषा, आशुभाषण , रंगोली, युगल नृत्य, फेस पेन्टिंग, काव्य पाठ, मांडना, समूह नृत्य, केश सज्जा, वन मिनिट शो, विदाउट गैस कुकिंग, नेल आर्ट, एकल गीत, प्रश्नोत्तरी, सलाद डेकोरेशन, एकल नृत्य, समूह गीत प्रतियोगिता एवं अंतिम दिन मिस्टर एवं मिस एलएमटीटी का आयोजन किया जायेगा। प्रो. सारंगदेवोत ने विद्यार्थियों का आव्हान किया कि सर्वागीण विकास के लिए शैक्षणिक गतिविधियों के साथ साथ महाविद्यालय द्वारा आयोजित सह-शैक्षणिक गतिविधियों में भी भाग लेना जरूरी है जिससे शरीर, स्वस्थ्य एवं तंदुरस्त रहेगा।

इसके साथ ही उन्होंने खिलाड़ियों को खेल को खेल की भावना से खेलने की शपथ दिलाई एवं खिलाड़ियों को दिये जाने वाले स्पोट्स किट का भी विमोचन किया। खेल प्रभारी डॉ. रोहित कुमावत ने बताया कि सोमवार को हुई मेहंदी प्रतियोगिता में सुगना कुमारी प्रजापत - प्रथम, मिनाक्षी झाला, आशा कुम्हार - द्वितिय, आरजू भोजान तृतीय स्थान पर रही। छात्राओं की 100 मीटर रेस में कविता गुर्जर प्रथम, हेमलता डांगी द्वितिय, प्रियंका मेनारिया तृतीय, 400 मीटर में सुमन रेगर प्रथम, कविता गुर्जर द्वितिय, अणची जाट तृतीय, छात्र वर्ग में 100० मीटर रेस में हिम्मत सिंह प्रथम, ममनेश पन्नु द्वितिय, विकास गहलोत तृतीय, 200 मीटर में हरदानराम प्रथम, कार्तिक द्वितिय, हिम्मत सिंह तृतीय, 400 मीटर में रामलाल प्रथम, हिम्मत सिंह द्वितिय, अभिषेक तृतीय, आशुभाषण में ओम प्रकाश प्रथम, योगिता, गोपाल कंवर द्वितिय, अनिल मेघवाल तृतीय, मुकाभिनय में कार्तिक वैष्णव प्रथम, विमला सुथार द्वितिय, प्रियांशु जैन तृतीय स्थान पर रहे। सभी विजयी प्रतिभागियों को आगामी दिनो में होने वाले वार्षिकोत्सव समारोह में पुरस्कृत किया जायेगा।

मेहंदी प्रतियोगिता में छात्राओं ने दिखाई प्रतिभा

परशुराम रथयात्रा का आगमन आज

बांसवाड़ा, (निसं)। विप्र फाउंडेशन द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित भगवान परशुराम कुंड आमंत्रण यात्रा मंगलवार को सवेरे 11 बजे दानपुर से राजस्थान में प्रवेश करेगी। इसमें विप्र फाउंडेशन के राष्ट्रीय संरक्षक, मावली विधायक धर्मनारायण जोशी, विप्र फाउंडेशन जोन 1ए प्रदेश अध्यक्ष केके शर्मा, युवा प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष नरेंद्र पालीवाल के नेतृत्व में परशुराम कुंड आमंत्रण रथ यात्रा का स्वागत मध्यप्रदेश-राजस्थान की सीमा दानपुर में किया जाएगा। रथ यात्रा गेमन पुल महाराणा प्रताप सेतु से खांडिया देव, देवगढ, गणाऊ, श्री परशुराम मंदिर लिमथान, सलिया व सुरवानिया होते हुए बडोदिया पहुंचेगी जहां विशाल शोभायात्रा निकाली जाएगी व लक्ष्मीनारायण चौक पर धर्मसभा का आयोजन होगा। यहां धर्मनारायण जोशी, केके शर्मा, नरेन्द्र पालीवाल, राधाकृष्ण गो शाला तलवाडा के सन्त रघुवीरदास महाराज, यात्रा के राज्य प्रभारी कपिल चोटिया का सानिध्य प्राप्त होगा। इसके बाद सागडोद, बोरवट, ठिकरिया होते हुए बांसवाडा में प्रवेश करेगी, मोहनकोलोनी स्थित भट्टमेवाडा समाज के नोहरे में धर्मसभा एवं भोजन प्रसादी रहेगी।

टीम रवाना

देवगढ़, (निसं)। प्रारंभिक शिक्षा निदेशालय के आदेशानुसार राजसमंद की 14 वर्षीय छात्र/ छात्रा बास्केटबॉल टीम ए.डी. डागा पब्लिक स्कूल टैगोर नगर, पाली के लिए प्रस्थान किया। मॉडल स्कूल देवगढ में छात्र वर्ग को श्रीकांत वैष्णव द्वारा एवं छात्रा वर्ग को सुबोध ज्ञान मंदिर में मीठालाल गँवारिया एवं दीपिका राठौड द्वारा प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण में छात्र-छात्राओं सहित कुल 28 खिलाड़ियों ने भाग लिया।

सूचना

स्टेट लेवल एन्वायरमेन्ट इम्पेक्ट एसेसमेन्ट ऑथोरिटी जयपुर (राज) के पत्र क्रमांक F1(4)/SEIAA/SEAC-Raj/Sectt/Project/Cat.B2 (21495)/2021-22 Jaipur दिनांक 22/11/2022 द्वारा मैसर्स श्री कल्याण ग्रैनाईट बी-30 गणेश नगर, न्यू सांगानेर रोड, जिला जयपुर (राज) के पक्ष में स्वीकृत खनन पट्टा संख्या 07/2022) क्षैत्रफल 3.4526 हैक्टर, निकट ग्राम टेकन, तहसील लसाडीया, जिला उदयपुर के पक्ष में पर्यावरण क्लीयरेन्स जारी कि गई है। पर्यावरण क्लीयरेन्स की प्रति राजस्थान प्रदुषण नियंत्रण मण्डल (राज) (SEIAA) राजस्थान जयपुर व सम्बन्धित विभागों में उपलब्ध है तथा इसे राजस्थान प्रदुषण नियंत्रण मण्डल की वेबसाईट www.rpcb.nic.in पर भी देखी जा सकती है।

पुल के ब्लॉक टूटने से लोक निर्माण विभाग उदयपुर की पोल खुली?

घटिया निर्माण सामग्री के इस्तेमाल से पांच ब्लॉक धराशायी हुए, पुल का निर्माण कार्य कुछ समय पूर्व प्रारम्भ हुआ था

डूंगरपुर, (निसं)। एक ओर जहां राज्य सरकार यातायात सुगम बनाने के लिए बडे नदी नालों पर करोडों रूपये खर्च कर पुलों का निर्माण करा रही है वहीं सम्बंधित विभाग व कार्यकारी एजेंसियां घटिया निर्माण करा कर राजस्व को नुकसान पहुचाने में जुटे हुए हैं। इसी तरह का एक मामला डूंगरपुर जिले के आसपुर तहसील अंतर्गत देवला ग्राम पंचायत के संगमेश्वर महादेव मंदिर के निकट से गुजर रही संगमेश्वर नदी पर ग्रामीणों के अथक प्रयासों के बाद डूंगरपुर उदयपुर के बीच बनने वाले संगमेश्वर पुल का मामला सामने आया।

लोक निर्माण विभाग उदयपुर द्वारा कुछ समय पूर्व कार्य प्रारम्भ किया गया था और वर्तमान में कार्य प्रगति पर था। इसी बीच उदयपुर की ओर से आ रहे पुल के हिस्से के पांच ब्लॉक सोमवार प्रातः धराशाही हो गए गनीमत यह रही कि उस दौरान कोई भी मजदूर या अन्य आमजन पुल पर नही था अन्यथा जान माल का नुकसान भी हो सकता था।

- **उदयपुर लोक निर्माण विभाग के एक्सईएन और पुलिस अधिकारियों से सम्पर्क करने का प्रयास किया लेकिन सम्पर्क नहीं हो पाया**
- **मामले में एफ.आई. आर. दर्ज नहीं हुई है**
- **50 करोड़ रुपये की लागत से होना था निर्माण कार्य**

सूत्रों के अनुसार उक्त पुल का निर्माण 50 करोड़ की लागत से बनाना प्रस्तावित हुआ था और इसको लेकर विभाग द्वारा टेंडर प्रक्रिया के पश्चात बांसवाड़ा की भारतीय कंस्ट्रक्शन कम्पनी को कार्य आदेश दिया था। पुल के निर्माण कार्य को लेकर कभी भी विभागीय अधिकारियों द्वारा गुणवत्ता की जांच नही की गई और उसी का परिणाम रहा कि घटिया निर्माण के चलते यह पुल अपने 5 ब्लॉकों के साथ धराशायी हो गया।

घटना की जानकारी मिलते ही बडी संख्या में देवला व सामने स्थित ग्राम पंचायत के ग्रामीण मौके पर पहुंच गए और आक्रोश जताया। ग्रामीणों ने उक्त पुल के निर्माण में हुई निर्माण की जांच एसीबी से कराने की मांग की है तथा दोषी अधिकारी व फर्म के खिलाफ कठोर कार्यवाही करने की मांग की है।

डूंगरपुर संवाददाता ने लोक निर्माण विभाग उदयपुर के एक्सईएन से सम्पर्क करने का प्रयास किया लेकिन सम्पर्क नहीं हो पाया। इस मामले में अभी तक एफआईआर भी दर्ज नहीं हुई है।

संगमेश्वर पुल का सोमवार को गिरा हिस्सा जो कि घटिया निर्माण की पोल खोल रहा है।

ट्रक व ट्रेलर में भिड़ंत के बाद लगी आग, दो जिंदा जले

जोधपुर, (कासं)। निकटवर्ती जोधपुर बाड़मेर रोड पर सोमवार की सुबह दो वाहनों में भिडत के बाद भीषण आग लग गई। हादसे में दो लोगों की जिंदा जलने से मौत हो गई। दुर्घटना राजमार्ग संख्या 25 पर हुई। जोधपुर, बालोतरा से पहुंची दमकलों ने काफी मशक्कत कर आग पर काबू पाया। तब वाहनों में सवार जलकर खत्म हो गए। हादसा ट्रक और ट्रेलर के बीच हुआ है। दोपहर तक मृतकों की पहचान के प्रयास जारी थे। जोधपुर के बोरानाडा से दमकल की गाडिय़ों को वहां भेजा गया।

जानकारी के अनुसार राजमार्ग संख्या 25 पर सोमवार की सुबह जोधपुर से बालोतरा की तरफ आ रहे ट्रक का टायर फटने से वह सामने से आ रहे ट्रेलर से भिड़ गया। भिड़ंत के साथ अचानक दोनों वाहनों में आग लग गई। कुछ मिनटों में आग ने विकराल रूप ले लिया। आस-पास के लोगों ने आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन आग बुझाने में विफल रहे। लोगों ने पुलिस व फायर बिग्रेड को सूचना दी।

- **जोधपुर, बालोतरा से पहुंची दमकलों ने काफी मशक्कत कर आग पर काबू पाया**
- **ट्रक का टायर फटने से वह सामने से आ रहे ट्रेलर से भिड़ गया**
- **ट्रेलर चालक और खलासी फंस जाने से निकल नहीं पाए और जिंदा जल गए**

पुलिस कुछ देर में घटना स्थल पर पहुंच गई। बताया जाता है कि हादसे के बाद ट्रक का ड्राइवर व खलासी बाहर निकल गए। मगर ट्रेलर चालक और उसका खलासी फंस गए और आग लगने से जिंदा जल गए। हालांकि घटना में कितने लोगों की मौत हुई इसकी पुष्टि दोपहर तक नहीं हो पाई। मगर दो लोगों के जिंदा जलने से मौत होना बताया जाता है। जानकारी के अनुसार ट्रक चावल के कट्टे भरे हुए था। जबकि ट्रेलर में प्लास्टिक का दाना था।

चार कॉन्स्टेबल को साप्ताहिक अवकाश

अजमेर, (कास)। पुलिसकर्मियों को साप्ताहिक अवकाश देने की योजना के तहत पहले दिन गेगल थाने के चार पुलिसकर्मियों को आज साप्ताहिक अवकाश दिए गए है। पहली बार पुलिस को यह सुविधा मिली है। पायलट प्रोजेक्ट के तहत जयपुर रोड स्थित गेगल थाने का चयन किया गया है। पुलिस महानिदेशक के निर्देश पर एसपी चूनाराम जाट ने इसके लिए गेगल थानाधिकारी सुनील कुमार बेड़ा को अधिकृत किया हैं। बेड़ा ने बताया कि पहले दिन सोमवार को चार कॉन्स्टेबल को ऑफ दिया है। इसमें थानाधिकारी अपने थाने में उपलब्ध नफरी के अनुपात में कांस्टेबल को 24 घंटे के लिए साप्ताहिक अवकाश मंजूर कर सात दिन तक योजना का पर्यवेक्षण करेंगे। आने वाली समस्याओं, उनके समाधान के लिए सुझाव और प्रस्ताव एसपी कार्यालय को भिजवाएंगे।

कोटा मंडल होकर जाने वाली ट्रेनों का मार्ग बदला

कोटा, (निसं)। पूर्व रेलवे, हावड़ा मण्डल में हावड़ा-वर्धमान के मध्य चौथी लाइन कार्य के सम्बंध में बरूईपाड़ा-चंदनपुर स्टेशन पर 28 नवम्बर से दो दिसम्बर (05 दिन) तक नॉन इंटरलॉकिंग का कार्य किया जाना है। नॉन इंटरलॉकिंग कार्य की अवधि में इस मार्ग से होकर गुजरने वाली कुछ कोटा मंडल होकर जाने वाली गाड़ियों को परिवर्तित मार्ग से चलाने का निर्णय लिया गया है।

गाड़ी संख्या 12987 सियालदह-अजमेर सुपरफास्ट, वाया परिवर्तित मार्ग- नैहती-बंडेल-वर्धमान (यह ट्रेन दिनांक 28 नवम्बर, 29 नवम्बर, 30 नवम्बर एवं 01 दिसम्बर को अपने प्रारम्भिक स्टेशन से प्रस्थान कर परिवर्तित मार्ग से होकर जाएगी।) गाड़ी संख्या 12315 कोलकाता-उदयपुर सिटी सुपरफास्ट, वाया परिवर्तित मार्ग- नैहती-बंडेल-वर्धमान (यह ट्रेन 01 दिसम्बर को अपने प्रारम्भिक स्टेशन से प्रस्थान कर परिवर्तित मार्ग से होकर जाएगी।) गाड़ी संख्या 22308 बीकानेर-हावड़ा सुपरफास्ट, वाया परिवर्तित मार्ग-वर्धमान-बंडेल (यह ट्रेन 26 नवम्बर, 27 नवम्बर एवं 30 नवम्बर को अपने प्रारम्भिक स्टेशन से प्रस्थान कर परिवर्तित मार्ग से होकर जाएगी।) गाड़ी संख्या 12308 जोधपुर-हावड़ा सुपरफास्ट, वाया परिवर्तित मार्ग-वर्धमान-बंडेल (यह ट्रेन 28 नवम्बर एवं 29 नवम्बर को अपने प्रारम्भिक स्टेशन से प्रस्थान कर परिवर्तित मार्ग से होकर जाएगी।

गाड़ी संख्या 12988 अजमेर-सियालदह सुपरफास्ट, वाया परिवर्तित मार्ग-वर्धमान-बंडेल-नैहती (यह ट्रेन 27 नवम्बर, 28 नवम्बर, 29 नवम्बर, 30 नवम्बर एवं 01 दिसम्बर को अपने प्रारम्भिक स्टेशन से प्रस्थान कर परिवर्तित मार्ग से होकर जाएगी।) गाड़ी संख्या 12988 बीकानेर-कोलकाता सुपरफास्ट, वाया परिवर्तित मार्ग-वर्धमान-बंडेल-नैहती (यह ट्रेन 01 दिसम्बर को अपने प्रारम्भिक स्टेशन से प्रस्थान कर परिवर्तित मार्ग से होकर जाएगी। उपरोक्त ट्रेनों के मार्ग परिवर्तन की उचित स्थिति की जानकारी स्टेशन, रेल मदद 139 एवं ऑनलाइन प्राप्त कर यात्रा करे।

पैंथर ने गाय का शिकार किया

उदयपुर, (कास.)। उदयपुर में कालारोही गांव के एकलिंग विहार में सोमवार अलसुबह पैंथर ने गाय को अपना शिकार बना लिया। अलसुबह जब कुछ लोगों को गाय रंभाने की तेज आवाज सुनाई दी,तो उन्होंने घर के बाहर निकलकर देखा तो वे दंग रह गए।

प्रत्यक्षदर्शियो के अनुसार पैंथर ने गाय को बुरी तरह जकडा हुआ था। जिससे गाय घायल हो गई और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। बाद में पैंथर वहां से भाग निकला। इस घटना के बाद कॉलोनी वासियों में दहशत फैल गई। घटना जिस जगह हुई, वहां चारों तरफ मकान हैं और आबादी क्षेत्र है। ग्रामीणों का कहना है कि आज मवेशियों को पैंथर ने शिकार बनायाए कल को हमें भी शिकार बना सकते हैं। ग्रामीणों ने वन विभाग से पिंजरा लगाकर पैंथर को पकडने की मांग की है।

एसीबी डीजी का जोधपुर की जनता से जन संवाद

जोधपुर, (कासं)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के महानिदेशक बीएल सोनी ने जोधपुर में जनसंवाद कार्यक्रम में जनता के साथ संवाद किया और भ्रष्टाचार पर किस तरह लगाम लगाई जा सके उसको लेकर जनता से उनकी राय ली। उन्होंने इस अवसर पर अपना उद्बोधन भी दिया और कहा कि समाज को भ्रष्टाचार मुक्त करने के लिए समाज के प्रत्येक व्यक्ति को आगे आना होगा।

सोनी ने कहा कि हमें भ्रष्टाचार को स्वीकार करने की परंपरा को चुनौती देनी है। सरकार सरकारी कर्मचारियों को अच्छी तनख्वाह देती है फिर भी वह भ्रस्टाचार करते हैं। उन पर लगाम लगाई जाएगी। बीएल सोनी ने कहा कि कमाना बहुत कठिन परिश्रम के बाद होता है और उसे भ्रष्टाचारियों को क्यों दें अपने भाई बहन और परिवार के काम आने वाली रकम भ्रष्टाचारियों को नहीं देनी है। डीजी सोनी ने कहा कि भ्रष्टाचार के चलते ही हमारे देश की अच्छी प्रतिभाएं बाहर जा रही है। हमने भ्रष्टाचार की

- **'अपने भाई-बहन व परिवार के काम आने वाली रकम घूसखोरों को नहीं दें'**

स्वीकृति दे दी है इसे चुनौती देनी है, अगर सरकारी कर्मचारी जायज काम के लिए पैसे मांगे तो उसे नहीं देने हैं।

बीएल सोनी ने लोगों को 1064 और व्हाट्सएप नंबर के बारे में भी जानकारी दी और बताया कि उनकी गोपनीयता रखी जाएगी। नाम पते उजागर नहीं किए जाएंगे। आप जानकारी दें, उसके बाद एसीबी आपके द्वार आएगी। एसीबी आपको जानकारी देने दफ्तर नहीं बुलाएगी। ऑफिस के बाहर आकर आपसे बात करेगी। एसीबी ट्रैप के अलावा आय से अधिक संपत्ति पद का दुरुपयोग जैसी कार्रवाईयों को अंजाम देती है। कार्यक्रम में मौजूद बड़ी संख्या में लोगों ने अपने विचार और अपनी पीड़ा में भी महानिदेशक को बताई।

मॉडल उत्तर कुंजियां वेबसाइट पर जारी

अजमेर, (कासं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा प्राध्यापक (माध्यमिक शिक्षा विभाग) प्रतियोगी परीक्षा-2022 के राजनीति विज्ञान एवं लोक प्रशासन (ठ्ाुप-सी) विषयों की मॉडल उत्तर कुंजियाँ वेबसाइट पर जारी कर दी गई है। आयोग द्वारा 11 अक्टूबर से 21 अक्टूबर 2022 तक इस परीक्षा का आयोजन किया गया था। आयोग सचिव एचएल अटल ने बताया कि यदि किसी भी अभ्यर्थी को इन मॉडल उत्तर कुंजियों पर कोई आपत्ति हो तो निर्धारित शुल्क के साथ 30 नवंबर से 2 दिसंबर को रात्रि 12 बजे तक अपनी आपत्ति ऑनलाइन दर्ज करवा सकता है। मॉडल प्रश्न पत्र के क्रमानुसार ही करनी होगी प्रविष्टियां - आपत्तियां आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध मॉडल प्रश्न पत्र के क्रमानुसार ही प्रविष्ट करनी होंगी। इस परीक्षा के मॉडल प्रश्न-पत्र आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध हैं। आपत्ति प्रामाणिक (स्टैंडर्ड, ऑथेंटिक) पुस्तकों के प्रमाण सहित ऑनलाईन ही प्रविष्ट करें। वांछित प्रमाण संलग्न नहीं होने की स्थिति में आपत्तियों पर विचार नहीं किया जाएगा।

अवैध शराब के साथ एक तस्कर गिरफ्तार, दो फरार

हनुमानगढ़, (निसं)। अवैध शराब के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई जारी है। पुलिस ने 3 अलग-अलग जगह कार्रवाई कर देसी शराब के 40 पव्वे और 4 लीटर हथकढ़ शराब बरामद की है। मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। वहीं 2 आरोपी अवैध शराब को छोड़कर मौके से फरार हो गए। पुलिस ने आबकारी अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर फरार आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

एएसआई विजेन्द्र सिंह ने बताया कि लखूवाली पुलिस चौकी प्रभारी एएसआई सोहनलाल सांखला के नेतृत्व में गश्त कर रही पुलिस टीम को मुखबिर के जरिए सूचना मिली कि इन्दिरा गांधी नहर के पुल पर गुरचरण सिंह नाम का व्यक्ति प्लास्टिक के कट्टे में अवैध शराब के पव्वे लेकर खड़ा है, जो कहीं शराब बेचने की फिराक में है। सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची, तो पुल पर खड़ा आरोपी पुलिस को देख अपने हाथ में पकड़ा प्लास्टिक का कट्टा वहीं छोड़कर भाग गया। भागने वाले शख्स की पहचान गुरचरण सिंह पुत्र करतार सिंह बाजीगर निवासी रणजीतपुरा गांव के रूप में हुई। पुलिस ने प्लास्टिक के कट्टे की तलाशी ली तो उसमें देसी शराब से भरे 40 पव्वे रखे हुए थे।

एएसआई सुरेश मीणा ने बताया कि टाउन थाना के एएसआई प्रकाश चन्द्र के नेतृत्व में गश्त कर रही पुलिस टीम सिकलीगर मोहल्ले पहुंची तो एक व्यक्ति पुलिस को देख दो लीटर हथकढ़ शराब छोड़ फरार हो गया। पुलिस ने शराब बरामद कर फरार हुए दारासिंह पुत्र हरनाम सिंह सिकलीगर निवासी सिकलीगर मोहल्ला के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की है। एएसआई प्रकाश चन्द स्वामी ने बताया कि सदर पुलिस थाना के एएसआई लालचन्द ने गांव जंडावाली और रेयान कॉलेज के पास से मोहनलाल (51) पुत्र माडूराम कुम्हार निवासी वार्ड 8, गांव जंडावाली को गिरफ्तार किया है।

रिश्वत लेने के मामले में साढ़े सात साल बाद सजा सुनाई

अलवर, (निसं)। हैंडपंप लगाने के एवज में 11 हजार रुपए की रिश्वत लेने के मामले में अशोक कुमार गुप्ता एसीबी कोर्ट ने साढे 7 साल बाद 4 साल की सजा व 3०हजार रुपए का जुर्माना आदेश दिया है। अलवर के ब्लॉक राजगढ में 2015 में कार्यरत रहे अशोक कुमार गुप्ता ने हैंडपंप लगाने वाले ठेकेदार से भुगतान के एवज में 11 हजार रुपए मांगे थे। मांग सत्यापन के समय 5 हजार रुपए लिए। इसके बाद 6 हजार रुपए लेते हुए एसीबी ने मई 2015 में आरोपी को ट्रैप किया था। एसीबी के विशिष्ट लोक अभियोजक अशोक भारद्वाज ने बताया सर्व शिक्षा अभियान में अशोक कुमार गुप्ता बतौर जेईएन कार्यरत थे। जिसे 6 हजार रुपए

- **हैंडपंप लगाने के लिए ली थी 11 हजार रूपए की रिश्वत**

एसीबी के विशिष्ट न्यायाधीश ने आरोपी को सजा सुनाई।

की रिश्वत लेते हुए एसीबी ने ट्रैप किया था। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद विशिष्ट न्यायाधीश भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम शिवानी सिंह ने अशोक कुमार गुप्ता को 4 वर्ष की सजा व तीस हजार रुपए के अर्थदंड से दंडित किया है। राजगढ़ के छोटा राजपुर बड़ा निवासी ठेकेदार हरी लाल सैनी ने हैंडपंप का कार्य सर्व शिक्षा अभियान के तहत लगाया था। इसके बिल पास करने के एवज में जेईएन अशोक कुमार गुप्ता ने ग्यारह हजार की रिश्वत मांगी थी।

जी-20 शेरपा बैठक: शेरपा अमिताभ कांत और विदेश मंत्रालय का दल पहुंचा उदयपुर

तैयारियों का जायजा लिया, बेहतर व्यवस्थाओं के लिए दिए निर्देश

उदयपुर, (कासं)। लेकसिटी में 5 से 7 दिसंबर तक आयोजित होने वाली जी-20 शेरपा बैठक की तैयारियां जोरों पर हैं। जी-20 की पहली बैठक उदयपुर में होने के कारण इसकी व्यवस्थाओं का जायजा लेने के लिए भारत के शेरपा अमिताभ कांत खुद विदेश मंत्रालय के आला अधिकारियों के साथ सोमवार को उदयपुर पहुंचे और दिनभर तैयारियों का जायजा लिया।

विदेश मंत्रालय जी-20 सचिवालय के संयुक्त सचिव नगराज नायडू व भावना सक्सेना तथा विदेश मंत्रालय के अधिकारियों के दल के साथ उदयपुर पहुंचे। शेरपा अमिताभ कांत ने शाम को संभागीय आयुक्तालय सभागार में बैठक ली और कहा कि जी-20 शेरपा बैठक हमारे लिए एक अच्छा मौका है, इसके माध्यम से उदयपुर और राजस्थान को पर्यटन की दृष्टि से दुनियाभर में पहुंचाया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि यहां आने वाले मेहमान राजस्थान की कला के विविध रंग, सांस्कृतिक विशिष्टता, और यहां के प्राकृतिक सौंदर्य की बेहतरीन छवि को अपने साथ ले जा सकेंगे।

समीक्षा बैठक में शेरपा अमिताभ कांत इस बैठक के आयोजन के लिए

उदयपुर में होने वाली जी-20 शेरपा बैठक के प्रस्तावित कार्यक्रम स्थलों का भारत के शेरपा अमिताभ कांत व विदेश मंत्रालय के अधिकारियों ने जायजा लिया।

की गई तैयारियों से अभिभूत दिखे। उन्होंने संभागीय आयुक्त राजेन्द्र भट्ट व जिला कलक्टर ताराचंद मीणा के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि समन्वित प्रयासों से इस बैठक को सफलतम आयोजन साबित किया जा सकेगा। शेरपा कांत ने कहा कि चूंकि जी-20 के तहत उदयपुर में यह पहली बैठक है ऐसे में सभी इस आयोजन को सर्वश्रेष्ठ आयोजन बनावें। हम विदेशी अतिथियों की सुरक्षा, आवभगत, बैठक आयोजन, बोट्स की व्यवस्था, पर्यटन स्थलों के भ्रमण आदि की बेहतर व्यवस्था करें और यह भी सुनिश्चित करें कि कोई भी आयोजन निर्धारित समय सीमा से एक मिनट भी लेट न हो। उन्होंने शिल्पग्राम में राजस्थान की कला-संस्कृति की झलक को प्रस्तुत करने के लिए व्यवस्थाओं के साथ डिजीटल प्रस्तुति की व्यवस्था के लिए भी कहा। उन्होंने इवेंट मैनेजमेंट कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ जिलाधिकारियों की बैठक को तत्काल आयोजित करने के भी निर्देश दिए।

- **'शेरपा बैठक से उदयपुर व राजस्थान का नाम दुनियाभर में पहुंचाया जा सकेगा'**

शेरपा कांत ने कहा कि कोटडा इलाका जहां 98 प्रतिशत ट्राईबल निवासरत है, वहां की कला-संस्कृति विदेशी मेहमानों के सम्मुख प्रस्तुत कर जनजाति संस्कृति को प्रमोट किया जा सकता है। उन्होंने कलक्टर मीणा द्वारा कोटडा के ट्राईबल्स द्वारा अतिथियों के स्वागत की व्यवस्था को भी सराहा।

बैठक दौरान गृह विभाग के प्रमुख सचिव आनंद कुमार, एडीजी एस सेंगाथिर, संभागीय आयुक्त राजेन्द्र भट्ट, आईजी प्रफुल्ल कुमार, कलक्टर ताराचंद मीणा, एसपी विकास कुमार ने शेरपा बैठक के दौरान पुलिस व प्रशासनिक स्तर पर की जा रही व्यवस्थाओं पर विस्तार से जानकारी दी। संभागीय आयुक्त राजेन्द्र भट्ट ने अतिथियों के स्वागत, सुरक्षा, चिकित्सा दलों, मोबाइल चिकित्सा यूनिट, सौंदर्यीकरण कार्य, गाईड्स की व्यवस्था आदि के बारे में विस्तार से बताया। इसी प्रकार आईजी प्रफुल्ल कुमार ने थ्री लेयर सिक्योरिटी, सीसीटीवी कवरेज, ट्रेफिक प्लान, वेरिफिकेशन प्रोसेस आदि के बारे में बताया। कलक्टर मीणा ने बोट्स के मूवमेंट व पूर्व निर्देशित कार्यों तथा एसपी शर्मा ने सुरक्षा व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी दी। अधिकारियों के दल ने सिटी पैलेस, फतेहप्रकाश, शिल्पग्राम आदि का दौरा किया। इस दौरान संभागीय आयुक्त राजेन्द्र भट्ट, जिला कलक्टर ताराचंद मीणा, पश्चिमी क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र की निदेशक किरण सोनी गुप्ता, पर्यटन विभाग की निदेशक डॉ. रश्मि शर्मा ने अब तक की तैयारियों एवं व्यवस्थाओं के बारे में अवगत कराया।

ओडा रेलवे ब्रिज ब्लास्ट मामले के आरोपियों को जेल भेजा

उदयपुर, (कास.)। उदयपुर के ओडा रेलवे ब्रिज ब्लास्ट मामले के मुख्य आरोपी धूलचंद और प्रकाश तथा विस्फोटक सामग्री उपलब्ध कराने वाले बाप-बेटे समेत 8 आरोपियों को जेल भेज दिया गया है। सभी आरोपियों को लेकर एटीएस सोमवार को कोर्ट पहुंची, जहां पूरे मामले की सुनवाई करते हुए उन्हें जेल भेजने के आदेश हुए। इससे पहले एटीएस ने सभी आरोपियों को अलग-अलग रिमांड पर लिया था। सभी की रिमांड अवधि पूरी होने पर एटीएस के अधिकारियों द्वारा उन्हें कोर्ट में पेश किया। इस मामले में अब तक मुख्य आरोपी धूलचंद और प्रकाश पकड़े जा चुके हैं। वही विस्फोटक सामग्री धोल की पाटी निवासी बाप-बेटे बिहारी लाल और अंकुश सुहालका ने उन्हें उपलब्ध करवाई थी। वहीं अन्य 4 आरोपी लाइसेंसधारी होकर मैगजीन और विस्फोटक बेचने का कार्य करते हैं। इस मामले में बीतें दिनों एटीएस ने प्रताप नगर निवासी पिता लोकेश और उसके बेटे अमित के साथ से. 4 निवासी भरतराज सेंन और मल्लातलाई निवासी अशोक मीणा को गिरफ्तार किया था। उल्लेखनीय है कि गत 12 नवम्बर को उदयपुर-अहमदाबाद रेलवे लाइन पर बने ओड़ा पुल पर आरोपियों ने ब्लास्ट की घटना को अंजाम दिया था। इससे पटरियों पर क्रैक आ गया था। आरोपियों की साजिश पुल कोउड़ाने और रेलवे ट्रैक को बर्बाद करने की थी। धमाके से कुछ घंटे पहले ही इस ट्रैक से ट्रेन गुजरी थी।

GEETANJALI UNIVERSITY, Udaipur
(Established by Government of Rajasthan; U/S 2(f) of the UGC Act 1956).
GEETANJALI UNIVERSITY
ADMISSION NOTICE OF VACANT / RESIDUAL SEATS IN MD/MS COURSES-2022-23

Applications are invited for admissions in vacant seats of MD/MS courses at Geetanjali Medical College & Hospital (Constituent Institute of Geetanjali University), Udaipur (Raj.) from the eligible students registered in NEET-PG admission/counseling Board-2022, Rajasthan. Students may apply on plain paper writing their Name, Father's Name, Address, copy of NEET-PG admission/counseling board - 2022 registration form, State Merit, Phone No. along with copy of NEET-PG score card-2022. Application must addressed to The Convener, PG Admission Board, Geetanjali University, Udaipur (Dean, GMCH Office) and must send it on email id counsellingmedical2022@geetanjaliuniversity.com

Last date of application is 30 Nov 2022 upto 03:00 PM. The allotment process and counseling will be held on 1st DEC 2022 at 08:00 AM at University Campus. The details of the documents and other information may be referred on University website.

Convener: PG Admission Board-2022-23, Geetanjali University, NH-8, By-pass, Near Ekling Pura Chouraha, Manva Kheda, UDAIPUR (Raj.) 313001
Website: www.geetanjaliuniversity.com

राजस्थान पुलिस ने एक हजार किलो अवैध गांजे से भरा ट्रक मध्यप्रदेश में पकड़ा

जयपुर (कासं)। राजस्थान पुलिस की सीआईडी क्राइम ब्रांच ने मध्यप्रदेश के गुना इलाके में एक हजार किलो अवैध गांजे से भरे ट्रक को पकड़ा है। राजस्थान नंबर का यह ट्रक जलपाईगुड़ी से गांजे की तस्करी करके ला रहा था। पुलिस ने ट्रक चालक को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 2 करोड़ रुपये की कीमत का गांजा भी जब्त किया। मध्यप्रदेश की गुना पुलिस ने ट्रक सवार तस्कर को एनडीपीएस एक्ट के तहत गिरफ्तार कर पूछताछ शुरू कर दी है।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (अपराध) डॉ. रविप्रकाश मेहरडा ने बताया कि सीआईडी क्राइम ब्रांच की टीम को मुखबिर से सूचना मिली थी कि झालावाड़ निवासी तस्कर महेंद्र सिंह ने राजस्थान में सप्लाई के लिए अवैध गांजे की बड़ी खेप मंगवाई है। सूचना पर एक विशेष टीम गठित कर मध्यप्रदेश की तरफ रवाना की गई। सीआईडी क्राइम ब्रांच ने मध्यप्रदेश तक ट्रक का पीछा किया और गुना से कुछ दूरी पहले राजस्थान नंबर के संदिग्ध ट्रक को रुकवाने की कोशिश की। ट्रक चालक तस्कर ने पुलिस जीप पर ट्रक चढ़ाकर पुलिसकर्मियों को कुचलने की कोशिश की। सीआईडी टीम किसी प्रकार से बाल-बाल बच गई, इसके बाद गुना पुलिस की मदद लेकर आगे नाकाबंदी करवाकर ट्रक का पीछा किया।

राजस्थान पुलिस की सीआईडी क्राइम ब्रांच ने मध्यप्रदेश के गुना इलाके में ट्रक चालक को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से दो करोड़ रुपये की कीमत का गांजा भी जब्त किया।

- **मध्यप्रदेश के गुना में सीआईडी की टीम ने ट्रक रुकवाना चाहा तो ड्राईवर ने पुलिस जीप को टक्कर मारकर भागने की कोशिश की**
- **रबर मैटेरियल से भरे ट्रक में गांजे के 10-10 किलो के 100 पैकेट छुपा कर रखे हुए थे**
- **बरामद गांजे की कीमत करीब दो करोड़ रुपए आंकी गई है**

गुना बाईपास प्रसार भारती दूरदर्शन केंद्र के सामने नाकाबंदी में स्थानीय पुलिस ने ट्रक को रुकवा लिया। इस बीच ट्रक का पीछा करते हुए राजस्थान सीआईडी की टीम भी पहुंच गई। इस ट्रक में रबर मैटेरियल भरा हुआ था, जिसके नीचे पैकेट छुपाए हुए थे। तलाशी में 10-10 किलो के 100 पैकेट मिले, जिनमें 1 हजार किलो गांजा भरा हुआ था। ट्रक सवार तस्कर बद्रीलाल यादव (41) निवासी गांव रतन खेड़ी आगर मालवा मध्य प्रदेश से पूछताछ की गई तो उसने जलपाईगुड़ी के पास माता बंगा क्षेत्र से गांजा लाने की बात स्वीकारी। आरोपी यह गांजा झालावाड़ के दाता का खेड़ा निवासी महेंद्र सिंह तथा आगर मध्य प्रदेश निवासी कमल सिंह व चेन सिंह ठाकुर को सौंपने वाला था। पुलिस ने अवैध गांजे से भरे ट्रक को जब्त कर आरोपी बद्री लाल यादव को गिरफ्तार कर लिया।

राहुल गांधी ने अशोक गहलोत और सचिन पायलट के बीच समझौते की संभावनाओं को बल दिया

वैसे भी राजस्थान पहला कांग्रेस शासित प्रदेश होगा, जहां कन्याकुमारी से चली भारत जोड़ो यात्रा आ रही है, जिसमें कि आलाकमान विवादित स्थिति से बचना चाहता है

जयपुर, (का.प्र.)। भारत जोड़ो यात्रा के दौरान जब मीडिया ने राहुल गांधी से सवाल किया कि राजस्थान के सीएम अशोक गहलोत ने पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट पर आरोप लगाए हैं। उन्होंने पायलट को गद्दार कहा है तो क्या आप मानते हैं कि उन्होंने गद्दारी की है? इस सवाल के जवाब में राहुल गांधी ने कहा कि वह इसमें नहीं जाना चाहते हैं कि किसने क्या कहा है। लेकिन इतना जरूर कहूंगा कि दोनों ही नेता पार्टी की एसेट हैं और भारत जोड़ो यात्रा पर इसका कोई असर नहीं पड़ेगा।

यह बयान राहुल गांधी ने भारत जोड़ो यात्रा के मध्यप्रदेश में छठे दिन इंदौर में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर मीडिया के सवालों के जवाब में दिया। राहुल गांधी ने जहां बीजेपी सरकार पर आरोप लगाए, वहीं राजस्थान की सियासत में चल रही गहमागहमी पर भी बड़ा ही नपा तुला बयान दिया। राहुल गांधी ने कहा कि किसने क्या कहा, मैं इस पर नहीं जाना चाहता, लेकिन दोनों ही नेता पार्टी की एसेट है। हां, मैं इतना जरूर कहता हूं कि इसका भारत जोड़ो यात्रा पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। यह कहकर राहुल गांधी ने एक तरह से राजस्थान को लेकर समझौतावादी स्थिति खड़ी की है। इससे असमंजस भी बढ़ता लग रहा है। राहुल गांधी के बयान को लेकर जानकारों का मानना है कि भारत जो़ड़ो यात्रा से पहले कांग्रेस आलाकमान दोनों नेताओं के विवाद को हवा देने की बजाय फिलहाल ठंडा रखना चाहता है, ताकि करीब 2 सप्ताह से ज्यादा की राजस्थान से गुजरने वाली भारत जोड़ो यात्रा में किसी तरह का विवाद खड़ा नहीं हो। इसका बड़ा कारण यह है कि तमिलनाडु के कन्याकुमारी से शुरू हुई भारत जोड़ो यात्रा पहली बार किसी कांग्रेस शासित राज्य से गुजरने वाली है।

- **राजस्थान में यात्रा की अवधि घटकर अब 14 दिन की रहेगी, मंगलवार की बैठक में तैयारियों को दिया जाएगा अंतिम रूप**

इधर राजस्थान से गुजरने वाली भारत जोड़ो यात्रा की तैयारियों को लेकर मंगलवार को प्रदेश कांग्रेस कोऑर्डिनेशन कमेटी की बैठक होने वाली है। जिसमें यात्रा की तैयारियों को अंतिम रूप दिया जाएगा। इस बैठक में कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल को आना है, लेकिन सोमवार को भारत जोड़ो यात्रा के दौरान इंदौर में धक्का-मुक्की में उन्हें चोट लगी है। ऐसे में वह बैठक में आएंगे या नहीं, इसे लेकर असमंजस है।

इस बीच भारत जोड़ो यात्रा राजस्थान में 3 या 4 दिसंबर को प्रवेश करेगी और 17 या 18 दिसंबर को हरियाणा में प्रवेश करेगी। पहले राजस्थान में यह यात्रा 17 से 21 दिन की होने वाली थी, लेकिन अब यात्रा के अभी तक के प्रोग्राम के अनुसार 14 दिन में यात्रा पूरी हो जाएगी। इसका कारण यह बताया जा रहा है कि यात्रा मार्ग में पड़ने वाले सेंचुरी क्षेत्र में यात्रा को वाहनों से पूरी करवाया जा सकता है, ताकि वन अधिनियम का उल्लंघन नहीं हो। यात्रा के दौरान राहुल गांधी एक प्रेस कॉन्फ्रेंस करेंगे, वहीं अलवर जिले के मालाखेड़ा में उनकी बड़ी जनसभा होगी। इसके अलावा रास्ते में होने वाली नुक्कड़ सभाएं अलग से रखी गई है।

राज्यपाल ने तीन निजी विश्वविद्यालयों के विधेयक पुनर्विचार के लिए लौटाए

जयपुर, (का.सं.)। राज्यपाल कलराज मिश्र ने पन्द्रहवीं विधानसभा के सप्तम सत्र द्वारा पारित तीन निजी विश्वविद्यालयों -ड्यून्स विश्वविद्यालय, जोधपुर, व्यास विद्या पीठ विश्वविद्यालय, जोधपुर तथा सौरभ विश्वविद्यालय, हिन्डौन सिटी, करौली के अलग-अलग विधेयकों को पुनर्विचार हेतु लौटा दिया है। मिश्र ने संविधान के अनुच्छेद 200 और उसके परन्तुक के अनुसरण में प्रस्तावित निजी विश्वविद्यालयों के इन विधेयकों को निर्धारित नियमों के अंतर्गत प्रक्रिया पूर्ण नहीं किए जाने के कारण लौटाया है।

राज्यपाल ने कहा है कि इनकी पत्रावली देखने से स्पष्ट प्रतीत हो रहा है कि प्रस्तावित निजी विश्वविद्यालय भूमि, भवनों के निर्धारित नियमों की बगैर पालना ही स्थापित किए जा रहे हैं। इनसे राज्य के राजस्व का भी सीधे तौर पर नुकसान होता प्रतीत हो रहा है। उन्होंने बगैर भू रूपांतरण, भवन के बगैर संचालित पाठ्यक्रमों पर भी आपत्ति जताई है।

राज्यपाल ने इस संबंध में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को पृथक से पत्र भी लिखा है। इसमें प्रस्तावित निजी विश्वविद्यालयों द्वारा निर्धारित नियमों के अंतर्गत भवन एवं भूमि तथा पाठ्यक्रमों के संचालन की प्रक्रिया पूर्ण नहीं किए जाने का उल्लेख किया है। मिश्र ने विधेयक पुनर्विचार के लिए लौटाने सबंधित मुख्यमंत्री को लिखे पत्र में लिखा है कि विधेयकों के संबंध में पत्रावलियों के अवलोकन से पता चलता है कि राज्य में यह जो निजी विश्वविद्यालय स्थापित हो रहे हैं, वे नियमों और समय समय पर जारी दिशा निर्देशों के अनुरूप नहीं हैं। उन्होंने निजी विश्वविद्यालयों की कमियों को सम्भागीय, राजस्व अधिकारियों की उच्च स्तर पर कमेटी गठित कर विस्तृत जांच कराने के भी निर्देश दिए हैं। राज्यपाल ने विधेयक लौटाते हुए पत्र में स्पष्ट कहा है कि निजी विश्वविद्यालय की स्थापना के संबंध में व्यापक विचार विमर्श कर राज्य सरकार एक समग्र नीति निर्माण कर कार्यवाही करें।

न्यायिक कर्मियों का सामूहिक अवकाश जारी

जयपुर, (का.सं.)। न्यायिक अफसर के निवास पर चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी सुभाष मेहरा के आत्मदाह से जुड़े मामले को लेकर जिला न्यायालय सहित जयपुर मेट्रो प्रथम व द्वितीय के न्यायिक कर्मचारियों का सामूहिक अवकाश सोमवार को 11 वें दिन भी जारी रहा। कर्मचारियों के अवकाश के कारण अदालतों का कामकाज पूरी तरह ठप हो गया है। वहीं आमरण अनशन कर रहे संघ के प्रांतीय महामंत्री सतबीर सिंह और रामावतार मीणा के साथ अब संघ के संरक्षक नत्थू सिंह तंवर व संघर्ष समिति के अध्यक्ष बद्रीलाल चौधरी ने भी आमरण अनशन शुरू कर दिया है।

ब्रज संस्कृति से महका जवाहर कला केन्द्र का प्रांगण

जयपुर। जवाहर कला केन्द्र के मुक्ताकाशी मंच पर सोमवार को ब्रज संस्कृति से महक उठा। राजस्थान ब्रज भाषा अकादमी के 38वें स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित समारोह में ब्रज संस्कृति की अनुपम छटा बिखरेते रंगारंग कार्यक्रम हुए।

अकादमी के अध्यक्ष डॉ. रामकृष्ण शर्मा और सचिव गोपाल लाल गुप्ता ने बताया कि समारोह में डीग के भारतीय कला संस्थान के अशोक कुमार शर्मा के निर्देशन में राजस्थान के ब्रज क्षेत्र से आए कलाकारों ने श्रीकृष्ण रास, बम रसिया, शिव तांडव, रसिया नृत्य, चरकुला नृत्य आदि के मन मोहक प्रदर्शन से वहां मौजूद लोगों का दिल जीत लिया। सभी नृत्यों में कलाकारों के परिधान और नृत्यों की दृश्य संरचना देखने योग्य थी। इस मौके पर हिण्डौन के छैल बिहारी पाठक के निर्देशन में कलाकारों ने लांगुरिया नृत्य पेश किया। इस नृत्य के गीत की लय-ताल और नृत्य कलाकारों की भाव मुद्राएं ऐसी थीं कि कार्यक्रम बैठे लोगों के कदम खुद-ब-खुद थिरकने लगे। समारोह की अंतिम प्रस्तुत बेहतरीन रही। विभिन्न प्रस्तुतियों में शामिल 54 कलाकारों ने एक साथ मंच पर आकर एक सुर और एक लय पर फूलों की होली के जरिए भगवान श्रीकृष्ण के महारास को जीवंत कर दिया। सचिव गोपाल लाल गुप्ता ने अकादमी का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। समारोह के दौरान पर आए अतिथियों ने राजस्थान ब्रज भाषा अकादमी के नए लोगों का लोकार्पण किया। कला, साहित्य, संस्कृति एवं पुरातत्व मंत्री डॉ. बीडी कल्ला और कला एवं संस्कृति विभाग की प्रमुख सचिव गायत्री राठौड़ के सानिध्य में हुए इस समारोह की शुरुआत में ब्रज भाषा अकादमी के दो पूर्व अध्यक्ष हीरालाल शर्मा और कृष्णचंद गोस्वामी तथा दो पूर्व सचिव नाथूलाल महावर और पारीक को ब्रज भाषा सेवा सम्मान से नवाजा गया। कल्ला तथा राठौर ने चारों विभूतियों को शॉल स्मृति चिन्ह और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

एक ओवर में लगातार सात छक्के लगाने वाले पहले बल्लेबाज बने गायकवाड़

अहमदाबाद, 28 नवंबर। महाराष्ट्र के रुतुराज गायकवाड़ विजय हजारे ट्रॉफी के क्वार्टरफाइनल में सोमवार को उत्तर प्रदेश के खिलाफ एक ओवर में सात छक्के जड़कर लिस्ट-ए क्रिकेट में ऐसा करने वाले पहले बल्लेबाज बन गये।

गायकवाड़ ने शिवा सिंह द्वारा फेंके गए 49वें ओवर में यह कीर्तिमान रचा। इस ओवर की पांचवीं गेंद नो बॉल होने के कारण शिवा को कुल सात गेंदें फेंकनी पड़ीं। गायकवाड़ ने सभी गेंदों पर छक्के लगाकर ओवर में कुल 43 रन जोड़े।

गायकवाड़ इसी के साथ सीमित ओवर क्रिकेट में एक ओवर में लगातार सात छक्के लगाने वाले पहले बल्लेबाज बन गये। क्रिकेट के सभी प्रारूपों में एक ओवर में सबसे अधिक छक्के लगाने का रिकॉर्ड न्यूजीलैंड के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज ली जर्मोन के पास है, जिन्होंने एक ओवर में आठ छक्के मारे थे। न्यूजीलैंड घरेलू क्रिकेट के 1989-90 सीज़न के दौरान प्रथम श्रेणी मैच के इस ओवर में 17 नो बॉल शामिल थीं और पूरे ओवर में कुल 77 रन बने थे। गायकवाड़ का 43 रन का ओवर लिस्ट-ए क्रिकेट के इतिहास में संयुक्त रूप से सबसे महंगा ओवर बन गया। इससे पहले 2018 में न्यूजीलैंड के घरेलू 50 ओवर के खेल में नॉर्दर्न डिस्ट्रिक्ट्स के ब्रेट हैम्पटन और जो कार्टर ने भी एक ओवर में 43 रन जोड़े थे।

गायकवाड़ ने इसी ओवर में अपना दोहरा शतक भी पूरा किया। महाराष्ट्र के लिए पारी की शुरुआत करने उतरे गायकवाड़ ने इस पारी में 159 गेंदों पर 10 चौकों और 16 छक्कों की बदौलत नाबाद 220 रन बनाए, और अपनी टीम को 50 ओवर में 330 रन तक पहुंचाया।

केवल चार खिलाड़ियों ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में एक ओवर में छह छक्के मारने की उपलब्धि हासिल की है। इनमें दक्षिण अफ्रीका के हर्शल गिब्स, भारत के युवराज सिंह, वेस्टइंडीज के कीरोन पोलार्ड और यूएसए के जसकरन मल्होत्रा का नाम शामिल है।

कनाडा ने ऑस्ट्रेलिया को 2-0 से हराया

मलागा, 28 नवम्बर। कनाडा ने टेनिस का वर्ल्ड कप कहे जाने वाले डेविस कप का खिताब जीत लिया है। उसने स्पेन के मलागा में खेले गए फाइनल मुकाबले में 28 बार की चैंपियन ऑस्ट्रेलिया को 2-0 से हराया। 121 साल पुराने इस टूर्नामेंट कनाडा को पहली बार ट्रॉफी चूमने का मौका मिला है। टीम इस टूर्नामेंट में 109 साल से खेल रही है। कनाडा की टीम 2019 के सीजन में उपविजेता रही थी। तब उसे राफेल नडाल की मौजूदगी वाले स्पेन ने हराया था। साथ ही हम टूर्नामेंट का इतिहास और इसमें भारत की स्थिति भी देखेंगे...उससे पहले देखिए कनाडाई टीम का परफॉर्मेंस रविवार को डेनिस शापोवालोव और फेलिक्स ऑगर अलियासिमे की जीत के दम पर कनाडा ने ऑस्ट्रेलिया को 2-0 से मात दी।

न्यूजीलैंड ने बांग्लादेश श्रृंखला के लिये महिला टीम की घोषणा की

क्राइस्टचर्च, 28 नवंबर। न्यूजीलैंड ने बंगलादेश के खिलाफ घरेलू सीमित ओवर शृंखलाओं के लिये महिला टीम की घोषणा करते हुए अगले साल होने वाले आईसीसी महिला टी20 विश्व कप की तैयारियां शुरू कर दी हैं। अगले महीने बांग्लादेश के खिलाफ तीन वनडे और तीन टी20 मुकाबलों के लिए 15-खिलाड़ी टीम की कमान एक बार फिर अनुभवी कप्तान सोफी डिवाइन को सौंपी गयी है। सुजी बेट्स, अमेलिया केर, जेस केर, मैडी ठीन और हेले जेन्सेन इस टीम के साथ अपना अनुभव साझा करेंगी, जबकि विकेटकीपर-बल्लेबाज जेस मैकफैडेन इस शृंखला में पदार्पण कर सकती हैं। फरवरी में होने वाले टी20 विश्व कप के लिये दक्षिण अफ्रीका रवाना होने से पहले यह न्यूजीलैंड की आखिरी सीरीज होगी। मुख्य कोच बेन सॉयर को उम्मीद है कि उन्हें यहां कुछ सकारात्मक नतीजे देखने को मिलेंगे। सॉयर ने कहा, "हमने अगले साल होने वाले विश्व कप को ध्यान में रखते हुए पिछले कुछ महीनों में एक खाका तैयार किया है कि हम कैसे खेलना चाहते हैं, खासकर टी20 प्रारूप में। यह दौरा अपने काम को जारी रखने और उन योजनाओं को आजमाने एवं बदलाव करने का एक शानदार अवसर होगा।"

न्यूजीलैंड स्क्वाड : सोफी डिवाइन (कप्तान), सूजी बेट्स, एडेन कार्सन, लॉरेन डाउन, मैडी ठीन, ब्रुक हॉलिडे, हेले जेन्सेन, फ्रान जोनास, अमेलिया केर, जेस केर, जेस मैकफैडेन, मौली पेनफोल्ड (केवल वनडे), हन्ना रोवे (केवल वनडे), जॉर्जिया प्लिमर (केवल टी20), ली ताहुहू।

भारत ने ऑस्ट्रेलिया को 42-30 से हराया

इंचियोन (दक्षिण कोरिया), 28 नवंबर। भारत की सीनियर महिला हैंडबॉल टीम ने 19वीं एशियाई महिला हैंडबॉल चैंपियनशिप में सोमवार को अपने चौथे लीग मैच में ऑस्ट्रेलिया को 42-30 से हराया। भारत की ओर से भावना ने सर्वाधिक 16 गोल दागे, जबकि मेनका ने 12 गोल किये। शालिनी ठाकुर ने आठ जबकि सोनिका ने पांच गोल का योगदान दिया। ऑस्ट्रेलिया की ओर से जेम्मा बके ने सर्वाधिक 11 गोल किये। इसके अलावा हैना ने सात और चोले वॉन ने पांच गोल दागे। मेनका को मैच के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार दिया गया।

कैमरून ने सर्बिया को ड्रॉ पर रोका

अल-वाकराह (कतर), 28 नवंबर। कैमरून ने विन्सेंट अबूबकर (एक गोल, एक असिस्ट) की बदौलत सोमवार को फीफा विश्व कप 2022 के रोमांचक ग्रुप-जी मुकाबले में सर्बिया को 3-3 के ड्रॉ पर रोक दिया। कैमरून के लिये जीन चार्ल्स कैस्टेलेटो (29वां), अबूबकर (63वां) और एरिक मैक्सिम चौपो-मोटिंग (66वां मिनट) ने गोल किये। स्ट्राहिन्जा पावलोविच (45 1वां), सर्गेज मिलिनकोविच (45 3) और एलेक्सैंडर मिट्रोविच (53वां मिनट) ने सर्बिया के गोल जमाये।

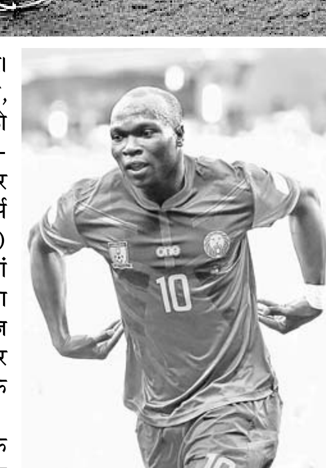

कैमरून ने रोमांचक मुकाबले के 29वें मिनट में पहला गोल जमाकर सर्बिया को शांत रखा था। कैमरून 1-0 की बढ़त के साथ दूसरे हाफ में जाने वाली थी लेकिन पावलोविच और मिलिन कोविच ने पहले हाफ के अतिरिक्त समय में गोल करके मैच का रुख पलट दिया। दूसरे हाफ के सातवें मिनट में मिट्रोविच ने भी गोल किया और सर्बिया की बढ़त 3-1 हो गयी। पहले मैच में स्विट्जरलैंड से हारने के बाद कैमरून एक और हार की ओर अग्रसर थी लेकिन अबूबकर उनके लिये संकटमोचक बनकर आये।

अबूबकर ने पहले 63वें मिनट में कैमरून का दूसरा गोल किया। इसके बाद चौपो-मोटिंग ने सर्बियाई बॉक्स के अंदर अबूबकर के असिस्ट की मदद से गोल करके स्कोर 3-3 से बराबर कर दिया। मैच के 89वें मिनट में मिट्रोविच ने कैमरून के खेमे में पहुंचकर गोल करना चाहा लेकिन वह गोलकीपर को पार नहीं कर सके।

अबूबकर दूसरे हाफ में सब्स्टीट्ययूट के रूप में फील्ड पर आये थे लेकिन उनके योगदान ने कैमरून को फीफा विश्व कप में बरकरार रखा है। वह एक विश्व कप मैच में गोल और असिस्ट दोनों करने वाले पहले अफ्रीकी खिलाड़ी भी बन गये हैं। कैमरून का आखिरी ग्रुप-जी मुकाबला शनिवार को ब्राज़ील से होगा, जबकि सर्बिया को इसी दिन स्विट्ज़रलैंड का सामना करना है।

घाना ने रोमांचक मुकाबला जीता, कोरिया विश्व कप से बाहर

अल रैयान (कतर), 28 नवंबर। घाना ने मोहम्मद कुद्दूस के दो गोलों की बदौलत सोमवार को फीफा विश्व कप 2022 के रोमांचक ग्रुप-एच मुकाबले में दक्षिण कोरिया को 3-2 से हराकर टूर्नामेंट से बाहर कर दिया। एजुकेशन सिटी स्टेडियम पर खेले गये मुकाबले में विजेता टीम के लिये मोहम्मद सालिसू (24वां) और कुद्दूस (34वां, 68वां मिनट) ने गोल किये। चो गुए-सुंग (58वां, 61वां) ने कोरिया के दोनों गोल जमाये।

पहले हाफ में 2-0 से पिछड़ने के बाद कोरिया गुए-सुंग के गोलों की बदौलत मैच में वापस आ गया था, लेकिन कुद्दूस के गोल ने एक बार फिर घाना को बढ़त दिला दी। इसके बाद कोरिया ने स्कोर बराबर करने के कई प्रयास किये लेकिन घाना के गोलकीपर लॉरेंस अतिज़िगी ने उन्हें एक बार भी कामयाब नहीं होने दिया और अपनी टीम के लिये बहुमूल्य तीन अंक सुनिश्चित किये।

करो या मरो मुकाबले में कोरिया ने अच्छी शुरुआत की लेकिन सालिसू ने घाना को शुरुआती बढ़त दिलाई। मैच के 23वें मिनट में सालिसू ने जॉर्डन एयू से पास लेकर उसे गोल में पहुंचा दिया। मैच के 34वें मिनट में जॉर्डन ने कुद्दूस को पास दिया और घाना ने अपनी बढ़त दोगुनी कर ली। पहले हाफ में 2-0 से पिछड़ने के बाद गुए-सुंग कोरिया को मैच में वापस लेकर आये। उन्होंने 57वें मिनट में ली कांग के क्रॉस को हेडर से घाना के गोल में पहुंचाया। पांच मिनट बाद उन्होंने जिन सू के क्रॉस पर यही कारनामा दोहराते हुए स्कोर 2-2 से बराबर कर दिया।

छह मिनट के अंतराल में दो गोलों के साथ कोरिया ने आक्रामक रुख अपना लिया था लेकिन कुद्दूस एक बार फिर घाना की मदद के लिये आगे आये। मैच के 67वें मिनट में इनाकी विलियम्स बाईं ओर से आये क्रॉस को किक करने से चूक गये, जिसके बाद कुद्दूस ने कोरियाई रक्षण को छकाते हुए बॉल को नेट में पहुंचाया। मैच के आखिरी 20 मिनटों में कोरिया ने पूरी आक्रामकता अपनाई लेकिन अतिज़िगी ने शानदार तरीके से गोलपोस्ट की रक्षा की और कोरिया को एक गोल के अंतर से हारना पड़ा। कोरिया दो मैचों में एक ड्रॉ और एक हार के साथ टूर्नामेंट से बाहर हो गयी है, जबकि घाना एक जीत और एक हार के साथ ग्रुप-एच में पुर्तगाल के बाद दूसरे स्थान पर है।

पाकिस्तान के खिलाफ आक्रामक रवैया जारी रखेगी इंग्लैंड : मैकुलम

रावलपिंडी, 28 नवंबर। इंग्लैंड टेस्ट टीम के कोच ब्रेंडन मैकुलम ने सोमवार को कहा कि उनकी टीम पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट सीरीज में आक्रामक रवैये के साथ खेलना जारी रखेगी। मैकुलम ने पाकिस्तान आने के बाद अपनी पहली संवाददाता सम्मेलन में कहा, घर से दूर जाकर जीतना सबसे बड़ी उपलब्धि है जिसे आप एक टेस्ट खिलाड़ी और एक टेस्ट टीम के रूप में हासिल कर सकते हैं। हम समझते हैं कि हम किस चुनौती का सामना कर रहे हैं, लेकिन यह अच्छा है। आप इसीलिए तो खेलना चाहते हैं। आप आसान चुनौतियां नहीं चाहते हैं। मैं वास्तव में उत्साहित हूं। मुझे नहीं पता कि हम सीरीज जीतेंगे या नहीं, लेकिन मैं दावा कर सकता हूं कि जब कप्तान (बेन स्टोक्स) 48 घंटे में यहां आयेंगे तो वह कहेंगे कि सीरीज में कोई ड्रॉ नहीं होगा। इंग्लैंड 17 साल बाद पाकिस्तान में टेस्ट सीरीज खेलने जा रही है और यह बतौर कोच मैकुलम का पहला विदेशी दौरा भी है। मैकुलम-स्टोक्स की अगुवाई में इंग्लैंड ने खेल के सबसे लंबे प्रारूप में अपना रवैया बदला है, और उन्हें पिछले सात में से छह मुकाबलों में जीत भी मिली है। मैकुलम ने कहा, हम निश्चित रूप से मैच को परिणाम तक पहुंचाने के लिये जोर देंगे। यह हमारा दायित्व है कि लोग मैच का आनंद लेकर लौटें। अगर हम हार जाते हैं, तो हमें पता होगा कि पाकिस्तान हमसे बेहतर खेला।

उचित मूल्य दुकानदारों को मानदेय देने की मांग

संविदा सेवानियम-2022 में नियमित करने को लेकर एसडीएम को मांग पत्र सौंपा

सादुलपुर, (निसं)। अधिकृत राशन विक्रेता नियोजक संघ शाखा राजगढ के कार्यकर्ताओं ने संघ के प्रदेश सचिव नेतराम भाटी के नेतृत्व में उपखण्ड राजगढ रणजीत बिजारणिया को मुख्यमंत्री राजस्थान सरकार के नाम ज्ञापन सौंपकर राजस्थान प्रदेश के उचित मूल्य दुकानदारों को मानदेय दिये जाने एवं संविदा सेवानियम-2022 में नियमितिकरण में सम्मिलित करने सहित पाँच सूत्री माँगों पर कार्यवाही की माँग की है।

अधिकृत राशन विक्रेता नियोजक संघ शाखा राजगढ नेतराम भाटी, सुलेमान, सलीम, सतार मोहम्मद, श्रवण, सुलेमान खाँ डीसवाला व वासुदेव आदि ने एसडीएम राजगढ रणजीत बिजारणियों के नाम सौंपे ज्ञापन में बताया कि राजस्थान प्रदेश में लगभग 27000 राशन विक्रेता खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत उपभोक्ताओं में खाद्य सामग्री वितरण

मांगों को लेकर एसडीएम राजगढ़ को ज्ञापन सौंपते अधिकृत राशन विक्रेता नियोजक संघ शाखा राजगढ़ के प्रदेश सचिव नेतराम भाटी व अन्य कार्यकर्ता।

करने का कार्य में लगे हुए हैं और देश व प्रदेश में कोविड जैसी महामारी में भी राशन विक्रेताओं ने उपभोक्ताओं के घर-घर जाकर सामग्री वितरण की है। जिसके तहत राज्य सरकार ने राशन विक्रेता को कोरोना वॉरियर में शामील करते हुए कोरोना से मृत्यू होने पर 50 लाख रूपये का अनुदान दिये जाने के आदेश प्रसारित किये गये थे, जिसके लिए संगठन आभारी है।

इसके साथ-साथ नियमित मानदेय तीन हजार रूपये प्रतिमाह दिये जाने, संविदा अधिनियम 2022 के अन्तर्गत नियमितिकरण में शामिल किया जाने, पोष मशीन के नाम पर 15.21 रूपये की सरकार द्वारा की जा रही कटौति नहीं कर उसे बन्द करने, केन्द्र सरकार पर दबाव बनाकर खाद्य सुरक्षा अधिनियम में संशोधन कराकर खाद्य सामग्री पर 2 प्रतिशत छीजत देने का प्रावधान पोष मशीन में डाला जाने व वर्तमान में गेहूँ के एक क्विंटल की उतरवाई मजदूरी 6 रूपये सरकार द्वारा राशन विक्रेता को दी जा रही है, जबकि मंहगाई में मजदूरों ने अपनी उतरवाई की दर 10 रूपये प्रति क्विंटल करदी है और वो डीलर से प्राप्त कर रहे हैं, इसलिए गेहूँ की एक क्विंटल की उतरवाई 6 रूपये के स्थान पर 10 रूपये निश्चित किया जाने की माँग की है।

पुलिस अधिकारियों पर घर से बेघर करने का आरोप

गुलाब बाग धौलपुर में करीब 60 वर्ष पूर्व से रह रहा था बीपीएल परिवार

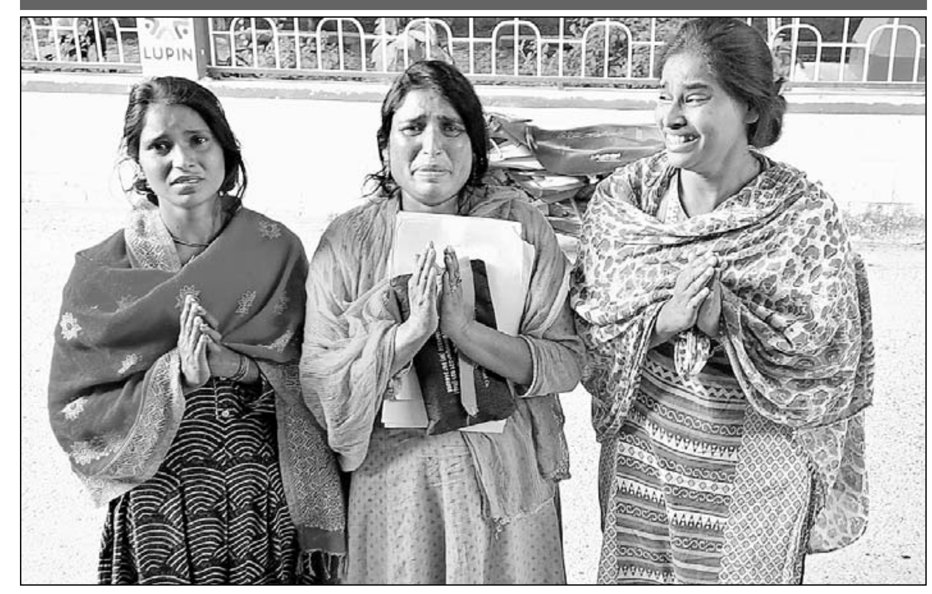

धौलपुर कलेक्टर से आवास की सुरक्षा की मांग करते परिवार के सदस्य।

धौलपुर, (निसं)। धौलपुर शहर के कोतवाली थाना क्षेत्र की ऑफिसर कॉलोनी गुलाब बाग धौलपुर के एक परिवार ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर जिला कलेक्टर अनिल कुमार अठावाल को ज्ञापन सौंपा है। जिसमें कुछ पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों पर जानबूझकर घर से बेघर करने का आरोप लगाया है।

ज्ञापन में बताया गया है कि कुछ पुलिस अधिकारी व कर्मचारी जानबूझकर हमें घर से बेघर करने पर तुले हैं। हमारे घर गृहस्ती के समस्त

- **जिला कलेक्टर से घर से बेघर नहीं करने की लगाई गुहार**

सामान को फेंकने के लिए पुलिस बल व महिला पुलिस बुलाकर हमें तंग परेशान किया जा रहा है। ज्ञापन देने आई महिला सुधा देवी पत्नी मोती सिंह निवासी ऑफीसर कॉलोनी गुलाब बाग धौलपुर ने बताया कि वह आर्थिक स्थिति से कमजोर एवं बीपीएल चयनित परिवार है। जो कि करीब 60 वर्ष पूर्व से यहां रहते चले आ रहे हैं।

महिला ने बताया कि अगले माह मेरी पुत्री की शादी विवाह का कार्यक्रम है, जो सर्दी से बचने के लिए हमने टीम शेड डाले जाने को लेकर थोड़ा सा निर्माण कार्य किया तो कुछ पुलिस अधिकारी हम गरीब परिवार को यहां से हटा कर हमारे सामान को फिकवाने की धमकियां दे रहे हैं। ज्ञापन में जिला कलेक्टर से घर से बेघर नहीं करने की मांग की है।

बाइक सवार मामा-भांजे करणी नहर में गिरे

श्रीगंगानगर, (निसं)। जिले के जैतसर इलाके में सोमवार को गांव दो जीबी से जैतसर नरमा बेचने के लिए जा रहे मामा भानजा बाइक फिसलने से नहर में गिर गए। हादसे में मामा तैरकर नहर से बाहर निकल गया जबकि भानजे के बारे में अब तक कोई जानकारी नहीं मिल पाई है। नहर किनारे उसकी तलाश की जा रही है। मौके पर आसपास के इलाके के ग्रामीणों की भीड़ एकत्र हो गई। इस बारे में जैतसर पुलिस को सूचना दी गई है।

नहर में गिरे युवक की तलाश की जा रही है। गांव दो जीबी का चुन्नीलाल नायक (40) अपने भानजे संजय (17) के साथ घर से नरमा बेचने के लिए निकला था। उसके पास करीब बीस-पच्चीस किलो नरमे की गांठ थी। नरमा लेकर दोनों जैतसर की तरफ बढ़

- **मामा तैर कर निकला, भांजे की तलाश जारी**

रहे थे। इसी दौरान गंगनहर की करणी जी वितरिका के पास पहुंचने पर मोटरसाइकिल अनकंट्रोल होकर नहर में गिर गई। मोटरसाइकिल पानी में गिरते ही चुन्नीलाल तैरकर बाहर निकल गया। उसका भानजा संजय तैर नहीं पाया।

आसपास के लोगों ने मौके पर नहर में पड़ी मोटर साइकिल तो निकाल ली लेकिन संजय का पता नहीं लगा। नहर किनारे संजय की तलाश की जा रही है। मौके पर परिजन और ग्रामीण उसकी तलाश में जुटे हैं। नहर में कुछ दूरी पर जाल डालकर संजय को ढूंढने का प्रयास किया जा रहा है।

कांग्रेस प्रत्याशी के पक्ष में किया जनसम्पर्क

सरदारशहर, (निसं)। सोमवार को कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष एवं पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा ने तहसील क्षेत्र के जसंगसर, भादासर दिखनादा, पाबूसर व कांगड में जनसभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस प्रत्याशी अनिल शर्मा के पक्ष में मतदान करने की अपील की।

प्रदेश अध्यक्ष डोटासरा ने प्रदेश के मुख्यमंत्री गहलोत की जनकल्याण की योजनाओं को बताते हुए व दिवंगत विधायक पं भंवरलाल शर्मा द्वारा किये गये विकास कार्यो को ध्यान में रखते हुए अनिल शर्मा को भारी मतो से विजय बनाये व अनिल शर्मा को वोट देकर दिवंगत पं शर्मा को सच्ची श्रंद्वाजलि देने की अपील की। इस अवसर पर तारानगर विधायक नरेन्द्र बुडानिया, सुजानगढ़ विधायक मनोज मेघवाल, सादुलपुर विधायक कृष्णा पूनिया ने भी विचार व्यक्त किए।

मंत्री शेखावत ने किया शहीद की प्रतिमा का अनावरण

जोधपुर, (कासं)। केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि भारत मां की रक्षा में सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर अमिट छाप छोड़ जाते हैं, जिससे आने वाली पीढ़ियों को राष्ट्रभक्ति का प्रकाश मिलता रहता है। सोमवार को केंद्रीय मंत्री शेखावत ग्राम पंचायत लोरड़ी पंडितजी में अमर शहीद विजय सिंह सोलंकी के स्मारक और प्रतिमा अनावरण समारोह में सम्मिलित हुए। शेखावत ने वीर सपूत प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित की।

भारतीय विचारक, समाजसेवी, लेखक और दार्शनिक महात्मा ज्योतिबा फुले की पुण्यतिथि पर केंद्रीय मंत्री शेखावत ने जोधपुर में महामंदिर स्थित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। शेखावत ने कहा कि ज्योतिबा फुले के विचार हर काल में प्रासंगिक रहेंगे।पूर्व जिला अध्यक्ष नरेन्द्र कछवाह, भाजपा के मण्डल अध्यक्ष, पार्षद, ज्योतिबा फुले राष्ट्रीय संस्थान के सदस्यों, भाजपा कार्यकर्ताओं और गणमान्य लोगों ने महान समाज सुधारक, देशभक्त ज्योतिबा फुले को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित कर श्रद्धा से याद किया।

आमजन से की मुलाकात :- केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत रविवार को पाली और उदयपुर में विभिन्न कार्यक्रमों में शिरकत करने के बाद जोधपुर पहुंचे और निज निवास पर आमजन से मुलाकात की। शेखावत ने लोगों के अभाव अभियोग सुने और यथासंभव समस्याओं के निराकरण का प्रयास किया।

नगरपालिका ने अस्थाई दुकानों को हटवाया

मालपुरा, (निसं)। नगरपालिका शहरी क्षेत्र में रिक्त पडी करोडों रूपयों की सरकारी जमीन व सम्पति पर काबिज दबंग व प्रभावशाली अतिक्रमियों पर मेहरबान उपखण्ड प्रशासन व नगरपालिका प्रशासन ने शहर में अतिक्रमण हटाओं अभियान के नाम पर फुटपाथ किनारे अस्थाई वूलन कपडों की टेन्टो में दुकाने लगा परिवार का गुजर बसर कर रहे गरीबों की दुकाने हटा रोजगार छीनने का मामला सामने आया है।

मामले अनुसार शरद ऋतु शुरू होने के साथ ही गांव शहर में फेरी लगा अस्थाई दुकानों के माध्यम से गर्म कपडे बेच अपने परिवार की आजीविका कमाने वाले तकरीबन दो दर्जन से अधिक गरीब व मध्यम वर्ग के बाहरी लोगों ने शहर के जयपुर रोड सीनियर सैकेण्डरी स्कूल व खेल मैदान के सामने फुटपाथ किनारे अथवा रिक्त पडे भूखण्डों में टेन्ट व तम्बू गाढ अस्थाई शामीयानों में अथवा तिरपाल बिछा गर्म कपडों की अस्थाई दुकाने लगा अपने परिवार का गुजर बसर कर रहे थे।

बीते कई सालों से ये व्यक्ति मालपुरा शहर में इसी स्थान पर अस्थाई दुकाने लगा दो महीने तक गर्म कपडे से आजीविका कमाते आ रहे थे लेकिन शहर के कुछ लोगों ने व्यापार मंडल के नाम पर उपखण्ड व नगरपालिका प्रशासन को प्रार्थना पत्र दे इन गरीबों की अस्थाई दुकानों को हटवाने में कामयाब रहे। इतना ही नहीं व्यापार मंडल के नाम पर इन चंद लोगों के प्रार्थना पत्र पर पालिका के पार्षदों ने भी अपने हस्ताक्षर कर अपनी भागीदारी निभाई।

गहलोत ने अपनी कुर्सी बचाने में गुजारे चार साल: कटारिया

भाजपा की जन आक्रोश रैली एक दिसम्बर से

उदयपुर, (कासं)। गहलोत सरकार की जन विरोधी नीतियों के विरूद्ध भाजपा 1 से 14 दिसम्बर तक जन आक्रोश रैली निकाल कर आमजन को जागरूक करेगी। यह रैली जिला मुख्यालय से लेकर पंचायत एवं वार्ड स्तर तक निकाली जायेगी।

यह जानकारी सोमवार को यहां नेता प्रतिपक्ष गुलाबचन्द्र कटारिया ने यहां भाजपा कार्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता में दी। उन्होंने कहा कि आक्रोश रैली के लिए 200 रथ तैयार कर लिए गए है जिन्हें भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा 1 दिसम्बर को हरी झंडी दिखाकर प्रदेश की 200 विधानसभाओं में रवाना करेंगे। आक्रोश रैली के दौरान तीन मुद्दों पर चर्चा होगी उनमें प्रदेश में फैला जंगलराज, भ्रष्टाचार और कुशासन प्रमुख है। पत्रकार वार्ता के दौरान कटारिया ने सीएम गहलोत पर जमकर निशाना साधा।

उन्होंने कहा कि गहलोत ने अपनी कुर्सी बचाने के लिए अपने सभी विधायकों को मुख्यमंत्री के अ धिकार दे दिए जिसके कारण प्रदेश में जंगलराज चल रहा है। महिलाएं सुरक्षित नहीं है। गैंग रैप के मामले में राजस्थान यूपी से भी आगे है। स्कूलों में अध्यापक और पुलिस थानो में पुलिस द्वारा रैली की घटनाएं आम हो गई है। भ्रष्टाचार चरम पर है और प्रदेश में शासन नाम की कोई व्यवस्था नहीं है। पूरे चार वर्ष गहलोत ने केवल अपना पद सुरक्षित रखने में गुजार कर प्रदेश के विकास को पीछे धकेल दिया।

कांग्रेस में ल रही कलह पर कटारिया ने कहा कि हालांकि यह कांग्रेस का आंतरिक मामला है लेकिन गहलोत को अपने शब्दों पर नियंत्रण रखना चाहिए। कटारिया ने सचिन पायलट की तरफदारी करते हुए कहा कि सचिन की क्षमता और योग्यता से ही कांग्रेस की सरकार बनी। उनके अध्यक्षकाल की मेहनत से कांग्रेस ने 21 सीटों से बढ कर 99 सीटों पर पहुंचकर प्रदेश में सरकार बनाई।

पार्टी के लिए मेहनत करने वाले ऐसे व्यक्ति को गद्दार कहना गहलोत की ओछी मानसिकता को दर्शाता है और वहीं उनके यह बिगड़े बोल यह साबित करते है कि उनकी कुर्सी जाने वाली है और उसी डर से अपने शब्दों से खींज निकाल रहे है। कटारिया ने कहा कि कांग्रेस की उठक पटक से प्रदेश में मध्यावधि चुनाव से भी इंकार नहीं किया जा सकता। इस दौरान उदयपुर ग्रमीण विधायक फूलसिंह मीणा, भाजपा शहर जिला अध्यक्ष रवीन्द्र श्रीमाली, भाजपा देहात जिलाध्यक्ष चन्द्रग्रुप्त सिंह चौहान एवं अन्य पदाधिकारी भी उपस्थित थे।

अवैध हथियार के दम की लूट

धौलपुर, (निसं)। धौलपुर शहर की ओड़ेला रोड स्थित ताल कॉलोनी में चोरों ने रविवार सोमवार की रात्रि को एक मकान को निशाना बनाते हुए 18 हजार रुपए की नगदी के साथ करीब 50 हजार रुपए के सोने चांदी के आभूषणों को पार कर दिया। चोरी की वारदात को अंजाम देने के बाद चोर पड़ोसी की बाइक को भी चुरा ले गए। थाने में पीड़ित ने मामला दर्ज कराया है।

एएसआई यादराम ने बताया कि ताल कॉलोनी का रहने वाला गफ्फार उम्र 24 पुत्र बदले ने थाने में मामला दर्ज कराया है। जिस मामले में पीड़ित ने बताया है कि रविवार रात को 3 अज्ञात चोरों ने उनके घर में घुसकर पत्नी को अवैध हथियार के दम पर धमका कर घर में रखे सोने चांदी के आभूषणों के साथ 18 हजार रुपए की नकदी को पार कर दिया। आरोपी महिला को धमका कर पड़ोस में रहने वाली नेत्रपाल की मोटरसाइकिल को लेकर फरार हो गए।

सिलिकोसिस से एक जने की मौत

गांव बांसी निवासी प्रेम सिंह को उपचार के लिए सीएचसी लाया गया था

वैर, (निसं)। प्रदेश में सिलकोसिस से होने वाली मौत थमने का नाम नहीं ले रही है। गांव बांसी में सिलिकोसिस बीमारी के चलते एक जने की मौत हो गई जिसका सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में पोस्टमार्टम कार्रवाई करवा कर शव परिजनों को सौंप दिया।

गांव बांसी निवासी प्रेम सिंह पुत्र फूल सिंह जाटव की देर शाम तबीयत खराब हो गई जिसे उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। प्रेम सिंह सिलिकोसिस बीमारी से ग्रसित बताया जिसके शव को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की मोर्चरी में रखवा दिया। सोमवार सुबह सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सकों द्वारा पोस्टमार्टम कार्यवाही करवा कर शव परिजनों को सौंप दिया।

थाना प्रभारी सुमेर सिंह ने बताया कि गांव बांसी निवासी कप्तान सिंह ने

मृतक का सीएचसी पर पोस्टमार्टम कराती पुलिस।

पुलिस में रिपोर्ट देकर अवगत कराया की उसका बड़ा भाई प्रेम सिंह पुत्र फूल सिंह जाटव सिलकोसीस बीमारी से ठासित था जिसकी मौत हो गई है। पुलिस ने पोस्टमार्टम कार्रवाई करवा कर शव परिजनों को सौंप दिया।

सनसिटी रिसोर्ट में दुल्हनों को लेने आया हैलीकॉप्टर

चूरू के सनसिटी रिर्सोट से दुल्हन की विदाई हेलीकॉप्टर में हुई।

चूरू, (कासं)। कृषि के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने पर राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित सीकर निवासी यूसुफ खां जेवली ने अपने दो बेटों की दोनो दुल्हनों को ससुराल लाने के लिए हैलीकॉप्टर भेजा।

यूसुफ खां के भांजे इस्माइल खां ने बताया कि मेरे मामा के बड़े बेटे इमरान की पिथीसर के यूसुफ की पुत्री जाहिदा की 27 नवम्बर को शादी हुई थी। वंही दूसरी तरफ मेरे मामा के छोटे बेटे नदीम की चूरू के वन विहार के रमजान मोयल की पुत्री नाजमीन के

- **दुल्हनों को लेने आये हैलीकॉप्टर बने कौतूहल का विषय**

साथ 27 नवम्बर को शादी हुई थी। यूसुफ जेवली ने 28 नवम्बर को दोनो बहुओं को ससुराल लाने के लिए सुबह नौ बजे हैलीकॉप्टर भेजा था। साढ़े नौ बजे हैलीकॉप्टर दोनो दूल्हे व दुल्हनों को लेकर सीकर के लिए रवाना हुआ। शहर में दोनो दुल्हनों को लेने के लिए जब शहर में हैलीकॉप्टर आया तो लोगो के बीच चर्चा का विषय बन गया।

बस की टक्कर से कम्पाउण्डर की मौत

करौली, (निसं)। एक निजी बस ने करौली-गंगापुर मार्ग पर पाटौर गांव में स्कूटी को टक्कर मार दी। जिससे स्कूटी सवार आयुर्वेद विभाग में कार्यरत कंपाउंडर की मौत हो गई। मृतक का शव करौली अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया है। जिसका पोस्टमार्टम कर शव परिजनो को सुपुर्द कर दिया।

करौली अस्पताल पुलिस चौकी प्रभारी एएसआई महेश शर्मा ने बताया कि गोपाल कर्णावत पुत्र रामसिंह 58 निवासी कर्मचारी कॉलोनी गंगापुर सिटी करौली के तुलसीपुरा स्थित आयुर्वेदिक औषधालय में कंपाउंडर के पद पर कार्यरत था। सोमवार प्रात: करीब 10 बजे कंपाउण्डर स्कूटी द्वारा गंगापुर से करौली आ रहा था। करौली आते समय एनएच 23 पर पाटौर गांव के पास करौली से गंगापुर की ओर जा रही एक निजी बस ने स्कूटी को टक्कर मार दी। बस की टक्कर से स्कूटी सवार गंभीर रूप से घायल हो गया।

घायल को करौली अस्पताल लाया गया। जहां डॉ. ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। अस्पताल चौकी से घटना की सूचना कुडगांव थाना पुलिस और मृतक के परिजनों को दी गई है। मृतक का शव अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया है। जिसका परिजनो की उपस्थिति में पोस्टमार्टम कर शव सुपुर्द कर दिया। वही पुलिस ने बस को कब्जे में ले लिया है। और पुलिस मामले की जांच कर रही है।

आठ सूत्री मांगों को लेकर जनक्रान्ति सेना का बीसलपुर से जयपुर पैदल मार्च शुरू

मालपुरा अस्पताल में ट्रोमा सेन्टर, खेल स्टेडियम निर्माण, कृषि विश्वविद्यालय की स्थापना आदि मांग रखी

मालपुरा, (निसं)। मालपुरा टोडारायसिंह विधानसभा क्षेत्र में आमजन से जुड़ी आठ सूत्री मांगों को लेकर जनक्रान्ति सेना ने सोमवार को बीसलपुर महादेव की पूजा कर जयपुर के लिए कूच किया। जनक्रान्ति सेना के संयोजक पूर्व उपजिला प्रमुख अवधेश शर्मा की अगुवाही मे हजारों महिला-पुरूषों ने बिसलपुर महादेव मंदिर मे पूजा अर्चना कर 150 किमी लम्बी पैदल मार्च पर निकल पडे।

टोडारायसिंह कस्बे में पहुंची पैदल मार्च में शामिल लोगों का जगह-जगह जोरदार स्वागत किया गया। अवधेश शर्मा ने महात्मा ज्योतिबा फुले, डॉ.भीमराव अम्बेडकर व महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर विधानसभा क्षेत्र की आमजन से जुडी आठ सूत्री मांगों को लेकर जयपुर पैदल मार्च किये जाने का उद्देश्य बता आमजन से सहयोग की अपील की।

पैदल मार्च का पहला पडाव चामुण्डा माता मंदिर कुकड में रहा। अवधेश शर्मा बीते 20 साल से

मालपुरा-टोडारायसिंह विधानसभा क्षेत्र की आठ सूत्री मांगों को बजट में शामिल कराने की मांग को लेकर पैदल मार्च निकाला।

विधानसभा क्षेत्र की जनसमस्याए उठाते आ रहे है। क्षेत्र में लगातार 9 साल से भाजपा का विधायक व सांसद होने के बावजूद जनसमस्याओं के समाधान व क्षेत्र के विकास में शिथिलता बरतने से मालपुरा क्षेत्र के अवरूद्ध पडे विकास पर भी कई मृतबा आवाज उठाई।

अवधेश शर्मा ने अपनी आठ सूत्री मांगों में बिसलुपर बांध का ऑवरफ्लो पानी टोरडी, चान्दसेन व रामसागर बांध में डलवाने, बिसलपुर पुलिया का निर्माण करवाने, टोडा मंडी को पूर्ण मंडी का दर्जा दे, ज्योतिबा फुले नामकरण करने, मालपुरा में खेल स्टेडियम निर्माण, कृषि विश्वविद्यालय की स्थापना, मालपुरा अस्पताल में ट्रोमा सेन्टर, अविकानगर टॉल नांके को पैराफेरी क्षेत्र से बाहर स्थानान्तरित करने जैसी मूलभूत आवश्यकताओं को आगामी बजट में शामिल करवाने को लेकर 150 किमी तक क्षेत्रवासियों के साथ पैदल मार्च कर जयपुर पहुंच मुख्यमंत्री अशोक गहलोत व पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट को ज्ञापन के जरिए अवगत करवाया जायेगा।

जनक्रान्ति सेना की पैदल मार्च में बिसलपुर से मोर तक कारवां बढता गया व अवधेश शर्मा को जनसमर्थन दे क्षेत्रवासियों में उनके साथ पैदल मार्च में शामिल हो अपना समर्थन दिया।

इस अस्थिर कांग्रेस सरकार के प्राण कब निकल जाएं पता नहीं: सतीश पूनिया

भाजपा द्वारा राजस्थान के सभी विधानसभा क्षेत्रों में निकाली जाने वाली जन आक्रोश रैली की तैयारी के सिलसिले में भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया डूंगरपुर पहुंचे

- **बेणेश्वर धाम में डॉ. पूनिया ने महायज्ञ में आहूति दी और कहा, 2018 में कांग्रेस का विघटन शुरू हुआ, राजभवन में दो-दो मुख्यमंत्रियों के नारे लगे मंत्रिमंडल के गठन को लेकर झगड़ा हुआ।**
- **राहुल गांधी राजस्थान यात्रा पर आ रहे हैं, उनसे एक सवाल पूछना चाहता हूँ कि, आपने कहा था, कांग्रेस सत्ता में आएगी तो 10 तक गिनती गिनेंगे और किसानों का सारा कर्जा माफ कर देंगे, लेकिन 1700 दिन हो गए, कर्जा माफ नहीं किया।**

डूंगरपुर/जयपुर, 28 नवम्बर (का.सं.)। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया ने डूंगरपुर पार्टी जिला कार्यालय में प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि राजस्थान के इतिहास में इस तरीके की नकारा, निकम्मी, अकर्मण्य, भ्रष्ट और अराजक सरकार नहीं देखी, इससे पहले भी कांग्रेस की सरकार थी। 2018 में कांग्रेस का जो विघटन शुरू हुआ, जब राजभवन में मुख्यमंत्री की शपथ के बाद भी दो-दो मुख्यमंत्रियों के नारे लगे, उसके बाद लगातार मंत्रिमंडल के गठन को लेकर झगड़ा, सचिवालय में किसको कौन सा कमरा मिले, इसका झगड़ा, गाड़ी किसको कैसी मिले इसका झगड़ा और अतत: परिणीति यह हुई कि करोना का दंश झेल रही जनता के साथ यह सरकार या तो भेदभाव कर रही थी या लापरवाही कर रही थी। अब हालत यह है कि इस अस्थिर कांग्रेस सरकार के प्राण कब निकल जाएं, पता नहीं।

भाजपा की ओर से राजस्थान के 200 विधानसभा क्षेत्रों में निकाली जाने वाली जन आक्रोश यात्रा की तैयारियों को लेकर सोमवार को भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया डूंगरपुर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने बेणेश्वर धाम के पवित्र प्रांगण में आयोजित श्री हरि मंदिर स्वर्ण शिखर प्रतिष्ठा महोत्सव एवं महायज्ञ में सम्मिलित होकर अनुष्ठान में आहुति दी।

पत्रकारों से वार्ता में उन्होंने कहा कि 2018 में अलवर के थानागाजी गैंगरेप की गूंज पूरे देश में हुई, अलवर की निर्भया गैंगरेप की गूंज हुई और कोई दिन ऐसा नहीं होता जब अखबार रंगे नहीं होते दुष्कर्म, गैंगरेप हत्या, लूट इत्यादि घटनाओं से। क्या दृश्य होगा जब कोई नवजात के शव को श्वान नोंचता हो, वो भी सरकारी अस्पताल में। वो क्या विडंबना रही होगी जब भूख से बिलखती कोई अबला रोटी मांगती है, एम्बुलेंसकर्मी से और वहीं एम्बुलेंस कर्मी उस महिला से दुष्कर्म करते हैं। क्या परिस्थिति रही होगी जहां मुख्यमंत्री विराजते हैं उससे कुछ दूर धर्मान्तरण हो रहा हो। क्या तकलीफ रही होगी जब किसी साधु या पुजारी को या तो जलने पर मजबूर होना पड़ा या उसको जला दिया, यह राजस्थान की कानून व्यवस्था की बानगी है, राजस्थान ऐसा लगता है कि अपराधों की राजधानी हो गया है।

उन्होंने कहा, दूसरा बड़ा मसला है कि राहुल गांधी यहां यात्रा करने आ रहे हैं, लेकिन मैं उनसे एक सवाल पूछना चाहता हूं कि आपने यह कहा था कि जब कांग्रेस सत्ता में आएगी तो 10 तक गिनती गिनेंगे और राजस्थान के सारे किसानों का सारा कर्जा माफ कर देंगे। चार वर्ष हो गए, दिन तो 10 कहे थे, लेकिन 10 से भी कहीं ज्यादा 1700 दिन हो गए, लेकिन किसानों का कर्जा माफ नहीं किया। अब राजस्थान की धरती पर कदम रखें तो उस वादे को याद करें।

जनाक्रोश रैली की तैयारियों का जायजा लेने डूंगरपुर गए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया ने बेणेश्वर धाम में श्री हरिमंदिर स्वर्ण शिखर प्रतिष्ठा महोत्सव में भाग लिया व महायज्ञ में भी शामिल हुए।

तीसरा बड़ा मसला रोजगार का है। उन्हीं के जन घोषणा पत्र में रोजगार की बात बेरोजगारी भत्ता की बात कही गई थी। पर 70 लाख बच्चों ने परीक्षा दी है राजस्थान में, लेकिन नतीजा क्या हुआ रीट , जेईएन, फार्मासिस्ट, लाइब्रेरियन की जितनी नौकरियां थी उसमें नौकरी का आंकड़ा तो बताया सदन में एक लाख, परीक्षा दी 70 लाख ने, 69 लाखों बच्चों के भविष्य के बारे में कोई रोडमैप सरकार के पास नहीं है। उसमें कोढ में खाज का काम यह हुआ कि नकल जैसे एक संगठित अपराध ने राजस्थान के नौजवानों के भविष्य को उनके सपनों को चकनाचूर करने का काम किया।

उन्होंने कहा कि एंटीइनकंबेंसी, जिसे जनता का सरकार विरोधी रुझान कहते हैं, भी एक मुद्दा है। लेकिन मैं इसको खाली सत्ता विरोधी रुझान ही नहीं बोलता हूं, इसको जनआक्रोश बोलता हूं और इसलिए यह जो जन आक्रोश अभियान है, यह जनता की उन्हीं चीजों को मुखर करने के लिए किया है। सभी 200 विधानसभा क्षेत्रों में जाएंगे1 दिसंबर से लेकर 14 दिसंबर तक, हम लोग 2 करोड़ लोगों से जनसंपर्क करेंगे, दो सौ विधानसभा क्षेत्रों में 75 हजार किलोमीटर 200 तक रथ चलेंगे, पार्टी के कार्यकर्ता जनता से जनसंपर्क करेंगे। सभी विधानसभाओं में प्रभारी एवं सह-प्रभारी तैनात कर दिए गए हैं, जो मंडल और बूथ स्तर तक संगठनात्मक ढांचा तय करेंगे। इस माध्यम से 5 लाख कार्यकर्ताओं की महत्वपूर्ण सक्रिय सहभागिता होने वाली है।

जन आक्रोश यात्रा के माध्यम से संपूर्ण राजस्थान में 20 हजार चौपाल सभाएं एवं 20 हजार नुक्कड़ सभाएं तय की गई हैं।

एक दिसंबर को जन आक्रोश यात्रा का आरंभ भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा रथों की रवानगी से जयपुर से करेंगे, पूरे प्रदेश में 200 विधानसभा क्षेत्रों तक 200 रथ जाएंगे। 2 दिसंबर को जिलों से, 3 और 4 को विधानसभाओं से जन आक्रोश रथ यात्रा शुरू होंगी और लगातार 14 दिसंबर तक हर घर तक, हर दरवाजे तक कार्यकर्ता जाएगा, और इस जन विरोधी कांग्रेस सरकार की नाकामियों को लोगों तक पहुंचाएंगे।

'क्या आप गहलोत...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

क्योंकि यह स्पष्ट हो गया है कि, राहुल गाँधी की ना तो चुनाव ना ही राजनीति और उसके परिणाम पर फोकस करने में कोई रुचि है।

ए.आई.सी.सी. के वरिष्ठ पदाधिकारी यात्रा में व्यस्त हैं तथा ए. आई. सी.सी. का संचालन रिमोट कंट्रोल से हो रहा है। राहुल गाँधी की प्रेस कॉन्फ्रेंस के मंच पर कमलनाथ, दिग्विजयसिंह सहित पार्टी के कई वरिष्ठ नेता विद्यमान थे।

रोचक बात यह है कि, राहुल गाँधी जो कहते हैं और असलियत में जो हो रहा है उसमें उन्हें कोई विरोधाभास नज़र नहीं आता। ज्योतिरादित्य सिंधिया के बारे में पूछे गए इस प्रश्न पर, कि क्या लौटने पर पार्टी में उनका स्वागत होगा, राहुल गाँधी ने कहा, जो लोग पार्टी छोड़कर गए हैं यदि उन्हें रिश्वत दी गई है तो उनका लौटना मुश्किल होगा।

राहुल गाँधी मूलत: यात्रा के बारे में अपना सोच आगे बढ़ाने पर फोकस कर रहे थे और कि, यात्रा में उनकी इतनी दिलचस्पी क्यों है। लेकिन वरिष्ठ नेताओं का कहना है, संगठन की उपेक्षा का नतीजा पार्टी को चुकाना पड़ रहा है, चुनावी राजनीति के संदर्भ में।

जबरन धर्म ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

शामिल नहीं है। केन्द्र का यह जवाब उस याचिका पर आया है, जो कपटपूर्ण धर्म-परिवर्तन तथा डराने-धमकाने तथा उपहारों एवं मौद्रिक लाभों के जरिये छलपूर्वक प्रलोभन देकर धर्म-परिवर्तन करने के खिलाफ दायर की गई है। केन्द्र ने कहा कि इसका धर्म-परिवर्तन अनुच्छेद14, 21 तथा 25 का उल्लंघन करता है। केन्द्र ने एक शपथ-पत्र पेश किया, जिसमें जबरन धर्म-परिवर्तन के खिलाफ गंभीर कदम उठाये जाने का संकल्प लिया है। केन्द्र ने कहा कि जबरन धर्म-परिवर्तन के खिलाफ कानून लाना आवश्यक है ताकि समाज के कमजोर वर्गों को इससे बचाया जा सके। केन्द्र सरकार ने कहा कि याचिकाकर्ता ने ऐसे बहुत सारे उदाहरण प्रस्तुत किये हैं, जहाँ छल-कपट, धोखाधड़ी, बल प्रयोग, प्रलोभन या अन्य ऐसे ही तरीकों से देश के कमजोर वर्गों का धर्मान्तरण संगठित, नियोजित तथा परिष्कृत तरीके से किया गया है। केन्द्र ने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि "प्रचार" शब्द में किसी व्यक्ति के धर्म के परिवर्तन का अधिकार निहित नहीं है, इस शब्द का प्रयोग सकारात्मक अर्थ में, अपने सिद्धांतों का निरुपण करके अपने धर्म का प्रसार करना है।

केन्द्र ने कहा कि वह इस याचिका में उठाये गये मुद्दे की गंभीरता से परिचित है, तथा समाज के कमजोर वर्गों, जिनमें महिलायें तथा आर्थिक एवं सामाजिक रूप से पिछड़े वर्ग शामिल हैं, के अधिकारों के संरक्षण के लिये कानून बनाना जरूरी है। नौ राज्य इस विषय पर पहले ही कानून बना चुके हैं। ये राज्य हैं- ओडिशा, मध्य प्रदेश, गुजरात, छत्तीसगढ़, झारखंड, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, कर्नाटक तथा हरियाणा।

14 नवम्बर को सर्वोच्च न्यायालय ने कहा था कि जबरन धर्मान्तरण "बहुत गंभीर मुद्दा" है तथा इससे देश की सुरक्षा प्रभावित हो सकती है। अदालत ने केन्द्र से कहा कि इस बावत अपना रुख स्पष्ट करे कि जबरन धर्मान्तरण को रोकने के लिये क्या-क्या कदम उठाये जा सकते हैं।

'एक अच्छे "गॉल्फर" की भांति...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

एल्बेट्रॉस। तीसरे नम्बर का सबसे अच्छा शॉट होता है बर्डी, जो कि दुर्लभ होता है। उससे बेहतर है बड़ा "बर्ड" ईगल जो और भी ज्यादा दुर्लभ है और उससे भी बेहतर है एल्बेट्रॉस।

मैं कहूंगा कि उन्होंने शुरूआत कई प्रकार के "बर्डी" शॉट्स से की। वे ना केवल महलों से निकल कर सड़कों पर उतरे बल्कि आम लोगों, निर्धन से भी निर्धनतम से भी घुल मिल गए। निश्चित रूप से अमीर लोग भी उनके साथ आए जैसे रिया सेन, अमोल पालेकर।

हिन्दुस्तान टाइम्स की एन्टरटनमैंट डैस्क ने खबर दी थी कि रश्मि देसाई और आकांक्षा पुरी भी शनिवार को भारत जोड़ो यात्रा में राहुल के साथ चली तीनों की तस्वीरें व वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुए। इसके अलावा महाराष्ट्र में रिया सेना से पहले पूजा भट्ट और रितेश देशमुख भी यात्रा में शामिल हुए। अब नैशनल मीडिया भी इस नए गॉल्फर को देख रहा है और फॉरैन मीडिया जो उनकी वाक को नेहरूवादी जुमला करार देकर खारिज कर रहा था वह भी अपनी टी.वी. टीम भेज रहा है यात्रा कवरेज करने के लिए जैसे बी.बी.सी.।

बी.बी.सी. रिपोर्टर ने कहा "भाजपा ने राहुल की यात्रा को ऐसा मिशन कह कर खारिज कर दिया जिसमें ऐसे देश को जोड़ने की बात कह रहे हैं जो कभी भी टूटा नहीं था लेकिन गत 75 दिनों से कई बॉलीवुड एक्टर, कई शिक्षाविद्, एक्टिविस्ट यहां तक विपक्षी नेता, जो कांग्रेस के घोर विरोधी थे, वे भी गांधी के प्रति समर्थन जताने के लिए यात्रा में शामिल हो रहे हैं।" उक्त रिपोर्टर ने गांधी के साथ हजारों किलोमीटर का सफर कर रहे लोगों से बात की। "हैदराबाद के एक मैनेजमैंट कंसलटैंट, जिसने वर्ष 2014 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को वोट दिया था, ने बताया कि वह यहां इसलिए है क्योंकि मौजूदा सरकार से उसका मोहभंग हो गया है। दम्पती जो पुणे में आईस्क्रीम पार्लर चलाता था, ने विरोध का बैनर उठाया है उनका दावा है कि यह भारत के विश्वविद्यालियों का राजनैतिक करण है। कई ग्रामीणों ने कहा वे तो सिर्फ उत्सुक हैं और देखने आए हैं। क्योंकि जहां हम रहते हैं वहां कभी इतना बड़ा कोई कार्यक्रम नहीं हुआ।" मध्य प्रदेश में उनके भाषण में आदिवासियों की भारी भीड़ ने देखा कि, "भले मानुस" राहुल गांधी ने नरेन्द्र मोदी की जातिवादी, सवर्ण वादी, आदिवासी विरोधी नीतियों का पर्दाफाश कर दिया किस प्रकार मोदी आदिवासियों को वनवासी के रूप में परिभाषित कर रहे हैं।

उन्होंने कहा "आप आदिवासी हैं। "इस पर ना तो ना तो ऊंगली उठाई गई ना मुट्ठी लहराई गई और ना ही मोदी के बाप-दादा का नाम लिया गया।

राहुल ने कहा, आप आदिवासी हैं इसका क्या मतलब है इसका मतलब है कि आप भारत के मूलभूत निवासी हैं।

इसका अर्थ है कि जब भारत में कोई नहीं रहता था आप तब भी यहां थे। इसलिए आप इस देश के पहले नागरिक हैं इसलिए आपके साथ बेहतरीन व्यवहार होना चाहिए। लेकिन आपको इससे वंचित किया जा रहा है।

उन्होंने कहा, मैंने सुना है नरेन्द्र मोदी आपके लिए "वनवासी" शब्द का प्रयोग करते हैं। इसका अर्थ है कि आप समाज के अंग नहीं हैं आप जंगल में रहते हैं। लेकिन सरकार ने जंगल के अधिकार, जमीन, पेड़ सब निजी सैक्टर को बेच दिया है। तो जब जंगल नहीं होंगे आप भी समाज के अंग नहीं होंगे, आप जंगल का हिस्सा भी नहीं रह जाएंगे क्योंकि जंगल होंगे ही नहीं।" उन्होंने थोड़ी देर ही बोला इस समय वे अकेले थे उनके पीछे बात-बात पर "तालियां" चिल्लाने वाला कोई "यस मैन" भी नहीं था। विडियो में मैंने राहुल गांधी जिंदाबाद या हमारा नेता कैसा हो, राहुल गांधी जैसा हो, का नारा नहीं सुना।

राहुल ने किसी भी तरह की तारीफ या समर्थन नहीं मांगा, वे चाहते थे कि उनकी बात लोगों तक पहुंचे, अंत में उन्होंने कहा, मुझे उम्मीद है मैंने जो कहा आप समझ गए होंगे? ओह हाँ आपके चेहरे से लगता है कि आप समझ गए हैं। जयहिंद।"

साफ कहूँ तो मैंने कभी भी किसी नेता को ऐसा करते नहीं देखा यहां तक कि इंदिरा गांधी को भी नहीं, जबकि वो भीड़ खींचना जानती थीं। खेलते रहो राहुल, अच्छा गॉल्फ चल रहा है और मैं आपके लाखों प्रशंसकों में से एक हूँ।"

बजरी खनन स्थल पर ग्रामीणों ने जमकर हंगामा किया

- **आरोप है कि, बजरी लीज़ धारक बनास में अवैध रूप से बजरी खनन कर रहे हैं, जिससे जलस्रोत सूखते जा रहे हैं।**
- **गुस्साए ग्रामीणों व किसानों ने ना केवल बजरी खनन रूकवा दिया बल्कि खनन कर रहे वाहनों में तोड़-फोड़ भी की।**

टोंक, 28 नवम्बर (निसं)। बनास नदी क्षेत्र के प्रतिबंधित क्षेत्रों में बजरी लीज धारक द्वारा खनन करने से आक्रोशित ग्राम वजीरपुरा, लहन, बोरदा, अहमदपुरा, नया गांव, पालडा के आक्रोशित किसानों व ग्रामीणों ने बजरी खनन स्थल पर पहुंच कर जमकर हंगामा किया और बजरी खनन करने वाले वाहनों में तोड़फोड़ भी कर दी। इससे ग्रामीण व बजरी लीज़ धारक के कर्मी आमने-सामने हो गए।

ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि लीज़धारक की माईनिंग विभाग, प्रशासन व पुलिस विभाग से मिलीभगत है और वह अवैध रुप से प्रतिबंधित क्षेत्र में बजरी खनन कर रहा है और बनास में बजरी खनन से उनके जलस्त्रोत सूखते जा रहे है और बेतरतीब खनन किया जा रहा है। इसको लेकर प्रशासन को कई बार अवगत कराने के बावजूद कोई कार्यवाही नहीं हुई तो आक्रोशित ग्रामीण खनन स्थल पर पहुंच गए और उनके आक्रोश के चलते खनन कार्य को रोकना पड़ा। मामले की जानकारी लगते ही पुलिस भी मौके पर पहुंच गई साथ ही ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि प्रतिबंधित क्षेत्र में अवैध खनन फिर से करते हैं तो ग्रामीण फिर से नदी में उतरेंगे।

जानकारी के अनुसार सुप्रीम कोर्ट की रोक के बाद फिर से बजरी खनन चालू हुई है। ग्रामीणों व किसानों का बजरी लीज़ धारक नियम कायदे कानूनों की धज्जियां उड़ाकर खनन कर रहा है। ग्राम वजीरपुरा, लहन, बोरदा, अहमदपुरा नया गांव, पालडा के किसान व ग्रामीण नदी में उतर गए और जमकर हंगामा किया। आक्रोशित भीड़ ने ना केवल बजरी खनन रुकवा दिया बल्कि खनन कर रहे वाहनों में तोडफोड भी की। इससे वजीरपुरा के बनास नदी इलाके में हालात तनावपूर्ण हो गए। घटना की जानकारी मिलते ही बजरी लीज़धारक के अन्य कर्मचारी भी मौके पर पहुंचे और आक्रोशित ग्रामीणों से वार्ता की। पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। जिसके बाद आक्रोशित भीड शांत हुई। भीड में शामिल किसान और ग्रामीणों का आरोप है कि बजरी लीज धारक के लोग नदी में चेकपोस्ट लगा अहमदपुरा की रवन्ना रसीद के नाम पर वजीरपुरा और मोलाईपुरा जैसे प्रतिबंधित क्षेत्रों में पुलिस, प्रशासन और खनिज विभाग की मिलीभगत से बनास में बजरी निकालने का काम कर रहे है। ग्रामीणों का आरोप है कि नियम कायदे कानूनों को ताक में रखकर किए जा रहे अवैध बजरी खनन से उनके क्षेत्रों के पानी के कुँए और अन्य जल स्त्रोत पूरी तरह से सूखने के कगार पर आ गए हैं, जिससे कृषि कार्यो में भी मुश्किल होने लगी है। आक्रोशित ग्रामीणों ने लीजधारक को चेतावनी दी है कि यदि प्रतिबंधित क्षेत्र में खनन किया गया तो फिर से ग्रामीण नदी में उतरेंगे।

राष्ट्रपति शी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पर काम करता है। इण्डो पैसफिक क्षेत्र में चीन के आर्थिक संबंध कुल मिलाकर चीन केन्द्रित रहे हैं जिसमें उसका अधिकांश कारोबार चीन के साथ हुआ है। यदि कैनेडा के शेष एशियाई देशों के साथ किए गए व्यापार को भी जोड़ लिया जाए, तो वह भी चीन के साथ हुए व्यापार की मात्रा से कम पड़ जाता है। कैनेडा अब चीन के अलावा एशिया के शेष देशों के साथ व्यापक व्यापार चाहता है और उसने इन देशों के लिए 750 मिलियन डॉलर का इन्फ्रास्ट्रक्चर डवलपमैंट प्रोग्राम बनाया हे। यह जी-7 देशों के उस वृद्धि किए गए 600 बिलियन डॉलर के इन्फ्रास्ट्रक्चर प्लान का हिस्सा होगा जो उन्होंने चीन के दबदबे का मुकाबला करने को लेकर एशिया के शेष देशों के लिए बनाया है। इन्फ्रास्ट्रक्चर की इस पहल को चीन के बैल्ट एण्ड रोड (बी.आर.आई.) प्रोग्राम का विकल्प माना जा रहा है। शी जिनपिंग के बी.आर.आई. के तहत लाए गए भारी इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रोजैक्ट्स को प्राप्त करने वाले कई देश कर्जे के जाल में फंस चुके हैं। परिणामस्वरुप इन प्रोजैक्ट्स के प्राप्तकर्ता देश विपरीत प्रतिक्रियाएँ देने को बाध्य हैं।

चीन के द्वारा बी.आर.आई. के तहत विशाल प्रोजैक्ट्स लाए गए थे जो आर्थिक रूप से टिकाऊ साबित नहीं हुए। परिणामस्वरुप जिन देशों ने ऋण लेकर इन प्रोजैक्ट्स पर काम किया था, अब वे ऋण उनके गले की फांस बन चुके हैं। ये प्रोजैक्ट्स अन्य देशों के अलावा श्रीलंका और पाकिस्तान में गंभीर आर्थिक बदहाली ला चुके हैं। चीन के राष्ट्रपति अभिमानी रुख और चीन का उभरता दबदबा बड़े देशों के साथ उसके संबंधों को खतरे में डाल रहा है। यद्यपि छोटे देशों के लिये चीन एक दुर्जेय शक्ति हो सकता है, लेकिन की धारणाएं बड़े देशों को उससे घृणा करने के अवसर प्रदान कर रही है। अत: वैकल्पिक गठबंधन बन रहे हैं जिनका परिणाम अन्तत: चीन के साथ अधिक विवादास्पद रुख के रूप में हो सकता है। चीन की संप्रभुता की धारणाओं के कारण एक नई वैश्विक व्यवस्था उभर रही है।

अल्पसंख्यक छात्र को आतंकवादी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

से यह क्रॉस क्वेश्चन किया कि वह उसे आतंकवादी कैसे कह सकते हैं। वायरल हुए एक वीडियो क्लिप में छात्र को प्रोफेसर से यह प्रश्न करते सुना जा सकता है उन्होंने बिना किसी प्रूफ के उसे आतंकवादी क्यों कहा। प्रोफेसर इस प्रश्न का कोई स्पष्ट जवाब नहीं दे सके और उन्होंने सिर्फ कुछ अपूर्ण उदाहरण दिए जो छात्र के गले नहीं उतरे। इस पूरी घटना से हर कोई बेखबर रहता लेकिन सोशल मीडिया की वजह से यह प्रकाश में आ सकी। एक बार ट्वीट किए जाने के बाद पोस्ट वायरल हो गई। इसके बाद बैंगलोर के मनिपाल इन्स्टीट्यूट ऑफ टैक्नोलॉजी ने प्रोफेसर को निलम्बित करने के बाद घटना की जांच शुरु की दी।

यूनिवर्सिटी सूत्रों के अनुसार प्रोफेसर को जांच पूर्ण होने तक के लिए शिक्षण कार्य से प्रतिबंधित कर दिया गया है। घटना तीन-चार दिन पूर्व हुई और गत रात्रि ट्वीट आने के बाद ही यूनिवर्सिटी को इसकी जानकारी मिली। इस संबंध में एक जांच कमेटी गठित कर दी गई है। यूनिवर्सिटी के एक अधिकारी ने मीडिया कर्मियों को बताया कि "छात्र के साथ काउन्सलिंग की गई है। ऐसी घटनाओं के लिए हमारी ज़ीरो-टॉलरेंस पॉलिसी है। हम जांच के बाद उचित कार्यवाही करेंगे।

एम.आई.टी. बैंगलोर ने भी ट्वीट किया कि "संस्थान इस घटना को लेकर पहले ही जांच शुरु कर चुका है और जांच पूर्ण होने तक संबंधित शिक्षक को पढ़ाने से प्रतिबंधित कर दिया गया है। हम सबको यह बताना चाहते हैं कि संसीान इस प्रकार के व्यवहार को बर्दाश्त नहीं कर सकता और इस एक मात्र घटना को संस्थान की नीति के अनुरूप संभाला जाएगा।

ट्वीट में आगे कहा गया है कि "संस्थान को इस बात का गर्व है कि उसके कैम्पस में एक सर्वाधिक योग्य छात्र संगठन है और वह जाति, धर्म, क्षेत्र या लिंग से परे सबके साथ समान व्यवहार कर हमको संवैधानिक मूल्यों को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है।"

महाराष्ट्र के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

टिप्पणी कर दी थी। उन्होंने कह दिया था, "जब सावित्री बाई का विवाह हुआ था, उस समय वे 10 साल की थी तथा उनके पति ज्योतिबा 13 वर्ष के थे। कल्पना कीजिये कि ये लड़का-लड़की शादी के बाद क्या करते होंगे? वे क्या सोचते होंगे?" अभी एक माह पूर्व भी, राज्यपाल कोश्यारी ने उस समय फिर एक अप्रिय टिप्पणी कर दी थी, जब उन्होंने लोगों को जीवन गुरु के महत्व को समझाने की कोशिश की थी। उन्होंने कहा था, "दार्शनिक-कवि समर्थ रामदास (शिवाजी के गुरु) के बिना, कोई भी व्यक्ति शिवाजी को नहीं जान पाता।" भाजपा के कुछ वर्गों में यह धारणा बनती जा रही है कि कोश्यारी के पद पर बने रहने से विपक्षी नेताओं को आगामी स्थानीय निकाय चुनावों में भाजपा को नुकसान पहुँचाने का मौका एवं आधार मिल जायेगा। तथा इन चुनावों के बाद 2024 में अति महत्वपूर्ण लोकसभा चुनाव तथा राज्य विधानसभा चुनाव होने हैं।

समलैंगिक को ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अनुसार किरपाल के नाम को "पुनर्विचार" के लिए सुप्रीम कोर्ट कोलीजियम को भेजा गया है। तथापि, मैमोरेण्डम ऑफ प्रोसीजर के प्रावधानों के तहत यदि केन्द्र सरकार को कोलीजियम द्वारा नाम पुन: भेजा जाता है तो सरकार को उसे मंजूरी देनी पड़ेगी। किरपाल, पूर्व चीफ जस्टिस ऑफ इण्डिया (सी.जे.आई.) बी.एन. किरपाल के पुत्र हैं। इण्डिया अहेड के अनुसार उनको अस्वीकार किए जाने का एक कारण यह प्रतीत होता है कि इस 50 वर्षीय एडवोकेट के पार्टनर एक विदेशी है। उसने आगे जोड़ा कि इन्टैलीजेंस ब्यूरो के अनुसार उनके पार्टनर सिक्योरिटी के लिए एक रिस्क हो सकते हैं। दिल्ली हाईकोर्ट कोलीजियम द्वारा किरपाल के नाम को अक्टूबर 2017 में पहली बार मंजूरी दी गई थी, लेकिन सुप्रीम कोर्ट इसको लेकर चर्चा में तीन बार विलम्ब कर चुका है। मार्च 20121 में सी.जे.आई. एस.ए. बोबड़े ने विधि मंत्री रवि शंकर प्रसाद को लिखकर यह पूछा था कि क्या यह मामला इसलिए लंबित है कि किरपाल समलैंगिक है। हालांकि नवम्बर 2021 में तत्कालीन सी.जे.आई. एन.वी. रमना की अध्यक्षता वाले सुप्रीम कोर्ट कोलीजियम ने पदोन्नति के लिए किरपाल के नाम को मंजूरी दी थी। किरपाल ने एक टी.वी. न्यूज नैटवर्क को इस माह की शुरुआत में बताया था "मैं समझता हूं कि सरकार अब भी किसी एक विचार के खिलाफ है या धारा 377 के बारे में उसका कोई मत है। यह धारा समलैंगिकता या सम यौन व्यवहार को अपराध मानती है। सरकार ने धारा 377 को अपराध मुक्त करने का कभी विरोध नहीं किया, लेकिन साथ ही उन्होंने ऐसा कोई शपथ पत्र भी कभी प्रस्तुत नहीं किया, जिसमें यह कहा गया हो कि इस धारा को अपरामुक्त किया जाए।

चीन में लॉकडाउन के विरोध में जनता सड़कों पर उतरी

बीजिंग, 28 नवंबर। चीन में करोना संक्रमण की रोकथाम के लिए देश की साम्यवादी सरकार द्वारा अपनायी गयी सख्त नीति के खिलाफ राजधानी बीजिंग सहित देश के विभिन्न शहरों में लोगों ने प्रदर्शन शुरू किए हैं। जनता लॉकडाउन और आने-जाने के प्रतिबंधों को हटाने की मांग कर रही है और साथ ही चीन की साम्यवादी पार्टी के शासन का भी विरोध शुरू हो गया है। लोग राष्ट्रपति शी जिनपिंग के इस्तीफे की भी मांग कर रहे हैं। चीन में चल रहे प्रदर्शन बीजिंग से शुरू होकर तेजी से लॉन्चो, शियान, चोंगकिंग, वुहान, झेंगझोऊ,आदि शहरों तक फैल गये हैं।

'जजों की नियुक्ति का कोलीजियम सिस्टम 1991 में शुरू हुआ'

विधि मंत्री रिजिजू के अनुसार, इससे पहले सरकार ही जजों की नियुक्ति करती थी, अतः कोलीजियम सिस्टम संविधान की देन नहीं है, जजों के निर्णय की देन है

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- **सुप्रीम कोर्ट विधि मंत्री की इस टिप्पणी से काफी विचलित हुआ तथा एडवोकेट जनरल व सॉलिसिटर जनरल को चेतावनी दी कि, अगर जजों की नियुक्ति का मामला अकारण लटकता रहा तो, सुप्रीम कोर्ट को मजबूरन इस मुद्दे पर निर्णय पारित करना पड़ेगा।**

नई दिल्ली, 28 नवम्बर। कार्यपालिका एवं न्यायपालिका के बीच चल रही तनातनी आज उस समय उभरकर फिर सामने आ गई, जब सर्वोच्च न्यायालय ने जजों की नियुक्ति की कोलीजियम-व्यवस्था पर केन्द्रीय विधि मंत्री किरेण रिजिजू द्वारा हाल ही में की गई टिप्पणी पर कड़ी आपत्ति जताई तथा कहा कि ऐसा नहीं होना चाहिये था। न्यायालय ने केन्द्र द्वारा उच्चतर न्यायपालिका में जजों की नियुक्तियों में विलम्ब किये जाने के मुद्दे की ओर भी संकेत किया।

जजों की नियुक्ति की इस व्यवस्था पर कानून मंत्री किरेन रिजिजू ने अंधाधुंध प्रहारों पर सर्वोच्च न्यायालय ने कहा, "जब किसी उच्च पद पर बैठा हुआ कोई व्यक्ति ऐसा कहता है ....ऐसा नहीं होना चाहिये था।" रिजिजू, जो इस बात को लेकर अपने अंसतोष को मुश्किल से ही छुपा पाते हैं कि सर्वोच्च न्यायालय में जजों की नियुक्ति के मामले में सरकार की कुछ खास नहीं चलती है, ने हाल ही में वर्तमान नियुक्ति-तंत्र पर ताजातरीन हमला बोला तथा कहा कि कोलीजियम व्यवस्था संविधान के "प्रतिकूल" (एलिअन) है।

रिजिजू ने कहा था कि सर्वोच्च न्यायालय ने अपने विवेक से ही, अदालत के एक फैसले के जरिये, कोलीजियम का सृजन किया था। उन्होंने कहा कि 1991 से पहले, सारे जजों की नियुक्ति सरकार ही किया करती थी।

टाइम्स नाउ समिट में बोलते हुए, कानून मंत्री ने कहा कि भारत का संविधान हर व्यक्ति के लिये, विशेष रूप से सरकार के लिये, एक "पवित्र दस्तावेज" है।

उन्होंने पूछा कि, "आप यह अपेक्षा कैसे कर सकते हैं कि केवल अदालतों या कुछ जजों द्वारा लिये ऐसे निर्णय, जो संविधान के प्रतिकूल हो, का समर्थन देश कैसे करेगा।"

केन्द्र की ओर प्रस्तुत सॉलिसिटर जनरल के इस कथन कि "कभी-कभी मीडिया की रिपोर्ट गलत भी होती है" को विशेष तवज्जो देते हुये, अदालत ने कहा: "मि. अटॉर्नी जनरल, मैंने सारी प्रैस-रिपोर्टों की अनदेखी कर दी है, लेकिन यह कथन एक ऐसे व्यक्ति की तरफ से एक इन्टरव्यू के दौरान आया है, जो अभी उच्च पद पर आसीन है। .....मैं और कुछ भी नहीं कह रहा हूँ। अगर हमें कुछ कहना पड़ा तो हम उसे निर्णय (के रूप) में कहेंगे।" जस्टिस कौल ने केन्द्र सरकार का प्रतिनिधित्व कर रहे एटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमानी को जवाब देते हुए कहा।

नियुक्तियों में विलम्ब के बिन्दु पर अदालत ने पूछा कि नैशनल जुडिशियल ऑफ अपॉइन्टमेंट्स कमीशन (एन.जे.ए.सी.) अपनी कसौटी पर खरा नहीं उतरा है क्या यही कारण है, जिससे सरकार प्रसन्न नहीं है, तथा इसीलिये नामों पर स्वीकृति नहीं दे रही है।

कोलीजियम की सिफारिशों पर सरकार ने कुंडली मार के बैठने पर सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि केन्द्र, अपनी आपत्तियाँ बताये बिना, नामों को वापस नहीं कर सकता। अदालत ने किसी न्यायिक फैसले की चेतावनी भी दे दी। बैंच ने कहा, "कृपया इसका समाधान कर दीजिये तथा इस मामले में हमें कोई न्यायिक फैसला लेने के लिये बाध्य मत कीजिये।"

सर्वोच्च न्यायालय ने कहा, "जमीनी वास्तविकता यह है कि नामों की स्वीकृति नहीं दी जा रही है। (न्यायिक) तंत्र कैसे काम करेगा? कुछ नाम तो पिछले डेढ़ साल से लम्बित हैं।"

अदालत ने आगे कहा, "ऐसा हो नहीं सकता आप नामों को रोक नहीं सकते इससे समूचा तंत्र प्रभावित हो रहा है। और कई बार आप सूची से कुछ नाम छाँट लेते हैं और अन्य नामों को स्वीकृति नहीं देते हैं। इससे आप प्रभावी तरीके से वरिष्ठता को भंग कर देते हैं।".

सर्वोच्च न्यायालय ने आगे कहा कि कई सिफारिशें चार महीने से लम्बित हैं तथा उनकी समय सीमा पार हो गई है। अदालत ने कहा कि टाइम लाइन का तो पालन करना ही होगा। सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि एक वकील, जिसके नाम की सिफारिश की गई थी, की मृत्यु हो चुकी है तथा एक अन्य वकील ने अपनी सहमति वापस ले ली है।

अदालत ने एटॉर्नी जनरल तथा सॉलिसिटर जनरल से कहा कि वे उच्चतर न्यायपालिका के लिये सर्वोच्च न्यायालय कोलीजियम द्वारा अभिशंसित नामों की स्वीकृति देने में विलम्ब से संबंधित अदालत की भावनाएं केन्द्र तक पहुँचा दें।

जब अटॉर्नी जनरल तथा सॉलिसिटर जनरल ने यह आश्वासन दिया कि वे इस मामले की गहराई तक जायेंगे, उसके बाद अदालत ने इस प्रकरण को 8 दिसम्बर की सुनवाई तक के लिये स्थगित कर दिया।

राष्ट्रदूत हिन्दु संयुक्त परिवार की ओर से सोमेश शर्मा द्वारा ज्वाईन्ट मीडिया, आजाद मार्ग, मैन रोड, आयड, उदयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 57928/93 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513 कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371 अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908

MARUTI SUZUKI ARENA
जल्दी करें
या
मौक़ा गँवाएँ*
सीमित अवधि ऑफ़र्स, सिर्फ़ आपके लिए।
S-PRESSO
WAGONR
ALTO
बड़ी बचत
S-PRESSO ₹46 000*
WAGONR ₹46 000*
ALTO ₹46 000*
ऑफ़र सिर्फ़ स्टॉक रहने तक मान्य है।
S-PRESSO WAGONR ALTO
E-book today at www.marutisuzuki.com or visit your nearest Maruti Suzuki dealership | For bulk orders, mail at: bharat.mittal@maruti.co.in
AUTHORISED DEALERS: UDAIPUR: NAVNEET MOTORS: MADRI: CALL: 0294-2494454, 7230046380. CITY STATION ROAD: CALL: 0294-2415142, 7230046381. TECHNOY MOTORS: GOVARDHAN VILLAS: CALL: (0294) 2485158, 2485738, 9982666809. CHITTORGARH: BHATIA & COMPANY: CALL: 9414130799, 9001791753, 9587208999, 9414179006, 9413316117. BANSWARA: NAVNEET MOTORS: CALL: 9414159145, 7665010632, 7412074100. KOTA: BHATIA & COMPANY: CORPORATE OFFICE: 23-24, INDUSTRIAL ESTATE: CALL: 0744-2365092, 9829035100. DAKANIYA SHOWROOM: G-11-12, AUTO MOBILE ZONE, NEAR DAKANIYA STATION: CALL: 0744-2439000, 9829799009. SUWALKA MOTORS PVT. LTD.: KUNHARI: CALL: 0744-2370272, 9116312345, 7300308888. SULTANPUR: CALL: 9116178527. BHAWANIMANDI: CALL: 9116178557. KHANPUR: CALL: 07430-299240, 8306333715. JODHPUR: AURIC MOTORS PVT LIMITED: SARASWATI NAGAR, NEW PALI ROAD: CALL: 0291- 2722691, 9015900500. BALESAR: CALL: 6377715171. AHORE: CALL: 9015900500. SAYLA: CALL: 9015900500. SHRI KRISHNA AUTO SALES PVT. LTD.: PRATAP NAGAR: CALL: 0291-2762064/65, 9929244403, 9829144436. PHALODI: CALL: 9928841300, 9116150669, 9929244402. L.M.J. SERVICES LTD: A-11, INDUSTRIAL ESTATE, OPP. UDYOG BHAWAN, NEW POWER HOUSE ROAD: CALL: 8094011123, 8094011151, 0291- 2630478/79/80. NAGAUR: MANGALAM MOTORS: CALL: 9116008626, 9116008630. PALI: L.M.J. SERVICES LTD.: CALL: 02932 - 256177, 8094011136. SIROHI: NAVNEET MOTORS: CALL: 02972-222917-18, 7665010638. CHURU: AURIC MOTORS: CALL: 01562-250696, 8875010502. BIKANER: DUDI AUTOMOBILES: CALL: 0151-2942222, 0151 -3550418, 7412075151. PADAMPUR: CALL: 7412075151. AURIC MOTORS: CALL: 0151-2251819, 9529251819, 9636045111. AJMER: RELAN MOTORS: CALL: 0145-2610106, 9214444222. AJMER AUTO: CALL: 0145-2425200, 9314531845, 9314391004. JAIPUR: VIPUL MOTORS PVT. LTD.: DAUSA: CALL: 9773364861. LALSOT: CALL: 9773364863. BANDIKUI: CALL: 9773364864. MAHWA: CALL: 9773364862. MEHANDIPUR BALAJI: CALL: 9773364865. UNIARA: CALL: 7742944482. KTL AUTOMOBILE PVT. LTD.: PHULERA: CALL: 7412077062. SAMBHAR: CALL: 7412068410. ACHROL: CALL: 7412077078. FORTUNE CARS: KARAULI: CALL: 8875001175/ 8875005132. HINDAUN: CALL: 9214794314 / 8875007758. PREM MOTORS PVT. LTD.: BASSI: CALL: 8058794137. SAWAI MADHOPUR: CALL: 07462-220029 / 8058799005 / 8058794181. GANGAPUR CITY: CALL: 8058794021. BAGRU: CALL: 8058401166. KOTPUTLI: CALL: 8058794121. JOBNER: CALL: 8058796065. RENWAL: CALL: 8058600117. RENWAL-MANJHI: CALL: 8058794042. DUDU: CALL: 8058406655. PHAGI: CALL: 8058403338. KANOTA: CALL: 8058794167. TUNGA: CALL: 8058794137. K.P. AUTOMOTIVES PVT. LTD.: TONK: CALL: 9549651924. CHAKSU: CALL: 9549651926. SHAHPURA: CALL: 8696925275. DEOLI: CALL: 8696934957. MALPURA: CALL: 9549650513. NIWAI: CALL: 9667777114. PAOTA: CALL: 9549650495. VIRATNAGAR: CALL: 6350612446. JAMWA RAMGARH: CALL: 6350612727. SANGA AUTOMOBILES PVT. LTD.: CHOMU: (MORIJA ROAD): CALL: 9772210096 / 9772210906. GOVINDGARH: CALL: 9772210451. ALWAR: MG MOTORS: CALL: 9001795515, 9001795517, 8003692651, 8003692652, 8003090466. SRIGANGANAGAR: AURIC MOTORS: CALL: 8955559963. DUDI AUTOMOBILES: PADAMPUR: CALL: 7412075151. SIKAR: JAMU AUTOMOBILES: CALL: (01572) 245515 / 246219. NEEM KA THANA: JAMU AUTOMOBILES: CALL: 9785644715. JHUNJHUNU: AURIC MOTORS: CALL: 8955664400. BHILWARA: LOHIA AUTOMOBILES: CALL: 01482-264061, 264144, 09799545333, 09950512555. CHAMPION CARS: CALL: 01482-267135, 9602892423, 7727863720. BHARATPUR: TM MOTORS: CALL: 05644-220970, 226392, 9251423393, 9251423395, 8094000626.
*Offer includes consumer offer, retail support, exchange offer and ISL/ Rural offer (wherever applicable) on S-Presso (Petrol- V & V+ variants only), WagonR (1.2 L Petrol- all variants except AGS) and Alto 800 (Petrol- all variants except STD). *Terms & Conditions apply. The terms and conditions are subject to change without any prior notice. All offers are brought to you by Maruti Suzuki dealers only. Offers may vary from variant to variant. All offers shown are valid for limited period & for limited stock only. For more details, please contact your nearest ARENA dealership. Colors shown may vary from actual body colors due to printing on paper. Black glass shade on the vehicle is due to lighting effect. Images used are for illustration purposes only. Maruti Suzuki India Limited reserves the right to discontinue offers without notice. Above offers are valid till 30th November 2022 or till stocks last, whichever is earlier.